THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 221 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.2 2082 शुक्रवार, 7 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नार्को टेरर फंडिंग केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

जम्मू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जम्मू सब-जोनल ऑफिस की टीम ने नार्को टेरर फंडिंग मामले में गुरुवार को जम्मू (2 जगह) और कश्मीर (4 जगह) के कुल 6 ठिकानों पर छापेमारी की है। इनमें पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री जतिंदर सिंह उर्फ बाबू सिंह के कठुआ स्थित आवास पर भी तलाशी की गई। 30 मार्च 2022 को पुलिस ने मोहम्मद शरीफ शाह नाम के एक व्यक्ति को उस वक्त पकड़ा था, जब वह कश्मीर से जम्मू तक 6.9 लाख रुपये की हवाला राशि पहुंचाने जा रहा था। यह रकम पूर्व विधायक जतिंदर सिंह को दी जानी थी, जिसका इस्तेमाल जम्मू में अलगाववादी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए होना था।

बिहार में पहले चरण में 64.46 प्रतिशत वोटिंग

पटना, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है। शाम पांच बजे तक 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर 64.46 प्रतिशत मतदान हुआ है। पहले चरण के मतदान में कुल 1314 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें 1192 पुरुष और 122 महिलाएं शामिल हैं। पहले चरण की 102 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं, जबकि 19 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थी। इस चरण में कुल 3 करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए आयोग ने साधन उपलब्ध कराए थे। इनमें 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 325 पुरुष, 1 करोड़ 76 लाख 77 हजार 219 महिलाएं, और 758 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल थे।

महागठबंधन के सीएम पद के दावेदार तेजस्वी यादव परिजन के साथ ।

राघोपुर विधानसभा :

राघोपुर विधानसभा से पूर्व डिप्टी सीएम और लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव राजद से उम्मीदवार हैं। महागठबंधन ने इस बार तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया है। तेजस्वी ने अपने चुनावी करियर की शुरूआत इसी सीट से की थी। 2015 और 2020 में वह इस सीट से जीत चुके हैं। भाजपा ने यहां से पिछली बार के उम्मीदवार सतीश कुमार को टिकट दिया है। सतीश कुमार ने 2010 में जदयू के टिकट पर तेजस्वी यादव की मां और राजद की उम्मीदवार राबड़ी देवी को हराया था। जनसुराज ने चंचल कुमार को यहां मैदान में उतारा है।

तारापुर विधानसभा :

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस बार तारापुर से टिकट दिया गया है। इससे पहले वह परबत्ता सीट से राजद के टिकट पर चुनाव जीत चुके हैं। 2014 में वह राजद से अलग हो गए। 2020 में वह एमएलसी चुने गए। अब वह भाजपा के टिकट पर तारापुर सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला राजद के अरुण कुमार से है।

विधानसभा :

लखीसराय से भाजपा के टिकट पर लगातार तीन बार जीतने वाले विजय कुमार सिन्हा एक बार फिर यहां से मैदान में हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री सिन्हा फरवरी 2005 में हुए चुनाव में पहली बार लखीसराय से जीते थे। 2005 अक्टूबर में हुए चुनाव में उन्हें राजद के फुलेना सिंह से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन 2010 में उन्होंने अपनी सीट वापस ले ली। उनका मुकाबला कांग्रेस के अमरेष कुमार से है।

मोकामा विधानसभा :

बाहुबली और जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। मोकामा हुए हत्याकांड के बाद इस सीट की चर्चा पूरे देश में है। इस हत्याकांड का आरोप अनंत सिंह पर लगा है। उन्हें चुनाव प्रचार के बीच में गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उनके प्रचार की कमान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के हाथ में रही।

दानापुर विधानसभा :

यहां से भाजपा ने पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव को टिकट दिया है। रामकृपाल 2024 के लोकसभा चुनाव में पाटलीपुत्र सीट हार गए थे। उन्हें लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने शिकस्त दी थी। रामकृपाल यादव के सामने राजद ने रीत लाल राय को उतारा है। रीत लाल 2020 के विधानसभा चुनाव में यहां से जीते थे।

महुआ विधानसभा :

लालू यादव के बडे बेटे तेज प्रताप यादव पांच साल बाद फिर अपनी बनाई पार्टी के टिकट पर मैदान में हैं। राजद ने यहां से मुकेश कुमार रौशन और जनसुराज से इंद्रजीत प्रधान को टिकट दिया है।

>14

केंद्र ने फिर की ट्रिब्यूनल सुधार कानून पर सुनवाई टालने की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर कड़ा रुख दिखाया, जब केंद्र ने ट्रिब्यूनल सुधार कानून 2021 के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई टालने की मांग की।

अदालत ने कहा कि यह कोर्ट के साथ 'बहुत अनुचित' व्यवहार है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पिछले दिनों यह याचिका दी थी कि मामला पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ को भेजा जाए। अदालत ने उस पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि सरकार ने यह मांग सुनवाई के अंतिम चरण में रखकर गलत किया है।

क्या है पूरा मामला :

ट्रिब्यूनल सुधार (विवेकशीलता और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2021 में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए थे। इस कानून के तहत कुछ अपीलीय ट्रिब्यूनल, जैसे फिल्म सर्टिफिकेशन अपीलीय ट्रिब्यूनल, को खत्म कर दिया गया था।

इसके साथ ही, ट्रिब्यूनल के सदस्यों की नियुक्ति और कार्यकाल से जुड़ी कई शर्तें भी बदली गईं। इसी कानून को मद्रास बार एसोसिएशन समेत कई संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उनका कहना है कि यह कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता और शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांतों के खिलाफ है।

अदालत की नाराजगी क्यों :

गुरुवार को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने अदालत में कहा कि अटॉर्नी जनरल अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता में व्यस्त हैं, इसलिए शुक्रवार की सुनवाई आगे बढ़ा दी जाए। इस पर मुख्य न्यायाधीश गवई ने सख्त लहजे में कहा, हमने उन्हें पहले भी दो बार समय दिया है। यह अदालत के साथ न्याय नहीं है। उन्होंने आगे कहा, अगर आप 24 नवंबर के बाद सुनवाई चाहते हैं तो साफ-साफ बताइए। मैं 23 नवंबर को रिटायर हो रहा हूं, फिर हम फैसला कब लिखेंगे? सीजेआई ने यह भी पूछा कि अगर अटॉर्नी जनरल व्यस्त हैं, तो सरकार के इतने सारे एएसजी क्यों नहीं पेश हो सकते? उन्होंने कहा कि अदालत ने शुक्रवार का दिन केवल इस मामले के लिए खाली रखा है ताकि वीकेंड में फैसला तैयार किया जा सके।

आखिरकार, अदालत ने तय किया कि शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार (मद्रास बार एसोसिएशन की ओर से) की बहस सुनी जाएगी, और सोमवार को अटॉर्नी जनरल को अपना पक्ष रखने का आखिरी मौका दिया जाएगा। सीजेआई ने आगे कहा कि, अगर वे नहीं आते, तो हम सुनवाई बंद कर देंगे।

कर्नाटक सरकार को फिर झटका

संघ की गतिविधियों पर रोक के फैसले पर स्टे के खिलाफ याचिका खारिज

बेंगलूरू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें हाईकोर्ट के पूर्व में दिए गए आदेश को चुनौती दी गई थी। पूर्व में एक सिंगल जज की पीठ ने राज्य सरकार के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें सार्वजनिक जगहों पर निजी संगठनों की गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया था। अब सरकार ने सिंगल जज पीठ के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की थी, लेकिन सरकार को यहां से भी निराशा हाथ लगी। जस्टिस एस जी पंडित और गीता के बी की खंडपीठ ने सरकार को निर्देश दिया कि वह सरकार के फैसले पर लगे स्टे को हटाने के लिए उन्हीं सिंगल जज से संपर्क करे।

कर्नाटक सरकार ने बीते दिनों एक आदेश जारी किया था, जिसमें सार्वजनिक जगहों पर निजी संगठनों की गतिविधियों के लिए सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया था। सरकारी आदेश के अनुसार, आदेश का उल्लंघन करके आयोजित किया गया कोई भी कार्यक्रम या जुलूस भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) अधिनियम के प्रावधानों के तहत गैरकानूनी माना जाएगा। हालांकि सरकारी आदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि आदेश के प्रावधानों का मकसद हिंदू दक्षिणपंथी संगठन की गतिविधियों, रूट मार्च पर असर डालना है।

सिंगल जज की पीठ ने 28 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान अपने आदेश में सरकारी आदेश को लागू करने पर रोक लगा दी थी। पीठ ने पूछा था, अगर लोग एक साथ चलना चाहते हैं, तो क्या इसे रोका जा सकता है?

हाईकोर्ट ने सिंगल जज पीठ से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया :

सरकार की याचिका पर दो जजों की बेंच ने सुझाव दिया कि राज्य अपील दायर करने के बजाय सिंगल जज से स्पष्टीकरण मांगे। सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे एडवोकेट-जनरल शशि किरण शेट्टी ने कहा कि यह आदेश रैलियों और जुलूसों जैसे संगठित कार्यक्रमों के लिए है, न कि अनौपचारिक मुलाकातों के लिए। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही विरोध प्रदर्शनों को फ्रीडम पार्क और खेल आयोजनों को कांतीरवा स्टेडियम तक सीमित कर चुकी है।

वहीं सरकार के आदेश के खिलाफ याचिका दायर करने वाले संगठन पुनश्चेतना सेवा संस्था और वी केयर फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अशोक हरनाहल्ली ने कहा कि सरकार की अपील सुनवाई योग्य नहीं है।

देश को मिलेगी 4 नई वंदे भारत ट्रेन

पीएम मोदी 8 नवंबर को दिखाएंगे हरी झंडी

वाराणसी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 नवंबर को सुबह करीब 8:15 बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक साथ चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। ये 4 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें बनारस और खजुराहो, लखनऊ और सहारनपुर, फिरोजपुर और दिल्ली तथा एर्नाकुलम और बेंगलुरू के बीच चलेंगी।

ये नई ट्रेनें देश के प्रमुख गंतव्यों के बीच यात्रा के समय को कम करेंगी और इसके साथ ही क्षेत्रीय गतिशीलता को बढ़ाएंगी, पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ देश भर में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देंगी।

बनारस-खजुराहो वंदे भारत इस रूट पर डायरेक्ट कनेक्टिविटी स्थापित करेगी और वर्तमान में चल रही स्पेशल ट्रेनों की तुलना में लगभग 2 घंटे 40 मिनट की बचत करेगी। बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों जैसे- वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और खजुराहो को जोड़ेगी।

लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत ये यात्रा लगभग 7 घंटे 45 मिनट में पूरी करेगी, जिससे यात्रा समय में लगभग 1 घंटे की बचत होगी। लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से लखनऊ, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर के यात्रियों को काफी लाभ होगा, साथ ही रुड़की होते हुए हरिद्वार तक उनकी पहुंच भी बेहतर होगी।

फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत इस रूट की सबसे तेज ट्रेन होगी, जो सिर्फ 6 घंटे 40 मिनट में अपनी यात्रा पूरी करेगी। फिरोजपुर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस राष्ट्रीय राजधानी और पंजाब के प्रमुख शहरों फिरोजपुर, बठिंडा और पटियाला के बीच संपर्क को मजबूत करेगी।

राहुल गांधी के दावों पर भाजपा हमलावर

सीएम फडणवीस बोले- उनका हाइड्रोजन बम सिर्फ एक पटाखा निकला

नागपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि वह असल में एक 'छोटा पटाखा' निकला। सीएम फडणवीस ने गुरुवार को नागपुर में पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी देश के लोकतंत्र पर लोगों का भरोसा कम करने की कोशिश कर रहे हैं और उनकी सोच उन विदेशी ताकतों जैसी लगती है जो भारत को अस्थिर करना चाहती हैं।

राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही 'वोट चोरी' पर एक 'हाइड्रोजन बम' जैसी खुलासे की रिपोर्ट पेश करेगी। बुधवार को दिल्ली में उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 'एच-फाइल्स' नाम से एक प्रेजेंटेशन दिखाया। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में 'वोट चोरी' हुई है।

उनके अनुसार, 25 लाख फर्जी वोटर लिस्ट में जोड़े गए और चुनाव आयोग ने भाजपा के साथ मिलकर नतीजा तय किया।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा, राहुल गांधी का हाइड्रोजन बम बहुत कमजोर था। दरअसल, वह तो एक छोटा पटाखा निकला। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी का एजेंडा और कुछ अंतर्राष्ट्रीय ताकतों का एजेंडा एक जैसा दिख रहा है। ये ताकतें भारत में लोकतंत्र को कमजोर करना चाहती हैं और राहुल गांधी भी उन्हीं की तरह देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

उद्धव ठाकरे पर भी निशाना :

इस सीएम फडणवीस ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे अब किसानों से मिलने के बहाने मराठवाड़ा का दौरा कर रहे हैं क्योंकि स्थानीय निकाय चुनाव करीब हैं। फडणवीस बोले, मुझे खुशी है कि उद्धव ठाकरे अब जनता के बीच जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के सलूर में चलती बस में आग लगी

ड्राइवर ने तुरंत यात्रियों को बाहर निकाला, 13 दिन में दूसरा हादसा

अमरावती, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के सलूर में गुरुवार सुबह बस में आग लग गई। हादसे के वक्त बस में 10 यात्री सवार थे। ड्राइवर ने तुरंत सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

इससे पहले 24 अक्टूबर को कर्नूल में प्राइवेट बस में आग लग गई थी जिसमें 20 यात्री जिंदा जल गए थे। बस पहाड़ी चढ़ाई चढ़ रही थी तभी अचानक इंजन से चिंगारियां निकलने लगीं और धुआं उठने लगा। ड्राइवर ने तुरंत बस रोक दी और यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। कुछ ही देर में इंजन में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर टेंडर मौके पर पहुंचा और कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। जिले की एएसपी अंकिता सुराना ने बताया कि आग का कारण शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि सटीक वजह का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच चल रही है। पुलिस के मुताबिक, ड्राइवर की फुर्ती से सभी यात्रियों की जान बच गई।

13 दिन में दूसरा हादसा :

24 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के कर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई थी। हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए थे। घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। बस हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही थी। एनएच-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से कई जल गए। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे, इन्हें नूंल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था।

सबरीमाला मामले में पीएम मोदी से हस्तक्षेप की मांग

भाजपा एक करोड़ लोगों से कराएगी हस्ताक्षर

कोझिकोड, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केरल भाजपा ने सबरीमला मंदिर से जुड़े हालिया सोने की चोरी और कथित साजिश को लेकर बड़ा अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। पार्टी के राज्य महासचिव एमटी रमेश ने गुरुवार को बताया कि भाजपा 10 नवंबर से 20 नवंबर तक एक 'एक करोड़ हस्ताक्षर अभियान' चलाएगी। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से सबरीमला मामले में हस्तक्षेप की मांग करना है। रमेश ने आरोप लगाया कि सबरीमला मंदिर से जुड़ी सोने की चोरी के पीछे एक बड़ा षड्यंत्र है और इसमें सत्तारूढ़ सीपीएम के एकेजी सेंटर की भूमिका है। उन्होंने कहा कि केरल हाईकोर्ट की हालिया टिप्पणियों से भी यह स्पष्ट होता है कि मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह की संलिप्तता की संभावना है।

भाजपा नेता ने कहा, यह कोई साधारण चोरी नहीं है। इसमें सरकारी अधिकारियों और बड़े नेताओं की मिलीभगत दिख रही है। भाजपा ने पहले ही यह मुद्दा उठाया था, और अब अदालत ने भी इस दिशा में गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सबरीमला मंदिर में हर साल दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु आते हैं, इसलिए मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र को सीधा हस्तक्षेप करना चाहिए।

भाजपा 10 से 20 नवंबर तक घर-घर जाकर लोगों से हस्ताक्षर करवाएगी, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से हों। साथ ही, 'अयप्पा संरक्षण संगम' नाम से कार्यक्रम 10 से 15 नवंबर तक केरल के 25 स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। रमेश ने यह भी कहा कि मंदिरों की देखरेख करने वाले देवस्वम बोर्ड अब भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं। उन्होंने कहा, इन बोर्डों पर अब आस्थाहीन लोग काबिज हैं। वे मंदिर की संपत्ति को लूट का साधन बना रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि मंदिरों का प्रबंधन भक्तों के हाथों में दिया जाए।

रमेश ने एक अन्य मुद्दे पर, भाजपा नेता बी. गोपालकृष्णन के विवादित बयान को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को गोपालकृष्णन को चाय पिलानी चाहिए, क्योंकि उन्होंने उन्हें राष्ट्रीय सुर्खियों में ला दिया। उनके पास कहने को और कुछ नहीं बचा।

उन्होंने कहा कि गोपालकृष्णन का बयान गलत तरीके से पेश किया गया है। उनका मतलब केवल यह था कि जो भी व्यक्ति वैध दस्तावेजों के साथ आवेदन करे, वह मतदाता सूची में नाम जोड़ सकता है, जैसा कि चुनाव आयोग के नियमों में है।

उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को बड़ी राहत

गुजरात हाई कोर्ट ने 6 माह की अंतरिम जमानत दी

अहमदाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात हाई कोर्ट ने रेप के दोषी आसाराम को छह महीने की अंतरिम जमानत दे दी है। यह फैसला उसकी चिकित्सकीय स्थिति और उपचार के अधिकार को देखते हुए सुनाया गया है। 86 वर्षीय आसाराम हृदय से संबंधित बीमारी से पीड़ित है।

आसाराम पक्ष ने दलीलें दी कि जोधपुर कोर्ट ने आसाराम को 6 महीने के लिए जमानत दी है। वे हृदय से संबंधित बीमारी से पीड़ित हैं।

आसाराम की उम्र 86 वर्ष है, और उन्हें उपचार का अधिकार है। यदि 6 महीनों में अपील की सुनवाई आगे नहीं बढ़ती, तो वे फिर से जमानत के लिए आवेदन कर सकेंगे।

कोर्ट का कहना है कि आसाराम की चिकित्सकीय स्थिति को देखते हुए जोधपुर हाई कोर्ट ने उसे जमानत दी थी, इसलिए गुजरात हाई कोर्ट अलग रुख नहीं अपना सकता। यदि राजस्थान सरकार इस जमानत को चुनौती देती है, तो गुजरात सरकार भी ऐसा कर सकेगी। सरकार की ओर से कहा गया कि अगर जोधपुर जेल में पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधाएं नहीं हों, तो उसे साबरमती जेल में स्थानांतरित किया जा सकता है।

पीड़िता के वकील का पक्ष है कि ऐसी परिस्थितियों में भी आसाराम अहमदाबाद, जोधपुर, इंदौर आदि स्थानों पर घूमते रहा है। उसने कभी किसी अस्पताल में लंबी अवधि का इलाज नहीं लिया। वह ऋषिकेश से महाराष्ट्र तक घूमा है। जोधपुर में आयुर्वेदिक उपचार जारी है और उसे कोई शिकायत नहीं है।

नशा तस्कर को पकड़ने गई दिल्ली पुलिस से भिड़े परिजन, नशीले पदार्थ बेचने की फिराक में था आरोपी

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में नशीले पदार्थ बेचने की फिराक में घूम रहे एक व्यक्ति को आदर्श नगर थाना पुलिस की टीम पकड़ने पहुंची, इस दौरान आरोपी के परिवार के लोग पुलिस के साथ बदसलूकी करने लगे। आरोपी ने खुद को छुड़ाने के लिए परिवार व रिश्तेदारों को मौके पर बुला लिया। इस दौरान पुलिस की कार्रवाई में बाधा डालने और दबाव बनाने की कोशिश की गई। मामला सामने आने पर पुलिस ने निवारक कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोप है कि घटना के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा एक महिला की पिटाई का आरोप सामने आने पर एसीपी जहांगीरपुरी की देखरेख में जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फिर कश्मीर में हमला करने की फिराक में आतंकी

शमशेर की टीम पर बड़ा खुलासा

जम्मू, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के पहलगाम में अप्रैल महीने में हुए आतंकी हमले को कोई नहीं भूल पाया है। भारतीय सेना ने इस हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए एक साथ कई आतंकियों को ठिकाने लगाया था। हालांकि आतंकी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि खुफिया सूत्रों के हवाले से सामने आया है कि आतंकी फिर से कश्मीर में पहलगाम जैसा हमला करने की फिराक में हैं। इस जानकारी के सामने आने के बाद से ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गए हैं।

खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर के बाद कश्मीर में आतंकी घुसपैठ, ड्रोन से नजर रखना और सीमा पार से रसद की आपूर्ति में बढ़ोतरी हुई है। लश्कर और जैश की कई यूनिट एलओसी के रास्ते जम्मू-कश्मीर में घुसी हैं। जिन्हें पाकिस्तान की आईएसआई और एसएसजी से मदद मिल रही है।

आतंकी शमशेर की यूनिट एक्टिव

आतंकी शमशेर लश्कर की एक यूनिट ने कथित तौर पर हवाई निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया है, जिससे आने वाले हफ्तों में संभावित फिदायीन हमलों या हथियार गिराने के संकेतों का पता चला है। पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम (बीएटी), जिसमें पूर्व एसएसजी सैनिक और आतंकवादी शामिल हैं। इनको पूरे पाक अधिकृत कश्मीर में फिर से तैनात किया गया है, जो सीमा पार हमलों की नई योजनाओं का बनाने का सीधा संदेश है।

आतंकियों की हुई थी बड़ी बैठक

अक्टूबर 2025 में पीओके में हुई हाईलेवल मीटिंग में जमात-ए-इस्लामी, हिज़्बुल मुजाहिदीन और आईएसआई के अधिकारी एकजुट हुए थे। जहां स्लीपर सेल को एक बार फिर एक्टिव करने, पूर्व कमांडरों को पैसा मुहैया कराने और ऑपरेशन सिंदूर में हुए नुकसान का बदला लेने के लिए "जवाबी हमले" करने की योजनाएं बनाई गईं।

यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद सबसे बड़ी एक्टिविटी है। यही वजह है कि सुरक्षा एजेंसियों को एक्टिव मोड पर रखा गया है। ऑपरेशन सिंदूर में तबाह होने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

जालंधर का अमृतधारी सिख बना कनेक्टिकट शहर का मेयर, 2007 में अमेरिका गए थे स्वर्णजीत खालसा

जालंधर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कनेक्टिकट शहर में हुए स्थानीय चुनाव में जालंधर के रहने वाले परमिंदर पाल खालसा के बेटे स्वर्णजीत सिंह खालसा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। वह कनेक्टिकट के पहले सिख मेयर बने हैं। चुनाव में उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार पीटर नाइस्ट्रम की जगह लेते हुए नॉरविच शहर की कमान संभाल ली है।

इससे सिख समुदाय में खुशी की लहर है। स्वर्णजीत सिंह ने 2458 वोट पाकर जीत हासिल की जबकि उनके मुकाबले ट्रेसी गॉल्ड को 2250 और स्वतंत्र प्रत्याशी मार्शिया विल्बर को केवल 110 वोट मिले। इस जीत से डैमोक्रेटिक पार्टी को भी नॉरविच में महत्वपूर्ण बढ़त मिली, जहां पहले लंबे समय तक रिपब्लिकन का प्रभाव रहा था। खालसा का परिवार पंजाब में पंथक राजनीति में सक्रिय रहा है। स्वर्णजीत सिंह खालसा का परिवार 1984 के सिख नरसंहार के दौरान विस्थापित हुआ था। उनके पिता परमिंदर पाल खालसा ने जालंधर में प्रापटी का कारोबार शुरू किया और एक मुकाम हासिल किया। स्वर्णजीत 2007 में रोजगार और अपने नए भविष्य की तलाश में अमेरिका गए थे।

नॉरविच में उन्होंने शुरुआत में गैस स्टेशन चलाया और बाद में रियल एस्टेट कारोबार में भी पहचान बुनाई। 2021 में वह नॉरविच सिटी काऊंसिल में चुने गए, जो कनेक्टिकट में किसी सिख समुदाय का पहला प्रतिनिधित्व था। अब 2025 में वह शहर के मेयर बन गए हैं, यह सिख समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है।

पत्रकार राणा अय्यूब को जान से मारने की धमकी

नवी मुंबई में एफआईआर दर्ज

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रख्यात पत्रकार और वाशिंगटन पोस्ट की स्तंभकार राणा अय्यूब ने नवी मुंबई में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्हें व्हाट्सएप के माध्यम से एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से जान से मारने की धमकी मिली है, जिसमें जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की तस्वीर थी। पत्रकार राणा अय्यूब को एक अज्ञात अंतर्राष्ट्रीय व्हाट्सएप नंबर (नामः हैरी शूटर कनाडा) से जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने अय्यूब से 1984 के सिख नरसंहार और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या पर लेख लिखने की मांग की। इनकार करने पर शूटर्स भेजकर न्यू ईयर मनाने की धमकी दी।

मैसेज में पत्रकार के व्यक्तिगत पते और उनके परिवार की मौजूदगी का उल्लेख करते हुए कहा गया कि योगी और उनकी पुलिस भी कुछ नहीं कर पाएगी। पत्रकारिता पर उनकी चर्चित किताब 'गुजरात फाइल्स' के लिए जानी जाने वाली अय्यूब की शिकायत पर नवी मुंबई के कोपरखैरणे पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(4) "आपराधिक धमकी" के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने साइबर शाखा को अंतर्राष्ट्रीय नंबर और आईपी एड्रेस की जांच के लिए मामला सौंप दिया है।

पहले भी मिली है धमकी

राणा अय्यूब एक भारतीय पत्रकार और लेखिका हैं, जो वाशिंगटन पोस्ट की स्तंभलेखिका हैं। उनकी किताब गुजरात फाइल्सः एनाटॉमी ऑफ ए कवर अप काफी चर्चित रही है, जिसमें उन्होंने गुजरात दंगों की जांच की है। उन्हें कई बार धमकियां मिली हैं और उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट किए गए हैं।

दिल्ली की एक अदालत ने उनके खिलाफ हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने और भारत विरोधी भावना फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है।

दंपती ने मकान मालकिन की हत्या की, मंगलसूत्र लेकर फरार पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेंगलुरु, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बेंगलुरु के उत्तराहल्ली इलाके में किरायेदार दंपती ने अपनी मकान मालकिन की गला दबाकर हत्या कर दी और उसका सोने का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका का नाम श्रीलक्ष्मी है। वह न्यू मिलेनियम स्कूल रोड पर अपने घर में अकेली रहती थीं। मंगलवार को उनका शव घर के हॉल में मिला। उनके गले, होंठ और चेहरे पर चोट के निशान थे।

सोने का मंगलसूत्र गायब था। महिला के पति कॉटनपेट स्थित अगरबत्ती की दुकान में काम करते हैं। वे शाम तक पत्नी से बात नहीं होने पर घर पहुंचे। अंदर देखा तो श्रीलक्ष्मी मृत अवस्था में थीं। पति की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने उसी घर में किराए पर रहने वाले प्रसाद श्रीशैल माकई और उनकी पत्नी साक्षी हनुमंत होड्डुर को हिरासत में लिया।

वलसाड में डीआरआई की बड़ी कार्रवाई

22 करोड़ रुपये की अल्प्राजोलम जब्त, चार लोगों को किया गया गिरफ्तार

अहमदाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गुजरात के वलसाड जिले में एक गुप्त फैक्ट्री पर छापा मारकर 22 करोड़ रुपये मूल्य की अल्प्राजोलम नाम की मादक दवा जब्त की है। इस कार्रवाई में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें इस अवैध कारोबार के मास्टरमाइंड, फाइनेंसर और निर्माता शामिल हैं। डीआरआई के अनुसार, जांच में पता चला है कि यह दवा तेलंगाना भेजी जानी थी, जहां इसे ताड़ी में मिलाने की योजना थी। अल्प्राजोलम एक प्रिसक्रिप्शन दवा है, जिसका इस्तेमाल मानसिक रोगों या चिंता कम करने के लिए डॉक्टर की सलाह पर किया जाता है। भारत में यह एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत सख्ती से नियंत्रित है। बिना अनुमति इसके निर्माण, बिक्री, या परिवहन पर कड़ी सजा का प्रावधान है। डीआरआई ने इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन व्हाइट कॉलर्स' नाम दिया था। खुफिया जानकारी के आधार पर अधिकारियों ने फैक्ट्री पर नजर रखी और मंगलवार को अचानक छापा मारा। छापे में पूरी तरह सुसज्जित अवैध दवा निर्माण यूनिट मिली, जिसमें बड़े पैमाने पर उत्पादन के उपकरण जैसे रिएक्टर, सेंट्रीफ्यूज, रेफ्रिजरेशन यूनिट और हीटिंग मैन्टल मिले।

डीआरआई की छापेमारी में 9.55 किलो अल्प्राजोलम (तैयार रूप में), 104.15 किलो अर्ध-तैयार अवस्था में और 431 किलो कच्चा माल और रासायनिक पदार्थ को बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए चार लोगों में दो मुख्य आरोपी (निर्माता और फाइनेंसर), एक कर्मचारी और एक ग्राहक शामिल है, जो तेलंगाना से दवा लेने आया था।

डीआरआई ने बताया कि इसी साल अगस्त में भी आंध्र प्रदेश के अच्युतापुरम (अनकापल्ली जिला) में एक ऐसी ही अवैध फैक्ट्री पकड़ी गई थी, जहां से 119.4 किलो अल्प्राजोलम जब्त की गई थी। वह खेप भी तेलंगाना के लिए ही थी। इस साल अब तक डीआरआई ने चार अवैध ड्रग फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है। उनके खतरनाक उपयोग पर बड़ी रोक लगी है।

'15 दिन में माफी मांगो'

चौटाला परिवार की लड़ाई अब कोर्ट तक पहुंची भतीजे कर्ण को ताऊ अजय ने भेजा नोटिस

हिसार, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के जिला रोहतक में 1990 में हुए महम कांड को लेकर इनेलो नेता कर्ण चौटाला ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में उस दौरान दर्ज हुई एफआइआर में डॉ अजय सिंह चौटाला का नाम होना बताया है। इसको लेकर जननायक जनता पार्टी ने कर्ण चौटाला पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा अजय सिंह चौटाला की छवि को धूमिल करने का प्रयास बताते हुए कर्ण चौटाला को कानूनी नोटिस भेजा है।

जजपा के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट मनदीप बिश्नोई ने इनेलो नेता को लीगल नोटिस भेजते हुए 15 दिनों में इंटरनेट प्लेटफार्म पर माफी मांगने के साथ इस बारे में जारी वीडियो क्लिप को इंटरनेट से हटाने को कहा गया है। नोटिस के अनुसार इनेलो नेता कर्ण चौटाला को कहा गया है कि उन्होंने हालात और तथ्यों से परे हटते हुए जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सासंद डॉ। अजय सिंह चौटाला का नाम एफआइआर में दर्ज होने सहित जो आरोप लगाए हैं वे पूर्णतया बेबुनियाद हैं। ऐसे बयान से जजपा के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ प्रदेश के लाखों नागरिकों की भावनाएं आहत हुई हैं, क्योंकि प्रदेश का हर आमजन महम कांड की सच्चाई को जानता है।

वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न

लेकिन कश्मीर में किस बात पर हो रहा विरोध? मुस्लिम धर्मगुरु भी बोले

श्रीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र शासित जम्मू कश्मीर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में वंदे मातरम का पाठ अनिवार्य किए जाने पर मुस्लिम धर्मगुरूओं ने कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को अनिवार्य किया, मुस्लिमों के धार्मिक मामलों में हस्ताक्षेप है, इसलिए संबधित फैसले को सरकार वापस ले। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर एक राष्ट्रव्यापी पहल के तहत प्रदेश सरकार ने निर्णय लिया है कि सात नवंबर 2025 से सात नवंबर 2026 तक संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यह कार्यक्रम छात्रों, युवाओं और नागरिकों में 'देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना' जगाने के लिए के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। जम्मू कश्मीर में विभिन्न इस्लामिक संगठनों और विचारधाराओं के प्रतिनिधियों के साझा संगठन मुत्तहिदा मजलिस ए उलेमा की आज एक बैठक हुई है। मीरवाइज मौलवी उमर फारूक की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में इस्लामिक धर्मगुरूओं ने वंदे मातरम को स्कूलों में अनिवार्य किए जाने पर एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि इस्लाम प्रत्येक मुस्लिम को अपने वतन से मोहब्बत करना,उसके लिए अपना सर्वस्व कुर्बान करना सिखाता है। इस्लाम के अनुसार, मुस्लिमों को अपने वतन और समाज की सेवा करनी चाहिए ,लेकिन वह उन गतिविधियों से दूर रहे जो इस्लाम के मूल सिद्धांतों के खिलाफ हों और जो इस्लाम में अस्वीकार्य हों। मुत्तहिदा मजलिस ए उलेमा के अनुसार, वंदे मातरम के गीत में कुछ ऐसे बोल हैं,जो इस्लाम की मान्यताओं के विपरीत हैं। इसलिए मुस्लिमों और मुस्लिम छात्रों के लिए इसे अनिर्वाय करना अनुचित है और उनके धार्मिक मामलों में अनावश्यक हस्ताक्षेप है। ऐसा लगता है कि वंदे मातरम को अनिवार्य करने संबंधी जो आदेश जीार किया गया है,वह यहां लोगों में विवाद पैदा करने और एक दल विशेष के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किया गया है।इसलिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हों को इस मामले में तत्काल हस्ताक्षेप कर, संबध्ति फैसले को रद कराना चाहिए।

खुर्दा में सीमा विवाद उग्र

ओस्तपुर-कोटपल्ला में धारा 163 लागू 5 प्लाटून पुलिस तैनात, गांव सील

भुवनेश्वर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सीमा विवाद को लेकर खुर्दा जिले के दो गांवों के बीच तनाव बढ़ गया है। विवाद की गंभीरता को देखते हुए धारा 163 लागू की गई है। खुर्दा जिले के बाघमारी थाना क्षेत्र के ओस्तपुर और कोटपल्ला गांव में यह धारा लागू की गई है। जानकारी के मुताबिक सीमा विवाद के कारण क्षेत्र में आगजनी जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। दोनों गांवों के बीच जबरदस्त झड़प हुई है। बाजार में मौजूद सभी दुकानों को असामाजिक तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। भारी पथराव हुआ। खुर्दा–बांकी मार्ग पर ऐसी अभूतपूर्व घटना देखने को मिली। दोनों ओर आवागमन पूरी तरह बंद हो गए। वाहन और मोटरसाइकिलें रास्ते में फंसी रहीं।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्थानीय इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के मुताबिक कोटपल्ला और ओस्तपुर गांव के नाम का साइन बोर्ड लगाने को लेकर पिछले तीन महीनों से विवाद चल रहा है। अगस्त माह से यह झगड़ा जारी है। प्रशासन ने पहले भी धारा 163 लागू की थी। दोनों पक्षों के बीच समझौते के बाद शांति लौटी थी।लेकिन अब एक बार फिर से झगड़ा उग्र रूप ले चुका है। घटनास्थल पर खुर्दा एसपी और पांच प्लाटून पुलिस बल पहुंच गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही खुर्दा के पुलिस अधीक्षक स्वयं मौके पर पहुंचे।

उनके साथ पांच प्लाटून सशस्त्र पुलिस बल को इलाके में तैनात किया गया है। पुलिस ने दोनों गांवों की सीमाओं को सील कर दिया है और किसी भी व्यक्ति को गांव में प्रवेश या निकास की अनुमति नहीं दी जा रही है। एसपी ने बताया कि हालात अब नियंत्रण में हैं, लेकिन एहतियात के तौर पर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। तनाव को देखते हुए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। प्रशासन ने दोनों गांवों के लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

आज फिर से नुआपड़ा जाएंगे पूर्व सीएम नवीन पटनायक

बीजेडी प्रत्याशी स्नेहांगिनी छुरिया के लिए करेंगे प्रचार

भुवनेश्वर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेडी सुप्रीमो नवीन पटनायक 7 नवम्बर को फिर से नुआपड़ा जाएंगे। वे पार्टी की उम्मीदवार स्नेहांगिनी छुरिया के लिए प्रचार करेंगे। नवीन पटनायक नुआपड़ा के खारियार रोड और नुआपड़ा ब्लॉक में चुनावी सभाएं करेंगे और पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में वोट मांगेंगे। इस संबंध में उन्होंने एक वीडियो संदेश के माध्यम से खुद जानकारी दी है।

कोमना में लोगों के स्नेह और समर्थन के लिए बीजेडी सुप्रीमो नवीन पटनायक ने आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि आगामी 11 नवंबर को नुआपड़ा उपचुनाव होने जा रहा है। उपचुनाव के नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। बीजेडी के दिवंगत विधायक राजेंद्र ढोलकिया के निधन के बाद नुआपड़ा में यह उपचुनाव कराया जा रहा है। इस उपचुनाव के लिए भाजपा ने जय ढोलकिया के पुत्र जय ढोलकिया को उम्मीदवार बनाया है। वहीं बीजेडी ने स्नेहांगिनी छुरिया को उम्मीदवार घोषित किया है, जबकि कांग्रेस ने घासीराम माझी को मैदान में उतारा है।

जुबीन गर्ग केस में एक और ट्विस्ट

असम के पूर्व डीजीपी के भाई पर लगे आरोप तो सीआईसी पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। असम के सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में असम के मुख्य सूचना आयुक्त और पूर्व डीजीपी रहे भास्कर ज्योति महंत ने अपने भाई श्यामकानु महंत से संबंधित कई आरटीआई आवेदन प्राप्त होने के बाद इस्तीफा दे दिया है। गौरतलब है कि श्यामकानु महंत ने ही उस म्यूजिक इवेंट का आयोजन किया था जिसमें जुबीन गर्ग परफॉर्मेंस देने वाले थे। असम के पूर्व पुलिस महानिदेशक भास्कर महंत ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की सिफारिश पर इस्तीफा दे दिया।

इसमें 'हितों के टकराव' का हवाला दिया गया था। जुबीन की मौत 19 सितंबर को हुई थी। इसके ठीक एक दिन बाद वह इस इवेंट में परफॉर्म करने वाले थे। अब तक श्यामकानु महंत सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। श्यामकानु महंत और छह लोगों में जुबीन गर्ग के चचेरे भाई असम पुलिस में उपाधीक्षक संदीपन गर्ग, उनके बैंड मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और उनके बैंड के दो सदस्य शामिल हैं। श्यामकानु महंत पर हत्या, गैर इरादतन हत्या, लापरवाही और आपराधिक षडयंत्र रचने के आरोप हैं। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध रूप से अचल संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की भी जांच की जा रही है। जुबीन गर्ग के दो निजी सुरक्षाकर्मियों नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य को भी गिरफ्तार किया गया है। इन गिरफ्तारियों के बाद उनके बैंक खातों में 1.1 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा हुआ है। इसके बारे में जांचकर्ताओं का मानना है कि यह मामले से जुड़ा हो सकता है। 11 नवंबर तक न्यायिक हिरासत में बंद सभी आरोपियों पर समान आरोप लगाए गए हैं।

इस बीच, मुख्यमंत्री ने कहा है कि 17 दिसंबर से पहले आरोपपत्र दाखिल कर दिया जाएगा और गर्ग की मौत एक 'हत्या' थी, दुर्घटना नहीं। विशेष महानिदेशक मुन्ना गुप्ता के नेतृत्व में 10 सदस्यीय विशेष टीम जांच का नेतृत्व कर रही है। पिछले महीने सिंगापुर के अधिकारियों ने अपने भारतीय समकक्षों को एक पोस्टमार्टम रिपोर्ट सौंपी थी, और अब एसआईटी जुबीन गर्ग के जीवन के आखिरी 48 घंटों की घटनाक्रम को समझने की कोशिश कर रही है। यह प्रक्रिया इसलिए और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसके बैग से दवाइयाँ मिली थीं।

कातिल पत्नी! पति के टुकड़े कर किचन में गाड़ा, ऊपर से लगवा दिया टाइल्स

अहमदाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में पुलिस ने एक साल पुराने हत्याकांड का खुलासा किया है। महिला ने अपने प्रेमी और उसके दोस्तों के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी थी। बाद में शव को रहस्यमय तरीके से छिपाया था, बिल्कुल दृश्यम फिल्म की तरह। पुलिस लगातार लापता व्यक्ति की तलाश करती रही, लेकिन हत्या इतनी शातिर तरीके से की गई थी कि पुलिस को करीब एक साल बाद शव बरामद हुआ है। अहमदाबाद शहर में रहने वाला समीर अंसारी(35) साल 2024 में अचानक लापता हो गया। एक साल तक उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रूबी और उसके पति समीर के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। इस झगड़े की वजह रूबी का इमरान के साथ अवैध संबंध था।

इसी झगड़े ने आखिरकार इस जघन्य हत्याकांड को जन्म दिया। तीन महीने पहले जब मामला क्राइम ब्रांच के पास पहुंचा, तो पुलिस को समीर की हत्या होने का शक हुआ। उन्होंने जांच शुरू कर दी। समीर का मोबाइल फोन 14 महीने से बंद था। उसने किसी दोस्त या रिश्तेदार से संपर्क नहीं किया था। सुरागों के आधार पर पुलिस ने इमरान का पता लगाया। उससे पूछताछ में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ। फिल्मी स्टाइल में हत्याकांड और शव को छिपाने की कहानी सामने आई है। दृश्यम फिल्म की तरह पत्नी रूबी ने अपनी प्रेमी और उसके दो दोस्तों के साथ मिलकर पहले तो पति समीर की हत्या की और बाद में शव को बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से छिपा दिया।

हत्या और शव को छिपाने की योजना इतनी बेहतरीन थी कि 1 साल बाद भी पुलिस को इस हत्या का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस को रूबी पर शक था, लेकिन उसके कृत्य का कोई सबूत नहीं मिला। रूबी ने अपने पति की हत्या कर दी और अपने प्रेमी और उसके दोस्तों की मदद से शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। फिर उसने शव को अपने घर की रसोई में फर्श के नीचे गाड़ दिया और फिर इसके बाद ऊपर से टाइल्स लगवा दी। आरोपी प्रेमी के कबूलनामे के बाद अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने घर से कंकाल के अवशेष बरामद किए हैं। पुलिस की पूछताछ में आरोपी इमरान ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने पुलिस को बताया कि रूबी ने ही हत्या की योजना बनाई थी। उन्होंने पहले समीर को बांधा फिर चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। इतना ही नहीं, उसके शरीर के टुकड़े किए और अवशेषों को रसोई के फर्श के नीचे दबा दिया। पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे बाकी आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

दिल्ली जल बोर्ड के इंजीनियर की हत्या का सनसनीखेज खुलासा हत्यारे ने पूछताछ में बताई कत्ल की वजह

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली में रोहिणी जिले के बेगमपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली जलबोर्ड के अभियंता सुरेश कुमार राठी की फ्लैट में चाकू गोदकर हत्या लूट के इरादे से की गई थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित की पहचान बंटी के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले ही मृतक से उसकी मुलाकात हुई थी। वह मृतक के फ्लैट पर पार्टी करने के लिए दो बार पहले भी जा चुका था।

तीसरी बार वह 31 अक्टूबर की रात गया था। जहां पार्टी करने के बाद अभियंता के गर्दन में चाकू गोद दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फिर वह पूरी रात शव के साथ ही फ्लैट में रहा। अगले दिन वह मृतक के गले से सोने की चेन व नकदी लेकर फ्लैट से फरार हो गया। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपित बंटी पहले भी तीन आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 7 नवंबर, 2025

सुविचार

हमारा सुख हमारी सोच पर ही निर्भर करता है। परिस्थिति से अधिक मनस्थिति हमारे जीवन में सुख-दुःख का निर्धारण करती है।

भाजपा अध्यक्ष ने बीआरएस और कांग्रेस पर विकास की उपेक्षा का आरोप लगाया

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार, दोनों ही हैदराबाद के प्रमुख नागरिक मुद्दों को सुलझाने में विफल रही हैं, जिससे यह शहर एक 'वैश्विक शहर' से 'दुखद शहर' में बदल गया है। मोतीनगर में भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित गौड़ समुदाय की एक बैठक में बोलते हुए, राव ने दोनों दलों पर गौड़ समुदाय की 'आजीविका को नष्ट' करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ताड़ी के परिसरों को बंद करने के लिए सरकारी आदेश संख्या 676 जारी किया था, और बाद में बीआरएस ने भी यही नीति जारी रखी। उन्होंने दावा किया कि केवल भाजपा ही गौड़ समुदाय के अधिकारों और आर्थिक उत्थान के लिए लड़ रही है। पूर्व बीआरएस मंत्री के.टी. रामा राव ने कहा कि सरकार अपने 10 साल के शासन के दौरान गड्ढों से भरी सड़कों को ठीक करने, यातायात की भीड़भाड़ कम करने या मैनहोल सुरक्षा के मुद्दों को हल करने में विफल रही। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, जिन्होंने नगर प्रशासन विभाग अपने पास रखा था, ने शहर के लिए 2,000-3,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया था, लेकिन धनराशि जारी नहीं की। राव ने दोनों दलों पर '80 प्रतिशत बहुसंख्यक आबादी की अनदेखी करते हुए 20 प्रतिशत अल्पसंख्यक वोट बैंक को खुश करने' का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता दीपक रेड्डी और सांसद रघुनंदन राव ने कांग्रेस को एर्रागड्डा में कब्रिस्तान के लिए जमीन आवंटित करने से रोका। उन्होंने मतदाताओं से जुबली हिल्स उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दीपक रेड्डी का समर्थन करने का आग्रह किया। बैठक में कई वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए।

साइबराबाद पुलिस ने जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले प्रतिबंध लगाए

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 11 नवंबर को जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए, साइबराबाद पुलिस ने धारा 163 बीएनएसएस के तहत सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने घोषणा की है कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सनतनगर पुलिस थाना क्षेत्र के मतदान क्षेत्रों में पांच से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा। ये प्रतिबंध 9 नवंबर शाम 6 बजे से 12 नवंबर, 2025 शाम 6 बजे तक लागू रहेंगे। इस अवधि के दौरान सार्वजनिक सभाओं और गैरकानूनी सभाओं पर प्रतिबंध रहेगा।

एमडीएमए और गांजा कारोबारी समेत 6 गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, राजेंद्रनगर पुलिस ने राजेंद्रनगर क्षेत्र के विशेष अभियान दल (एसओटी) के साथ एक संयुक्त अभियान में एमडीएमए और गांजा की आपूर्ति और वितरण में शामिल एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया। पुलिस उपायुक्त, राजेंद्रनगर ज़ोन, साइबराबाद, योगेश गौतम ने बताया कि पुलिस ने गुरूवार को एक समन्वित अभियान शुरू किया और राजेंद्रनगर के आरामघर एक्स रोड के पास ड्रग आपूर्तिकर्ताओं के एक समूह को पकड़ा। पूछताछ और आगे की सुरागों के बाद, राजेंद्रनगर के पिलर संख्या 295 स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर उपभोक्ताओं के एक और समूह को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों पिछला आपराधिक इतिहास रहा है। गिरफ्तार आरोपियों में संगाडी संतोष (26 वर्ष), निजी व्यवसायी, निवासी जगन्नाथपुरम, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश, गांधी संदीप (23 वर्ष), नर्सरी व्यवसायी, निवासी इलेक्ट्रॉनिक सिटी, बेंगलुरू, कंडेपल्ली शिव कुमार (23 वर्ष), लॉरी चालक, निवासी बोम्मुरु, राजमंड्री, आंध्र प्रदेश शामिल है। इस मामले में एक फरार है।

इन लोगों के साथ ही उपभोक्ता पलका साईं बाबू (25 वर्ष), आईटी कर्मचारी, निवासी हुकुमपेट, राजमंड्री, आंध्र प्रदेश, कोठा विशाल रेड्डी (28 वर्ष), निजी कर्मचारी, निवासी प्रशांति नगर, ख्वाजागुडा, हैदराबाद,प्लीशेट्टी समीर (24 वर्ष), फोटोग्राफ़र, निवासी गोपाल नगर, केपीएचबी, हैदराबाद को भी पकड़ा गया है। डीसीपी योगेश गौतम ने बताया कि आरोपियों ने इंस्टाग्राम के माध्यम से एक अज्ञात ड्रग सप्लायर से संपर्क स्थापित किया था, जो नशीले पदार्थों की डिलीवरी के लिए अंतरराज्यीय तस्करों के साथ समन्वय करता था। सप्लायरों ने 17 ग्राम एमडीएमए और 150 ग्राम गांजा बेंगलुरू से हैदराबाद पहुंचाया और प्रतिबंधित सामग्री को बैग में छिपा दिया।

राजेंद्रनगर के आरामघर एक्स रोड पहुंचने पर, पुलिस ने उन्हें रोक लिया और गिरफ्तार कर लिया। उनके कबूलनामे के आधार पर, तीन उपभोक्ताओं को बाद में राजेंद्रनगर के एचपी पेट्रोल पंप, पिलर संख्या 295 के पास से गिरफ्तार किया गया। सभी छह आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि फरार आपूर्तिकर्ता का पता लगाने और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं। आरोपियों के पास से एमडीएमए 17 ग्राम, गांजा 150 ग्राम, पांच मोबाइल फ़ोन, 9,700 रुपये नकद मिला है। डीसीपी ने कहा कि राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन के कर्मचारियों और एसओटी राजेंद्रनगर टीम के संयुक्त प्रयासों और त्वरित कार्रवाई की हम सराहना करते हैं। इस ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त करने में उनके अनुकरणीय समन्वय के लिए उन्हें उचित रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

धूम्रपान की लत ने ली जान, आग में जिंदा जले बुजुर्ग

तल्लापेट गांव में चारपाई में लगी आग से दर्दनाक हादसा

निर्मल, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के तल्लापेट गांव में बुधवार रात एक दर्दनाक हादसे में 55 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की आग में झुलसकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा धूम्रपान की लत के कारण हुआ।

दांडेपल्ली के सब इंस्पेक्टर तहसीनुद्दीन ने बताया कि मृतक की पहचान लक्काकुला नागैया के रूप में हुई है। वह रात में नशे की हालत में बीड़ी पीते हुए सो गए थे। इसी दौरान बीड़ी की चिंगारी लकड़ी की चारपाई पर गिर गई और देखते ही देखते बिस्तर में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि नागैया को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दूसरे कमरे में सो रहे नागैया के बेटे और बहू ने जब धुआं और जलने की गंध महसूस की तो वे तुरंत जाग गए और आग बुझाने की कोशिश की। पड़ोसियों की मदद से भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया, लेकिन तब तक नागैया की जान जा चुकी थी। उनकी पत्नी रानी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

राजेंद्रनगर में मोबाइल तकनीशियन की संदिग्ध मौत

फ्लैट में मिली बेहोश महिला, नशीली दवाओं के सेवन की आशंका

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर के पास शिवरामपल्ली में बुधवार रात एक मोबाइल फोन तकनीशियन की रहस्यमयी मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि युवक का शव उसके फ्लैट से बरामद किया गया, जबकि उसी कमरे में एक बेहोश महिला भी मिली, जिसे उसकी प्रेमिका बताया जा रहा है।

मृतक की पहचान कालापाथर निवासी 28 वर्षीय अहमद अली के रूप में हुई है, जो शिवरामपल्ली स्थित एक अपार्टमेंट में अपनी प्रेमिका के साथ रह रहा था। बुधवार रात पुलिस को सूचना मिली कि दोनों फ्लैट में बेहोश पड़े हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि अहमद की मौत हो चुकी थी, जबकि महिला अब भी बेहोश थी। महिला की पहचान आंध्र प्रदेश के कर्नूल की रहने वाली के रूप में हुई है। उसे तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह फिलहाल जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। पुलिस को संदेह है कि यह जोड़ा नशीली दवाओं का अधिक मात्रा में सेवन करने के कारण बेहोश हुआ। शुरूआती जांच में पता चला है कि उन्होंने हैदराबाद के रेड हिल्स इलाके में रहने वाले एक परिचित से कुछ ड्रग्स खरीदे थे। पुलिस ने अहमद का शव उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

चुनाव आयोग निष्पक्षता से काम नहीं कर रहा : पूर्व सांसद विनोद कुमार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के पूर्व सांसद बी. विनोद कुमार ने गुरुवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहा है। उन्होंने बताया कि बीआरएस ने दिल्ली में केंद्रीय चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद सबूतों के साथ कई शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, मंत्री अजहरुद्दीन और कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव द्वारा कथित आचार संहिता उल्लंघन पर चुनाव आयोग की चुप्पी पर सवाल उठाया और याद दिलाया कि बीआरएस नेताओं को पहले उनकी टिप्पणियों के लिए 48 घंटे के प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था। कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए, विनोद ने कहा कि सीईओ की 'निष्क्रियता' मतदान से पहले तनाव पैदा कर सकती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, एक ज़िम्मेदार पद पर बैठे सीईओ को निष्पक्षता से काम करना चाहिए। सुदर्शन रेड्डी हमारी शिकायतों का जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं? चुनाव आयोग ने अब तक कांग्रेस पार्टी के नेताओं को कम से कम नोटिस क्यों नहीं दिया?

गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए सरकार जल्द ही नया विधेयक पेश करेगी : विवेक

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम मंत्री जी. विवेक ने घोषणा की है कि राज्य सरकार गिग वर्कर्स के लिए एक विशिष्ट अधिनियम पेश करने की योजना बना रही है, और 12 नवंबर को होने वाली कैबिनेट बैठक में गिग वर्कर्स विधेयक को मंजूरी दी जाएगी। गुरुवार को सचिवालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान, मंत्री ने बताया कि यह पहल राहुल गांधी द्वारा प्रस्तुत विचारों के अनुरूप है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, विधेयक विधानसभा में पेश किया जाएगा।

उन्होंने कहा, हम इस नए कानून के माध्यम से गिग वर्कर्स की सुरक्षा, अधिकार और सामाजिक संरक्षण सुनिश्चित करना चाहते हैं। विवेक ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार नए कानून के संभावित लाभों के साथ-साथ किसी भी आवश्यक संशोधन या परिवर्धन का सावधानीपूर्वक आकलन करेगी। मंत्री ने गिग वर्कर्स के भविष्य को सुरक्षित करने और उनके स्थिर अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए 'करंटोला प्रजा बाटा' शुरू

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी तेलंगाना लिमिटेड (टीजीएसपीडीसीएल) ने अपने परिचालन जिलों (संयुक्त)- नलगोंडा, मेदक, महबूबनगर, रंगा रेड्डी और हैदराबाद के जुड़वां शहरों में "करंटोला प्रजा बाटा" नामक एक अनूठा कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लु ने परिगी में एक जनसभा में किया। प्रजा बाटा पहल के तहत, सीएमडी से लेकर कारीगर स्तर तक के अधिकारी और कर्मचारी हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को बिजली नेटवर्क का निरीक्षण करने और उपभोक्ताओं से सीधे बातचीत करके उनकी प्रतिक्रिया और शिकायतें एकत्र करने के लिए क्षेत्र का दौरा करते हैं। इस अवसर पर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुर्शरफ फारुकी ने बताया कि निदेशक, मुख्य अभियंता (सीई), अधीक्षण अभियंता (एसई), मंडल अभियंता (डीई), सहायक मंडल अभियंता (एडीई), सहायक अभियंता (एई), लाइन निरीक्षक और लाइनमैन सहित लगभग 9,500 कर्मचारी इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। वे व्यक्तिगत रूप से उपभोक्ताओं से बातचीत करेंगे, सुझाव और प्रतिक्रिया एकत्र करेंगे, और प्रजा बाता पहल के तहत दर्ज शिकायतों के समाधान को प्राथमिकता देंगे। इस कार्यक्रम के तहत, अधिकारी हजारों किलोमीटर लंबी एलटी/11 केवी/33 केवी लाइनों, वितरण ट्रांसफार्मर, एबी स्विच और अन्य विद्युत उपकरणों का निरीक्षण करेंगे, और यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी पहचानी गई समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मुर्शरफ फारुकी ने कहा कि इस पहल से बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में उल्लेखनीय सुधार होगा, साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों में कमी आएगी, नेटवर्क मजबूत होगा और टीजीएसपीडीसीएल में बिजली की हानि को न्यूनतम किया जा सकेगा।

पुलिस महानिदेशक ने तेलंगाना विशेष पुलिस की समीक्षा की

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना विशेष पुलिस (टीजीएसपी) विभाग के कामकाज की समीक्षा की। टीजीएसपी के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री संजय कुमार जैन ने टीजीएसपी मुख्यालय शौर्य भवन में सभी बटालियन कमांडेंटों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्हें बटालियन कर्मियों द्वारा निभाई गई ड्यूटी, एसडीआरएफ टीमों के प्रदर्शन, रैपिड एक्शन फोर्स प्रशिक्षण, आरटीसी, सीमा शुल्क, टीएस जेनको गार्ड्स, नसीन हवलदारों आदि के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बनने वाली दो नई बटालियनों और कोहेड़ा में नवनिर्मित फायरिंग रेंज के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर, टीजीएसपी ने एसडीआरएफ टीमों द्वारा किए गए बचाव कार्यों और उनके प्रदर्शन की सराहना की, ग्रेहाउंड्स और ऑक्टोपस जैसे विभिन्न विभागों में टीजीएसपी कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की और तेलंगाना में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में उनकी सेवाओं की सराहना की। उन्होंने एसडीआरएफ टीमों के आरएएफ प्रशिक्षण की भी समीक्षा की।

भद्राचलम से सटे पांच गांवों को तेलंगाना में मिलाने की मांग

कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने अमित शाह से की अपील

कोत्तागुडेम, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि 2014 में आंध्र प्रदेश के पुनर्गठन के बाद आंध्र प्रदेश में शामिल किए गए पांच गांवों को फिर से तेलंगाना में मिला दिया जाए। ये गांव हैं- यतापका, कन्नैगुडेम, पिचुकलपाडु, पुरुषोत्तमपट्टनम और गुंडाला। नागेश्वर राव ने इस संबंध में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को भी पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में जिलों के पुनर्गठन के मद्देनजर अब इन गांवों को भद्राचलम शहर से जोड़ना उचित रहेगा, क्योंकि ये गांव भद्राचलम से सीधे जुड़े हुए हैं और वहां के लोग स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवहन जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भद्राचलम पर ही निर्भर हैं।

मंत्री ने बताया कि सीमा परिवर्तन के कारण लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। छोटी-छोटी जरूरतों के लिए अंतर-राज्यीय जांच से गुजरना पड़ता है, जिससे चिकित्सा आपात स्थिति में देरी होती है और बच्चों के लिए स्कूलों व छात्रावासों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है। विकास कार्यों में भी अधिकार क्षेत्र को लेकर भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र वामपंथी उग्रवाद की दृष्टि से संवेदनशील है, जिससे दोनों राज्यों के लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है। नागेश्वर राव का मानना है कि प्रशासनिक सुविधा और जनता की भलाई के लिए इन पांच गांवों को तेलंगाना में मिलाना ही सही समाधान होगा। भद्राचलम के प्रसिद्ध श्री सीतारामचंद्र स्वामी देवस्थानम का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर तो तेलंगाना में है, लेकिन उसकी जमीन आंध्र प्रदेश के पुरुषोत्तमपट्टनम में आती है। इस कारण रिकॉर्ड, प्रशासन और विकास योजनाओं में दिक्कतें आ रही हैं।

महिला कांस्टेबल के समर्थन में उतरे बीआरएस नेता रेगा कांता राव

कहा- दोषियों पर तुरंत कार्रवाई कर न्याय दिलाया जाए

कोत्तागुडेम, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के जिला अध्यक्ष रेगा कांता राव ने उस महिला आबकारी कांस्टेबल का समर्थन किया है, जिसने हाल ही में कोत्तागुडेम निषेध एवं आबकारी

थाने में एक महिला सर्किल इंस्पेक्टर द्वारा कथित रूप से परेशान किए जाने के बाद आत्महत्या का प्रयास किया था। कांता राव ने आबकारी अधीक्षक जनैया से फोन पर बात कर इस घटना की गहन जांच और प्रभावित कांस्टेबल को न्याय दिलाने के लिए तुरंत कार्रवाई की मांग की।

उन्होंने कहा कि अधिकारी इस मामले में निष्पक्षता से काम करें और समस्या का समाधान जल्द किया जाए ताकि कर्मचारियों का विश्वास कायम रहे।

उन्होंने महिला कांस्टेबल से भी फोन पर बातचीत की और आश्वासन दिया कि पार्टी उनके साथ है और किसी को भी इस मामले को लेकर डरने या चिंता करने की जरूरत नहीं है। कांता राव ने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि घटना के बाद दस कर्मचारियों ने एक साथ काम का बहिष्कार कर दिया।

शराब की लत से परेशान पिता ने बेटे की हत्या की

भाई की मदद से घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण

निर्मल, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तानूर मंडल मुख्यालय में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति ने अपने भाई की मदद से अपने शराबी बेटे की हत्या कर दी और बाद में खुद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के अनुसार, तानूर निवासी 31 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर राजू की उसके पिता ललन्ना और चाचा लक्ष्मण ने बुधवार रात करीब 9 बजे घर पर ही डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। दोनों ने राजू के पैरों की हड्डियां तोड़ दीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद ललन्ना और लक्ष्मण तानूर थाने पहुंचे और अपना अपराध कबूल कर लिया।

पूछताछ में ललन्ना ने बताया कि उसका बेटा लंबे समय से शराब की लत में डूबा हुआ था और परिवार को लगातार परेशान कर रहा था। उसने कहा कि 2019 में एक महिला से शादी के बाद राजू ने कामकाज छोड़ दिया था और घर में झगड़े करने लगा था। इसी व्यवहार से तंग आकर उसने अपने भाई लक्ष्मण की मदद से उसकी हत्या करने का फैसला लिया। राजू की माँ की शिकायत पर पुलिस ने ललन्ना और लक्ष्मण के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। राजू अपने पीछे पत्नी और दो बेटों को छोड़ गया है।

चींटियों के डर से परेशान महिला ने की आत्महत्या

अमीनपुर में 25 वर्षीय माँ ने फांसी लगाकर दी जान

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बाहरी इलाके अमीनपुर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 25 वर्षीय महिला ने वर्षों से चींटियों के डर से जूझने के बाद आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मनीषा के रूप में हुई है, जो अपने पति श्रीकांत और तीन साल की बेटी के साथ नव्या होम्स अपार्टमेंट में रहती थी।

पुलिस के अनुसार, मनीषा बचपन से ही "मायर्मेकोफोबिया" नामक बीमारी से पीड़ित थी, जिसमें व्यक्ति को चींटियों से अत्यधिक भय होता है। इलाज कराने के बावजूद उसका डर कभी कम नहीं हुआ। मंगलवार शाम उसने अपने घर में साड़ी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें मनीषा ने लिखा कि वह अब इस लगातार भय और चिंता के साथ नहीं रह सकती। उसने अपने पति से अपनी बेटी की देखभाल करने का अनुरोध किया और परिवार से माफी मांगी।

शाम को जब श्रीकांत काम से लौटे, तो दरवाजा अंदर से बंद था। बार-बार आवाज देने पर भी जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और अंदर जाकर देखा कि मनीषा फांसी पर लटकी हुई थी। मनीषा मूल रूप से तेलंगाना के मंचेरियल कस्बे की रहने वाली थी और उसकी शादी तीन साल पहले श्रीकांत से हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

कार ने ऑटो को टक्कर मारी, कई मजदूर घायल

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वानापर्थी जिले के पेब्बैर मंडल में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब थोमालापल्ली गांव से बोरिवेली जा रहे मजदूरों से भरे एक ऑटोरिक्शा को कार ने टक्कर मार दी। हादसे के समय ऑटो में करीब 15 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई लोग ऑटो से बाहर गिर पड़े। सभी घायलों को वानापर्थी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

CLASSIFIEDS

LOST

I, Radha Krishna Murthy Bezawada S/o late: B.Ramarao R/o mig 2, Plot No: 816, Flat No: 302, Sai Residencey, opposite Bhuvana Vijayam grounds, kphb colony, Kukatpally, Medchal Malkajgiri dt, T.S I lost my original passport vide passport no: E 9567289, if any found plz cont: 7331168743.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

LOSS OF DOCUMENT

The Public in General is hereby informed that our client V.N.V.L. Sita W/o Lakshminarayana Ravichander, Occ: Doctor, R/o 1-10-65, Street No.3, Ashok Nagar, Hyderabad, Telangana, has lost the original registered sale deeds vide Document No.2117/1985 of Plot No.1527 and 2118/1985 of Plot No.1528 belonging to Smt N.S. Mukunda; Document No.2122/1985 of Plot No.1526 belonging to D. Ram Mohan; and Document No.2111/1985 of Plot No.155 belonging to S. Lalitha registered before SRO Sanga Reddy Mandal, Medak District, admeasuring 311 sq yards each in Survey No. 121, 122 and 125 in Pedda Kanjarla Village. Any person(s) who may have received or found the same is kindly requested to hand over the original document at the below-said address, and for the kind act, my client shall be ever obliged.

Mayur Mundra
Advocate
#102, II Floor, KGN Plaza,
Street No 8, Himayatnagar,
Hyderabad, Telangana,
Cell No. +91 98490 13595
Email: mundra.mayur@gmail.com
Date: 05.11.2025
Place: Hyderabad

'जंगलराज वाले खुद को मानते थे शहंशाह'

अररिया में प्रधानमंत्री मोदी ने लालू परिवार पर कसा तंज

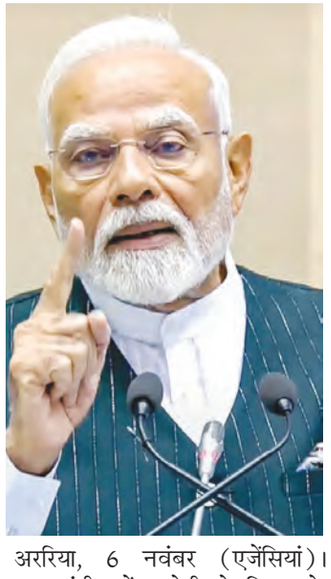

अररिया, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के अररिया में महागठबंधन को पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने गुरुवार (6 नवंबर) को जनसभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय जनता दल को बिहार में जंगलराज के लिए जिम्मेदारी ठहराया। उन्होंने कहा कि जंगलराज वाले खुद को आपका माई-बाप कहते थे, अपने आप को शहंशाह मानते थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "आज बिहार को विकसित बनाने के लिए पहले चरण का वोट पड़ रहा है। सोशल मीडिया पर बिहार के अलग-अलग कोने से शानदार तस्वीरें आ रही हैं। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी लाइनें लगी हुई हैं। माताएं-बहनें-बेटियां वोट के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकल रही हैं। बिहार के नौजवानों में भी अभूतपूर्व उत्साह है। मैं सभी मतदाताओं का अभिनंदन करता हूं।"

नीतीश कुमार ने बिहार को जंगलराज से निकाला बाहर - पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "जंगलराज के दौरान बिहार में हुए विकास का रिपोर्ट कार्ड जीरो है। 1990 से लेकर 2005 तक 15 साल, इस जंगलराज ने बिहार को तबाह कर दिया। सरकार चलाने के नाम पर तब सिर्फ आपको लुटा गया। एनडीए की सरकार में नीतीश जी ने बहुत मेहनत से बिहार को जंगलराज से बाहर निकाला है। 2014 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बिहार के विकास में नई तेजी आई है।" उन्होंने कहा, "पटना में आईआईटी खुली है, बोधगया में आईआईएम खुला है, पटना में एम्स खुला है, दरभंगा एम्स का काम तेजी से चल रहा है, अब बिहार में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी भी है, भागलपुर में आईआईआईटी भी है, बिहार में 4 सेंट्रल यूनिवर्सिटी भी स्थापित की गई हैं।"

जंगलराज को लेकर क्या बोले प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने कहा, "आज मैं आपको आपके वोट की ताकत बताता हूं। आपके दादा-दादी, नाना-नानी के एक वोट ने बिहार को सामाजिक न्याय की भूमि बनाया था, लेकिन फिर 90 का दशक आया और बिहार पर आरजेडी के जंगलराज ने हमला कर दिया। जंगलराज मतलब - कट्टा, क्रूरता, कटुता, कु-संस्कार, करप्शन और कुशासन। ये जंगलराज की पहचान बन गए और ये बिहार का दुर्भाग्य बन गया। आपके माता-पिता के सपने कुचल दिए गए।"

स्टेशन से पहले इंटरसिटी एक्सप्रेस में धुआं उठने से मची अफरातफरी, घबराए यात्री कोच से बाहर कूदे

बाराबंकी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बाराबंकी जिले के रामनगर-बुढ़वल रेलवे स्टेशन से पहले बने ओवरब्रिज के पास गुरुवार सुबह इंटरसिटी एक्सप्रेस के जनरल कोच के पहियों से अचानक धुआं उठने लगा। यह देखकर यात्रियों में अफरातफरी मच गई। सुबह के सन्नाटे और जंगल के बीच ट्रेन रुकने से घबराए यात्री कोचों से नीचे उतर आए। हालांकि जांच में मामला ब्रेक जाम का निकला, जिसके बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, गोरखपुर से लखनऊ जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस सुबह करीब 10:24 बजे बुढ़वल जंक्शन से पहले ओवरब्रिज के पास पहुंची थी। इसी दौरान जनरल कोच के पहियों से अचानक धुआं उठने लगा। घबराए यात्रियों ने तत्क्षण चेन खींचकर ट्रेन रोक दी।

ट्रेन रुकते ही गार्ड और लोको पायलट मौके पर पहुंच गए और स्थिति की जांच की। जीआरपी प्रभारी बुढ़वल जयंत दुबे ने बताया कि कोच के ब्रेक पहियों से चिपक जाने और अधिक गर्म होने के कारण धुआं उठा था। किसी भी प्रकार की कोई तकनीकी खराबी या जनहानि नहीं हुई है। घटना के चलते ट्रेन करीब 20 मिनट तक रुकी रही, जिसके बाद उसे लखनऊ के लिए रवाना कर दिया गया।

दिल्ली से वाराणसी जा रही स्लीपर बस रात ढाई बजे आगरा एक्सप्रेसवे पर पलटी

40 यात्री गंभीर रूप से घायल

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से वाराणसी जा रही निजी एसी स्लीपर बस बीआर 28 पी 9488 आगरा एक्सप्रेसवे से नीचे उतरकर पलट गई। घटना रात करीब 2:30 बजे उन्नाव जिले के मटरिया हसनगंज इलाके में हुई। ओवर स्पीडिंग और धुंध की वजह से बस पलटने की आशंका है। यूपी कंट्रोल रूम में सूचना मिलने पर देर रात एंबुलेंस और राहत व बचाव के लिए लोगों को घटनास्थल की ओर रवाना किया गया। हादसे में 40 से ज्यादा यात्रियों के घायल होने की सूचना है। घायलों में कानपुर निवासी विजय प्रकाश तिवारी व उषा तिवारी भी हैं। विजय प्रकाश ने बताया कि बस शाम छह बजे दिल्ली से निकली थी। बस में उनके परिवार के पांच लोग सवार थे। उन्हें लखनऊ तक आना था। रात 1:45 बजे बस आगरा आगे बढ़ चुकी थी। काफी देर के बाद रास्ते में एक टोल प्लाजा आया।

वहां से करीब पांच किमी आगे बढ़ने पर बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से उतर गई और नीचे जाकर पलट गई। जिस समय हादसा हुआ, बस के अधिकतर यात्री सो रहे थे। किसी को भी संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। शोर सुनकर कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने कंट्रोल रूम को सूचना दी। अंधेरा और कोहरा होने की वजह से देर मदद देर से पहुंच सकी। घायलों को उन्नाव व लखनऊ भेजा गया।

पीएम मोदी ने कहा-जंगलराज में एक भी पुल नहीं बना

प्रियंका गांधी बोलीं-3 साल में 27 गिर गए

मोतिहारी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अररिया में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए महागठबंधन पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि 15 साल के जंगलराज ने बिहार को बर्बाद कर दिया। एक भी पुल नहीं बना। पीएम मोदी के वार का जवाब देते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में 3 साल में 27 पुल गिरे। प्रियंका ने मोतिहारी में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ये बात कही।

पीएम मोदी ने क्या कहा था? पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, बिहार में जंगलराज की सरकार 1990 से 2005 तक तक रही। जंगलराज ने बिहार को बर्बाद कर दिया। सरकार चलाने के नाम पर आपको सिर्फ लूटा गया। जंगलराज में बिहार में कितने एक्सप्रेसवे बने। शून्य। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए सरकार में नीतीश कुमार ने बिहार को जंगलराज से बाहर निकालने के लिए कड़ी मेहनत की है। 2014 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बिहार के विकास को नई गति मिली।

जवाब में प्रियंका गांधी ने क्या कहा?

पीएम मोदी के हमले का जवाब देते हुए प्रियंका गांधी ने मोतिहारी में कहा कि बिहार में 3 साल में 27 पुल गिरे। उन्होंने कहा कि हम कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता हैं, जिनको महात्मा गांधी जी ने रास्ता दिखाया। वहीं, महात्मा गांधी जी को ये रास्ता दिखाने वाले आपके पूर्वज थे। बिहार के लोगों को इस देश में अपनी भागीदारी समझनी पड़ेगी।

आपको समझना पड़ेगा कि इस देश को बनाने वाले आपके पूर्वज हैं। उन्होंने कहा कि जब यहां रास्ता तक नहीं था, उस समय आपके पूर्वज इतने बड़े अंग्रेजों के साम्राज्य से लड़ रहे थे। जब महात्मा गांधी जी को यह बात पता चली थी, तब उन्होंने प्रेरित होकर यहीं से 'सत्याग्रह' की शुरुआत की थी। युवा लगातार परीक्षा देते हैं, लेकिन बार-बार पेपर लीक हो जाता है। ऐसे में परीक्षा और नियुक्तियों के इंतजार में युवाओं के जीवन के कई साल बर्बाद हो जाते हैं।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर डीएलएड छात्रा से दुष्कर्म की कोशिश का आरोप

गोरखपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है। वाराणसी से डीएलएड की परीक्षा देने आई नातिन ने रिश्ते के नाना पर लगाया रेप के प्रयास का आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि नशे में धुत होकर होटल के कमरे में आए रिश्ते के नाना ने पिस्टल तानकर करने लगे रेप की कोशिश की। उन्होंने पहले अपने कपड़े उतारे फिर इसके बाद पिस्टल की नोक पर उसके कपड़े उतारकर रेप का प्रयास करने लगे। पूर्व ब्लाक प्रमुख व कालेज प्रबन्धक के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गोरखपुर में डीएलएड की छात्रा से होटल में रेप की कोशिश में गोलघर इंदिरा बाल विहार के पास रहने वाले पूर्व ब्लॉक प्रमुख व कालेज प्रबंधक ईश्वर चंद जायसवाल के खिलाफ कैंट पुलिस ने बीएनएस की धारा 75-1 (आईवी), 76, 333, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज किया है।

'न तीन में न ही तेरह में, यू ही लट्ठ भांज रहे हैं'

केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

लखनऊ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बीच यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का बिहार में कोई अस्तित्व नहीं है फिर भी वो बिना वजह ही यहां चुनाव प्रचार करते घूम रहे हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर सपा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए पोस्ट किया, उन्होंने कहा- 'बिहार के चुनावी पर्व में सपा बहादुर श्री अखिलेश यादव नाहक ही अपना लट्ठ भांज रहे हैं। हकीकत यह है कि इस चुनाव में उनकी सपा न तीन में है और न ही तेरह में और उनकी पार्टी के लिए दूर तक सूखा ही सूखा है।'

दरअसल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और केशव प्रसाद मौर्य के बीच सियासी जुबानी जंग कोई नई नहीं है। ज़्यादातर मुद्दों पर दोनों नेता अक्सर एक दूसरे पर सियासी वार-पलटवार करते हुए दिखाई देते हैं। हालांकि इन सियासी हमलों के बीच पटना एयरपोर्ट पर दोनों नेताओं की दिलचस्प तस्वीर भी देखने को मिली थी। मंगलवार को सपा अध्यक्ष और केशव प्रसाद मौर्य दोनों एकसाथ पटना एयरपोर्ट पर नज़र आए। इस दौरान दोनों नेता एक दूसरे का हाथ पकड़कर मुस्कुराते हुए दिखाई दिए, जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। इन तस्वीरों को लेकर लोगों में कई तरह की प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिली।

ये मुलाक़ात सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इससे पहले केशव मौर्य ने बिहार की जनता से पहले चरण के लिए ज्यादा से ज्यादा वोट करने की अपील की, उन्होंने कहा कि 'विकसित और आत्मनिर्भर बिहार के निर्माण के लिए- पहले मतदान, फिर जलपान! मजबूत लोकतंत्र और सशक्त बिहार के निर्माण के लिए आवश्यक है कि आप सभी अपने अपने मताधिकार का सदुपयोग करे। आइए, एकजुट होकर फिर से एनडीए समर्थित सुशासन की सरकार बनाएं और बिहार के विकास की रफ्तार को और गति दें'

सीएम योगी ने विश्वनाथ धाम और बाबा कालभैरव के किए दर्शन, पीएम के दौरे की तैयारियां परखीं

वाराणसी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार की सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किए। इसके बाद बाबा कालभैरव के दर्शन भी किए। इसके बाद सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बनारस रेलवे स्टेशन और बरेका का भी निरीक्षण किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार की शाम नमो घाट पर पहला दीया जलाकर देव दीपावली का शुभारंभ किया। इसके बाद काशी के अर्धचंद्राकार घाट, कुंड और तालाब दीयों से जगमग हो उठे। मुख्यमंत्री ने क्रूज पर सवार होकर मां गंगा की आभा निहारी और गंगा आरती देखी। चेतसिंह घाट जाकर श्री डी शो भी देखा। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर श्रद्धालु उत्साहित दिखे और हर-हर महादेव का जयघोष करते रहे। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर काशी की जनता और पर्यटकों का अभिवादन किया।

खेसारी बोले- राम मंदिर में पढ़कर अफसर बन जाऊंगा क्या

शिक्षा और रोजी-रोजगार दो, क्या उसके लिए ट्रम्प को वोट करेंगे

छपरा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव ने एक बार फिर राम मंदिर को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा- राम मंदिर में पढ़कर मैं मास्टर, प्रोफेसर या अफसर बन जाऊंगा क्या? नहीं। राम मंदिर आस्था का विषय है, वह अलग है। लेकिन शिक्षा के लिए काम होना चाहिए। शिक्षा से देश चलाया जा सकता है। खेसारी ने कहा- राम मंदिर बनाइए, मस्जिद बनाइए, उसके लिए जो करना है कीजिए, लेकिन शिक्षा के लिए भी काम कीजिए। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए यूनिवर्सिटी खोलिए, रोजगार दीजिए। क्या उसके लिए हम डोनाल्ड ट्रम्प को वोट करेंगे?" खेसारी लाल यादव बिहार की छपरा सीट से राजद प्रत्याशी हैं। गुरुवार को उन्होंने छपरा में वोट डाला।

इस दौरान मीडिया से बातचीत में ये बातें कहीं। मेरा विषय है कि मंदिर बनना चाहिए, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मंदिर नहीं बनना चाहिए। मंदिर बनना चाहिए, लेकिन लोगों का ख्याल भी रखिए। आप यह बताइए कि आप मंदिर ही बना दो और लोगों के पेट में अन्न ही न दें तो भूखे पेट भजन होता है क्या? और रवि भैया की बात के लिए आप बिल्कुल कुछ मत कहिए वह तो जीने के लिए कुछ बनाते नहीं है वह तो मरने के लिए बनाते हैं। 2 नवंबर को अखिलेश यादव ने खेसारी लाल के समर्थन में छपरा में रैली की थी। उन्होंने कहा था- इस बार का बिहार चुनाव पूरे देश के लिए खास है। पूरा देश बिहार की ओर देख रहा है। लेकिन जिस तरह से छपरा में चुनाव हो रहा है, वैसा पूरे बिहार में नहीं। छपरा और यहां के प्रत्याशी की चर्चा पूरे भारत में है। आप लोगों का जोश और यह भीड़ साफ बता रही है कि इस बार छपरा से खेसारी लाल यादव जीतकर पटना जाएंगे।

जब बिहार के मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बनेंगे, तब पलायन नौजवानों का नहीं, बल्कि भाजपा का होगा। बिहार ने हमेशा संकट की घड़ी में राजनीति को नई दिशा देने का काम किया। इस बार भी इतिहास दोहराया जाएगा। भाजपा में कई ऐसे लोग हैं, जो पहले सपा के साथ रह चुके हैं। आज वे ऊपर से भले भाजपा में हों, लेकिन भीतर से खेसारी के समर्थक हैं। वे इस बार भाजपा की राजनीति नहीं, बल्कि बिहार के बेटों की आवाज को चुनेंगे।

प्रेग्नेंट पत्नी की मौत की खबर सुनकर खूब रोया पति, फिर युवक ने भी तोड़ा दम

अमेठी, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को शोक में डाल दिया है। यहां पति-पत्नी की मौत कुछ ही घंटों के अंतराल पर हो गई। पत्नी की मौत प्रसव पीड़ा के दौरान हुई। इस खबर को सुनते ही पति ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। यह घटना अमेठी के जायस थाना क्षेत्र के निखई की है।

निखई निवासी आकाश की शादी पिछले साल ज्योति से हुई थी। दोनों एक-दूसरे से बेहद प्रेम करते थे और शादी के बाद खुशहाल जीवन बिता रहे थे। ज्योति गर्भवती थी और घर में नए मेहमान के आने की खुशी थी। सुबह ज्योति को अचानक तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। परिजन उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल गौरीगंज लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताकर रायबरेली एम्स रेफर कर दिया। ज्योति की हालत बिगड़ती चली गई और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सपा नेता फूलचंद्र यादव पर महिला के साथ बर्बरता का आरोप, प्राइवेट पार्ट पर सरिया से किया हमला

बस्ती, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां नीलम नाम की एक बुजिर्ग महिला ने सपा के एक नेता फूलचंद्र यादव पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। बुजुर्ग महिला नीलम के आरोप के मुताबिक सपा नेता ने मामूली कहासुनी के बाद उन्हें पहले बुरी तरह से पीटा। फिर कुल्हाड़ी से सिर पर हमला कर दिया। आरोप है कि जब इतने से भी सपा नेता का मन नहीं भरा तो उसने बुजुर्ग महिला के प्राइवेट पार्ट में सरिया डाल दिया जिससे महिला अधमरी हालत में हो गई। महिला ने ये भी आरोप लगाया है कि जब वह सपा नेता के खिलाफ कंप्लेन करने गई तो 48 घंटे तक उसकी एफआईआर नहीं लिखी गई। ऐसे में बुजुर्ग महिला एसपी अभिनंदन के पास पहुंची। महिला ने अपनी पूरी कहानी एसपी को बताई जिसके बाद उन्होंने थानाध्यक्ष को फटकार लगाई। ये मामला बस्ती जिले के रुदौली थाना क्षेत्र से जुड़ा है। यहां एक नीलम नाम की बुजुर्ग महिला ने बताया कि उनके परिवार का जुड़ाव बीजेपी से है। इसके साथ ही ये भी दावा किया जा रहा है कि पीड़ित महिला और उसका बेटा बीजेपी के कार्यकर्ता हैं। वही उसकी निर्ममता से पिटाई करने वाला फूलचंद्र यादव सपा से जुड़ा है और वह स्थानीय सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी का करीबी भी है। इस वजह से पुलिस कार्रवाई करने से कतरा रही थी।

हिरासत में युवक की मौत मामले में बड़ी कार्रवाई

आरपीएफ के दो दरोगा व एक पुलिसकर्मी निलंबित

गोंडा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। रेलवे सुरक्षा बल की हिरासत में मोतीगंज के किनकी गांव निवासी संजय की मौत के मामले में बृहस्पतिवार को बड़ी कार्रवाई की गई है। आरोपों की जद में आए आरपीएफ के उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार, करण सिंह यादव तथा कांस्टेबल अमित कुमार यादव को निलंबित कर दिया गया है।

आरपीएफ के डीआईजी चंद्रमोहन मिश्र का कहना है कि यह कार्रवाई प्रथमदृष्टया आरोप पर की गई है। मामले की विस्तृत जांच चल रही है। मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे आरपीएफ ने चोरी के आरोप में संजय को हिरासत में लिया था। बताया गया कि पूछताछ के दौरान तबीयत बिगड़ने पर संजय को मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। इस मामले में बुधवार को मृतक के भाई राजू सोनकर ने आरपीएफ कर्मियों पर हिरासत के दौरान पिटाई करके मार डालने का आरोप लगाते हुए हत्या की तहरीर दी थी।

इस पर कोतवाली नगर में तीनों आरपीएफ कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले की जांच कोतवाली नगर पुलिस कर रही है।

केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के प्रतिनिधि राजेश सिंह ने बृहस्पतिवार को किनकी गांव पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की। साथ ही कहा कि परिजनों को हर संभव न्याय दिलाया जाएगा। सरकार इस मामले में पूरी तरह से गंभीर है।

फतेहपुर में विवादित स्थल पर कार्तिक पूर्णिमा पर पूजा की कोशिश, 21 महिलाओं पर मुकदमा दर्ज

फतेहपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में आबूनगर में कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर विवादित धार्मिक स्थल पर देव दीपावली की पूजा को लेकर एक बार फिर तनाव बढ़ गया। यहां 21 महिआलों ने पूजा करने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। जिसके बाद महिलाओं और पुलिस में तीखी झड़प हो गयी। जिस पर पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ मुदकमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटनाक्रम में पप्पू सिंह की पत्नी को मुख्य आरोपी बनाया गया है।

पुलिस जब उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची तो उनके घर पर भी खासा हंगामा हुआ। फ़िलहाल पुलिस ने विवादित स्थल पर पुलिस बल बढ़ा दिया है और हंगामा करने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बता दें कि विवादत स्थल का मामला अभी कोर्ट में है, जिस पर अगली सुनवाई 12 नवम्बर को है। यहां अगस्त में खासा बवाल हो गया था। बुधवार को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर हिंदूवादी नेता पप्पू सिंह की पत्नी अन्य 20 महिलाओं को लेकर विवादित स्थल पर पूजा करने के लिए पहुंची। जिस पर वहां तैनात पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद महिलाओं और पोलकी में तीखी बहस हो गयी।

पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए महिलाओं को खदेड़ दिया। महिलाओं ने गाली-गलौज भी की। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल है। सूचना पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति नियंत्रण में ली। पुलिस ने 21 महिलाओं के खिलाफ मुकादम दर्ज कर लिया। पुलिस जब पप्पू सिंह की पत्नी को गिरफ्तार करने पहुंची तो वहां कोतवाल तारकेश्वर राय और उनमें बहस हो गयी।

बिहारशरीफ में बवाल: पर्ची बांटने पर हुआ हंगामा

बीजेपी प्रत्याशी डॉ सुनील ने एसआई पर लगाया आरजेडी समर्थक होने का आरोप

बिहारशरीफ, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के दौरान बिहारशरीफ में गुरुवार को पर्ची बांटने को लेकर बवाल हो गया। वार्ड 16 के अंबेर क्षेत्र में बूथ संख्या 226 से 232 के पास चार भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया, जिसके बाद भाजपा प्रत्याशी डॉ। सुनील कुमार ने पुलिस पर आरजेडी समर्थक होने और जानबूझकर परेशान करने का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार, बिहार थाना के एसआई रवि कुमार ने उन चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जो बूथ के पास मतदाताओं को वोटर स्लिप बांट रहे थे। भाजपा प्रत्याशी डॉ। सुनील कुमार ने आरोप लगाया कि "एसआई रवि कुमार आरजेडी समर्थक हैं और जानबूझकर हमारे कार्यकर्ताओं को परेशान कर रहे हैं। वे अंबेर तीन-मुहानी पर थे, जहां उनके कार्यकर्ता मतदाताओं को वोटर स्लिप दे रहे थे, जिस पर नाम और बूथ नंबर लिखा था। इस दौरान एसआई ने चार लड़कों को पकड़ लिया और धमकाते हुए कहा कि 'यहां काम नहीं करने देंगे, वोट डालने नहीं देंगे।'" उन्होंने कहा कि इस मामले की शिकायत उन्होंने प्रशासन से की है।

वहीं, वार्ड 16 के पार्षद प्रतिनिधि आशीष रंजन ने बताया कि कार्यकर्ता बूथ से करीब 150 मीटर की दूरी पर पर्ची बांट रहे थे। उन्होंने कहा कि "बीएलओ द्वारा घर-घर पर्ची नहीं पहुंचाई गई थी, इसलिए हम मतदाताओं की मदद के लिए खुद पर्ची बनाकर दे रहे थे।" आशीष रंजन ने आरोप लगाया कि एसआई रवि कुमार ने जबरदस्ती चार लोगों को हिरासत में लिया और वोटर लिस्ट व पर्चियां भी जब्त कर लीं। उन्होंने यह भी कहा कि दारोगा ने उन्हें जानने के बावजूद हाथापाई की और धमकी दी। इस पूरे मामले में सदर डीएसपी नुरुल हक ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है, लेकिन मामले की जांच कराई जाएगी।

पुलिस ने दिनदहाड़े हत्या करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया

मृतक के खिलाफ भी दर्ज था आपराधिक मामला

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगदगिरिगुट्टा पुलिस ने साइबराबाद कमिश्नरेट की एसओटी बालानगर टीम के साथ मिलकर 5 नवंबर को जगदगिरिगुट्टा बस स्टॉप पर दिनदहाड़े हुई एक नृशंस हत्या में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपियों ने पूर्व रंजिश के चलते एक पूर्व नियोजित साजिश रची और पंचशीला कॉलोनी, रंगारेड्डी नगर, आईडीपीएल, बालानगर के रहने वाले आटो चालक रोशन कुमार सिंह उर्फ रोशन पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस उपायुक्त, मेडचल ज़ोन (प्रभारी बालानगर ज़ोन), साइबराबाद, एन. कोटि रेड्डी पुलिस ने बताया कि हत्या के आरोप में टी. बाला शोरेड्डी उर्फ बादशाह, निवासी जगदगिरिगुट्टा, सैयद महमूद, निवासी जगदगिरिगुट्टा, रेवो आदित्य उर्फ आदिल उर्फ आदि, निवासी जगदगिरिगुट्टा को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य आरोपी थानुगुंडला बाला शोरेड्डी, जिसके खिलाफ जगदगिरिगुट्टा पुलिस स्टेशन में एक राउडीशीट दर्ज है। उसकी शरीफ नामक व्यक्ति से लंबे समय से दुश्मनी थी। मृतक रोशन कुमार सिंह, जिसके खिलाफ बालानगर पुलिस स्टेशन में भी एक राउडीशीट दर्ज है। रोशन इस दुश्मनी में शरीफ का साथ दिया था। रोशन ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने शरीफ के मामलों में दखल दिया तो वह "अपनी जान दे देगा"।

इस घटना ने उसके मन में गहरी दुश्मनी और दुश्मनी पैदा कर दी। बदले की भावना से, उसने रोशन कुमार सिंह को खत्म करने के इरादे से एक चाकू खरीदा। उसने अपनी योजना अपने करीबी साथियों महमूद, आदित्य उर्फ आदिल उर्फ आदि को बताई, जो तुरंत मान गए और सभी ने मिलकर रोशन कुमार को खत्म करने की आपराधिक साजिश रची। अपनी पूर्व-निर्धारित योजना के अनुसार 5 नवंबर की शाम को, बाला शोरेड्डी ने रोशन कुमार सिंह को जगदगिरिगुट्टा बस स्टॉप पर बुलाया। सभी आरोपी मोटरसाइकिल से वहाँ पहुँचे। जब बाला शोरेड्डी रोशन से बात कर रहा था, महमूद ने पीछे से रोशन की पैंट पकड़ ली, इसी बीच बाला शोरेड्डी ने चाकू निकाला और उसकी छाती, पेट और पीठ पर बेरहमी से वार कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। यह पूरी घटना दिनदहाड़े एक भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थान पर हुई, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। हमले के बाद, आरोपी रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल पर भाग गए। गंभीर चोटों के कारण, रोशन कुमार सिंह को मेडी-टेक अस्पताल और बाद में गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

कृष्णा नदी के झरने में बहा नाबालिग लड़का

रेकुलापल्ली गांव में मछली पकड़ने गया था

जोगुलम्बा गद्वाल, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के रेकुलापल्ली गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में एक नाबालिग लड़का कृष्णा नदी के गुंडाला झरने में बह गया। मृतक की पहचान कस्बे की बीडी कॉलोनी निवासी के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार, लड़का अपने दोस्तों के साथ मछली पकड़ने के लिए झरने के पास गया था। इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पानी में बह गया।

स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज धारा के कारण वे असफल रहे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। विशेषज्ञ तैराकों की मदद से बचाव अभियान चलाया गया, लेकिन तब तक लड़का लापता हो चुका था। उसके पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क पर खतरा बने बजरी से लदे ट्रक

चेवेल्ला हादसे ने खदानों और ट्रकों की निगरानी की कमी को उजागर किया

संगारेड्डी, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में चेवेल्ला में बजरी ले जा रहे एक ट्रक से हुई बस दुर्घटना ने खदानों और क्रशरों से बजरी व अन्य सामग्री ढोने वाले ट्रकों की निगरानी की भारी कमी को उजागर किया है। कई ट्रक जरूरत से ज्यादा भार लेकर बिना तिरपाल ढके सड़कों पर दौड़ रहे हैं। उड़ती धूल और बजरी का मिश्रण दोपहिया वाहन चालकों और अन्य राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। कई लोगों की आंखों में धूल जाने से चोट लगने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे आम जनता में नाराजगी है।

पूर्ववर्ती मेदक जिले में लगभग 350 खदानें और इतने ही क्रशर चल रहे हैं। इन इकाइयों से रोजाना करीब 2,000 ट्रक बजरी और अन्य निर्माण सामग्री का परिवहन कर रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण और अन्य विभाग इन वाहनों पर निगरानी सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। तेज रफ्तार, नशे में गाड़ी चलाना, ओवरलोडिंग और बिना तिरपाल के ट्रक चलाना अब आम बात बन गई है।

चेवेल्ला सड़क दुर्घटना के बाद पटनचेरु में आरटीए अधिकारियों द्वारा की गई जांच में 14 ट्रक जरूरत से ज्यादा सामान ले जाते पाए गए। इसके अलावा, 25 टन तक की क्षमता वाले भारी ट्रक ग्रामीण सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जबकि ये सड़कें केवल 5 से 10 टन भार झेलने की क्षमता रखती हैं। इससे आंतरिक सड़क नेटवर्क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रहा है। पूर्ववर्ती मेदक जिले के निवासियों ने खदानों, क्रशरों और रेत लदान केंद्रों से निकलने वाले ट्रकों की गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण लगाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर अधिकारियों ने जल्द सख्ती नहीं की, तो सड़क हादसों और प्रदूषण की समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

कपास खरीद पर संकट बरकरार

कपास संघ ने बंद तो टाला, लेकिन समाधान के संकेत नहीं

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कपास खरीद को लेकर जारी गतिरोध का फिलहाल कोई समाधान नहीं निकल सका है। हालांकि तेलंगाना राज्य कपास संघ ने राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों से आश्वासन मिलने के बाद अपना अनिश्चितकालीन बंद स्थगित कर दिया है, लेकिन किसानों और मिल मालिकों की चिंताएं अब भी बरकरार हैं।

भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के नए नियमों ने ओटाई मिलों और किसानों दोनों के बीच असंतोष बढ़ा दिया है। इन नियमों में ओटाई शुल्क, मिल चयन और नई ग्रेडिंग प्रणाली से जुड़ी असमानताओं को लेकर आपत्तियां जताई जा रही हैं। एसोसिएशन ने गुरुवार से शुरू होने वाला बंद टाल दिया है, लेकिन स्पष्ट किया है कि समस्याओं का स्थायी समाधान होने तक आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा।

कृषि विपणन मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव, प्रधान सचिव सुरेंद्र मोहन, सीसीआई के अधिकारियों और कपास संघ के अध्यक्ष रविंद्र रेड्डी के बीच हाल ही में हुई बैठक में राज्य सरकार ने उद्योग की चिंताओं को दूर करने का आश्वासन दिया। सुरेंद्र मोहन ने कहा कि केंद्र सरकार को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी गई है और कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से भी संपर्क किया गया है। उन्होंने बताया कि मंत्री ने शीघ्र समाधान का वादा किया है।

स्कूल में अयप्पा माला को लेकर विवाद, भक्तों ने किया प्रदर्शन

प्रधानाचार्य पर धार्मिक भेदभाव का आरोप, पुलिस तैनात

सूर्यापेट, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिला मुख्यालय में गुरुवार को एक निजी स्कूल के बाहर उस समय तनाव फैल गया जब अयप्पा स्वामी भक्तों के एक समूह ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ धरना दिया। यह विरोध तब शुरू हुआ जब खबर मिली कि स्कूल के प्रधानाचार्य ने एक छात्र को पवित्र अयप्पा माला पहनने के कारण परेशान किया। छात्र सबरीमाला यात्रा से पहले पूजा-अर्चना के हिस्से के रूप में यह माला पहन रहा था।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन ने धार्मिक भावनाओं का अपमान किया है और प्रधानाचार्य ने छात्र से अपमानजनक भाषा में बात की। उनका कहना था कि कक्षाओं में भाग लेने से रोकना बच्चे के अपने धर्म और परंपरा का पालन करने के अधिकार का उल्लंघन है। स्थिति को देखते हुए स्कूल के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और स्थिति अब नियंत्रण में है।

चुनाव आयोग भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रहा है : एपीसीसी प्रमुख शर्मिला

विजयवाड़ा, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला रेड्डी ने गुरुवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने इसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा उजागर किए गए 'बड़े पैमाने पर फर्जी वोट घोटाले' का नाम दिया।

मीडिया से बात करते हुए, शर्मिला ने आरोप लगाया कि हरियाणा में भाजपा को मात्र 1.18 लाख वोटों के अंतर से जिताने के लिए लगभग 25 लाख फर्जी वोट बनाए गए। उन्होंने इसे 'लोकतंत्र की चोरी' बताया। उन्होंने कहा कि हर आठ में से एक वोट फर्जी था। कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग पर अपनी संवैधानिक स्वतंत्रता का परित्याग करने और 'आरएसएस के एक अंग के रूप में काम करने' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों को छिपाया जा रहा है, सीसीटीवी फुटेज नष्ट किए जा रहे हैं और डिजिटल सबूतों को दबाया जा रहा है। इस घटनाक्रम को 'लोकतंत्र पर गंभीर हमला' बताते हुए, शर्मिला ने कहा कि भाजपा पूरे भारत में संस्थानों पर 'कब्जा' कर रही है। उन्होंने कहा कि "वोट चोर, गद्दी छोड़" अभियान के तहत, आंध्र प्रदेश कांग्रेस ने राज्य के सभी 175 विधानसभा क्षेत्रों में नागरिकों से 17.65 लाख हस्ताक्षर एकत्र किए हैं, जिन्हें राहुल गांधी के अभियान के समर्थन में दिल्ली भेजा जाएगा।

उपचुनाव में फोटो पहचान पत्र अनिवार्य: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने अपील की है कि 11 नवंबर को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव में मतदान करने आने वाले प्रत्येक मतदाता को फोटो पहचान पत्र अवश्य लाना चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार, मतदान केंद्र पर मतदान करने से पहले प्रत्येक मतदाता को अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र (EPIC) दिखाना होगा। उन्होंने कहा कि जिनके पास मतदाता फोटो पहचान पत्र नहीं है, वे 12 फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई भी एक दिखा सकते हैं। इनमें आधार कार्ड, मनरेगा रोज़गार कार्ड, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (आयुष्मान भारत कार्ड सहित), ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के अंतर्गत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज़, सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी कर्मचारी पहचान पत्र, सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों का आधिकारिक पहचान पत्र, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा जारी विशिष्ट पहचान पत्र (यूडीआईडी) कार्ड शामिल है। विदेशी मतदाताओं (जो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20ए के अंतर्गत पंजीकृत हैं) को अपना मूल भारतीय पासपोर्ट प्रस्तुत करना होगा। मतदान से कम से कम पाँच दिन पहले मतदाता सूचना पर्चियाँ वितरित की जाएँगी। हालाँकि, इनका उपयोग पहचान पत्र के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की है कि वे यह सुनिश्चित कर लें कि उनका नाम मतदाता सूची में है या नहीं और 11 नवंबर को जिम्मेदारी से मतदान करने के लिए वैध फोटो पहचान पत्र के साथ मतदान केंद्रों पर आएं।

नंबर वन की पोजीशन बनाए रखना प्रोबेशनरी डीएसपी की जिम्मेदारी : शिवधर रेड्डी

डीजीपी ने प्रोबेशनरी डीएसपी के प्रशिक्षण का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना पुलिस विभाग देश में नंबर वन है और उस स्तर को बनाए रखना प्रोबेशनरी डीएसपी की भी ज़िम्मेदारी है। डीजीपी गुरुवार को आरबीवीआरआर तेलंगाना राज्य पुलिस अकादमी में आयोजित प्रोबेशनरी उपाधीक्षकों के प्रशिक्षण के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। पुलिस महानिदेशक ने गुरुवार को पुलिस अकादमी निदेशक श्रीमती अभिलाषा बिष्ट, टीजी सीएसबी निदेशक श्रीमती की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रोबेशनरी डीएसपी को संबोधित किया। शिखा गोयल, ईगल निदेशक श्री संदीप सांडिल्य, अतिरिक्त डीजीपी कानून और व्यवस्था श्री महेश एम भागवत, पुलिस आयुक्त श्री वी. सी. सज्जनार (हैदराबाद), श्री सुधीर बाबू (राचकोंडा), श्री अविनाश महंती (साइबराबाद) और अन्य। उन्होंने बताया कि यह तेलंगाना पुलिस परिवार में प्रवेश करने वाले 112 प्रोबेशनरी डीएसपी का सबसे बड़ा बैच है, जो देश के अग्रणी पुलिस बलों में से एक है। उन्होंने कहा कि आने वाला दस महीने का प्रशिक्षण काल अकादमी में आपकी नेतृत्व यात्रा की नींव रखेगा और इस अकादमी का वातावरण आपमें अनुशासन, समय की पाबंदी और दृष्टिकोण में बदलाव लाएगा। डीजीपी ने कहा... एक पुलिस अधिकारी को न केवल कानून लागू करना चाहिए बल्कि उसकी भावना को भी समझना चाहिए और निष्पक्षता, धैर्य और सहानुभूति जैसे मूल्य एक अधिकारी को सर्वश्रेष्ठ बनाते हैं। उन्होंने कहा कि लोग आपको अधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि कानूनी प्रतिनिधि के रूप में देखेंगे। उन्होंने परिवीक्षाधीन डीएसपी को समझाया कि यद्यपि प्रशिक्षण कठिन है, फिर भी प्रत्येक अनुशासनात्मक कार्रवाई का एक अर्थ होता है और अभ्यास, व्यायाम और टीम वर्क आपमें आत्म-नियंत्रण को बढ़ाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासन दंड नहीं, बल्कि तत्परता है।

उन्होंने कहा कि ग्रेहाउंड्स, ऑक्टोपस, सीआई सेल, टीजीसीएसबी और ईगल जैसे विशेष संगठनों के माध्यम से तेलंगाना पुलिस आधुनिक पुलिसिंग में देश के लिए एक आदर्श बन गई है और कमांड कंट्रोल सेंटर, शी टीम्स, भरोसा केंद्र और सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम लोगों से जुड़ने के प्रयासों के प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि इस बैच में 38 महिला अधिकारियों की उपस्थिति गर्व की बात है और आप तेलंगाना पुलिस का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि सम्मान और समानता यहीं से शुरू होनी चाहिए। नेतृत्व शक्ति से शुरू नहीं होता, आपका व्यवहार, ईमानदारी, सहानुभूति और सहकर्मियों के प्रति सकारात्मकता - ये नेतृत्व के सच्चे गुण हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि दूसरों का नेतृत्व करने के लिए, पहले सेवा करना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोगों को अपनी पुलिस पर अटूट विश्वास है और हमने वह विश्वास अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि 'सेवा के माध्यम से सम्मान अर्जित करना' हमारा आदर्श वाक्य है। उन्होंने कहा कि ये मूल्य हर बार वर्दी पहनते समय आपके व्यवहार में झलकने चाहिए।

उन्होंने सुझाव दिया कि परिवीक्षाधीन अधिकारियों को तीन बुनियादी मूल्यों - ईमानदारी, सहानुभूति और व्यावसायिकता का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें तब भी सच्चा रहना चाहिए जब कोई उन्हें देख न रहा हो, नागरिकों की भावनाओं को समझना चाहिए और अपने काम में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक पुलिस अधिकारी की असली ताकत वर्दी पर लगे सितारों से नहीं, बल्कि लोगों की नज़रों में दिखाए गए विश्वास से आती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वे सुरक्षा, सम्मान, न्याय और व्यावसायिकता के प्रतीक बनेंगे। डीजीपी ने अपने भाषण का समापन यह कहते हुए किया, "हम उन्हें सम्मान के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने, ईमानदारी से नेतृत्व करने और करुणा के साथ सुरक्षा करने के लिए प्रशिक्षित करना चाहते हैं।" अकादमी निदेशक श्रीमती अभिलाषा बिष्ट ने कहा कि उन्हें दस महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले चरण में प्रशिक्षण 42 सप्ताह तक चलेगा। इस अवसर पर, पुलिस महानिदेशक ने पाठ्यक्रम की प्रतियों का अनावरण किया। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण उद्घाटन कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक एस. चंद्रशेखर रेड्डी, एम. रमेश, श्री रमेश नायडू, अकादमी के उपनिदेशक एन. वेंकटेश्वरलू, मुरलीधर, श्रीमती जी. कविता आदि उपस्थित थे।

शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया जारी न होने पर निजी कॉलेजों की हड़ताल चौथे दिन जारी

5,000 करोड़ रुपये तुरंत जारी करने की मांग

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में निजी व्यावसायिक कॉलेजों की अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को चौथे दिन भी जारी रही। कॉलेज प्रबंधन की मुख्य मांग है कि सरकार लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया राशि के 10,000 करोड़ रुपये में से कम से कम 50 प्रतिशत तुरंत जारी करे। राज्य भर में इंजीनियरिंग, फार्मेसी, एमबीए, एमसीए, बी.एड और नर्सिंग सहित लगभग 2,000 कॉलेज बंद रहे। तेलंगाना उच्च संस्थान संघों के महासंघ (एफएटीएचआई) ने जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) की फार्मेसी परीक्षाओं के बहिष्कार की घोषणा की और विश्वविद्यालय से इन्हें स्थगित करने का अनुरोध किया।

एफएटीएचआई के अध्यक्ष रमेश बाबू ने कहा कि जब तक सरकार 5,000 करोड़ रुपये जारी नहीं करती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

उन्होंने यह भी मांग की कि शेष 5,000 करोड़ रुपये का भुगतान अगले 10 महीनों में 500 करोड़ रुपये की मासिक किश्तों में किया जाए। रमेश बाबू ने बताया कि प्रबंधन के लिए कॉलेज चलाना मुश्किल हो गया है और सरकार की अनदेखी से संस्थान आर्थिक संकट में हैं। उन्होंने कहा कि सितंबर में सरकार ने दिवाली से पहले 1,200 करोड़ रुपये जारी करने का वादा किया था, लेकिन अब तक केवल 300 करोड़ रुपये ही जारी हुए हैं।

सरकार ने शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के लिए एक स्थायी वित्तीय मॉडल तैयार करने के उद्देश्य से एक समिति गठित की है। इस समिति में अधिकारियों और एफएटीएचआई के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है।

हालांकि, फेडरेशन ने कहा कि समिति को तीन महीने नहीं, बल्कि एक महीने में रिपोर्ट देनी चाहिए। एफएटीएचआई ने घोषणा की है कि 8 नवंबर को हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में कॉलेज शिक्षकों की एक बड़ी बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें करीब 70,000 शिक्षक शामिल होंगे। रमेश बाबू ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे 10 लाख छात्रों के साथ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे।

पुलिस अधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईडी, टीजी, हैदराबाद द्वारा सीआईडी, हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा आयुक्तालयों के पुलिस अधिकारियों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, आईसीएआई भवन, हैदराबाद में "वित्तीय धोखाधड़ी जांच : तकनीक, उपकरण और डिजिटल फोरेंसिक" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आईसीएआई, नई दिल्ली के डिजिटल अकाउंटिंग एंड एश्योरेंस बोर्ड (डीएएबी) द्वारा आयोजित किया गया था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, तेलंगाना, हैदराबाद, चारु सिन्हा ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसएसपी, डीएसपी और इंस्पेक्टर रैंक के कुल 40 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य आर्थिक/वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों के जाँच कौशल को बढ़ाना और उन्हें ऐसे मामलों की जांच करते समय नवीनतम फोरेंसिक उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम बनाना है। यह राज्य के पुलिस अधिकारियों के लिए अपनी तरह का पहला क्षमता निर्माण प्रशिक्षण है।

अखिल भारतीय कान्यकुब्ज समाज, कानपुर के महासिचव महेश मिश्रा और अमित शुक्ला, कानपुर ने तेलंगाना के अशोक तिवारी के साथ एके वाजपेई से मुलाकात की। इस दौरान तेलंगाना राज्य में कान्यकुब्ज समाज की आगामी अखिल भारतीय बैठक की रूपरेखा तैयार की।

एआईएसएफ कार्यकर्ताओं ने मंत्री के घर के बाहर किया प्रदर्शन

शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति बकाया को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी

करीमनगर, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएसएफ कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर के मनकम्माथोटा स्थित आवास पर प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्य सरकार पर लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति बकाया राशि के भुगतान में उदासीनता बरतने का आरोप लगाया। छात्रों का एक समूह नारेबाजी करते हुए मंत्री के घर की ओर बढ़ा और अंदर घुसने की कोशिश की। पुलिस ने पहले से बैरिकेड लगाकर रास्ता बंद कर दिया था और प्रदर्शनकारियों को रोक लिया। बाद में पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर थाने ले जाया।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि कॉलेजों के बंद रहने से वे पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं और आर्थिक तंगी झेल रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र राजनीति से आने के बावजूद मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अब तक इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। छात्रों ने मांग की कि वे मुख्यमंत्री से मिलकर लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति बकाया राशि जल्द जारी करवाने की पहल करें।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 7 नवंबर- 2025

अमेरिका में भारत मूल के मेयर से क्या असर पड़ेगा

अशोक भाटिया

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क मेयर का चुनाव जीत लिया है। इस जीत के साथ डेमोक्रेट्स जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के पहले भारतीय-अमेरिकी मुस्लिम मेयर बन गए हैं। 34 वर्षीय ममदानी ने शहर के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया है, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। जोहरान ममदानी सात साल की उम्र में न्यूयॉर्क शहर आ गए थे। उनके पिता महमूद ममदानी युगांडा के फेमस लेखक हैं और भारतीय मूल के मार्क्सवादी विद्वान हैं। उनकी माँ मीरा नायर एक पुरस्कार विजेता भारतीय-अमेरिकी फिल्म मेकर हैं, जिन्होंने 'मॉनसून वेडिंग' और 'द नेमसेक' जैसी फिल्में बनाई हैं।

ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो और रिपब्लिकन कर्टिस स्लीवा को हराया है। अब ममदानी को अमेरिका के सबसे बड़े शहर की मांगों को पूरा करना होगा और महत्वाकांक्षी चुनावी वादों को पूरा करना होगा। इस जीत के साथ ममदानी ने, डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट शहर के पहले मुस्लिम मेयर, दक्षिण एशियाई मूल के पहले व्यक्ति और अफ्रीका में जन्मे पहले व्यक्ति के रूप में इतिहास में अपनी जगह बना ली है। ममदानी 1 जनवरी को पदभार संभालेंगे और इस सदी के सबसे युवा मेयर भी बन जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने काफी जोर लगाया था कि ममदानी मेयर का पद न जीतें, लेकिन ऐसा हो न सका। ममदानी की जीत से डेमोक्रेट्स को बल मिलेगा। बता दें कि शहर के चुनाव बोर्ड के अनुसार, इस चुनाव में 50 से अधिक वर्षों में मेयर पद के लिए सबसे अधिक मतदान हुआ, जिसमें 2 मिलियन से अधिक न्यूयॉर्क के लोगों ने वोटिंग में हिस्सा लिया। ममदानी ने चुनाव के दौरान अपना इलेक्शन कैंपेन जमीनी स्तर पर चलाया और इसका असर नजर भी आया है। ममदानी के करिश्मे ने कुओमो की राजनीतिक वापसी की कोशिशों पर पानी फेर दिया। पूर्व गवर्नर ने चार साल पहले यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया था। वह पूरे चुनाव के दौरान अपने अतीत से जूझते रहे और नकारात्मक अभियान चलाने के लिए उनकी आलोचना की गई। ममदानी की पूरे चुनाव अभियान के दौरान उनके कमज़ोर रेज़्यूमे के लिए आलोचना की गई थी। अब अगले साल पदभार ग्रहण करने से पहले अपने नए प्रशासन में कर्मचारियों की भर्ती शुरू करनी होगी और यह तय करना होगा कि वे उस महत्वाकांक्षी, लेकिन ध्रुवीकरणकारी एजेंडे को कैसे पूरा करेंगे, जिसने उन्हें जीत दिलाई।

राष्ट्रपति ट्रंप ने पूरा जोर लगा दिया था कि ममदानी मेयर की चेयर तक न पहुंचे। ऐसे में अब यह भी सवाल उठ रहा है कि वे ट्रंप से कैसे निपटेंगे, जिन्होंने शहर पर कब्जा करने और ममदानी के जीतने पर उन्हें गिरफ्तार करके निर्वासित करने की धमकी दी थी। ममदानी का जन्म युगांडा में हुआ था, जहां उन्होंने अपना शुरुआती बचपन बिताया, लेकिन उनका पालन-पोषण न्यूयॉर्क शहर में हुआ और वे 2018 में अमेरिकी नागरिक बन गए।

गौरतलब है कि न्यूयॉर्क के नये मेयर जोहरान ममदानी अपने आप को 'डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट' कहते हैं और इस वजह से अमेरिका में बहुत सारी चिंताएं सामने आ रही हैं लेकिन क्यों? अमेरिका पूंजीवाद के लिए पहचाना जाना जाता है जबकि समाजवाद पूंजीवादी व्यवस्था की प्रतिक्रिया के रूप में उभरा है। ममदानी के आलोचकों का मानना है कि उनकी नीतियां न्यूयार्क जैसे शहर के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं, यहां पर कारोबार खत्म हो सकते हैं और शहर का कामकाज सरकार के नियंत्रण और टैक्स व्यवस्था के अंदर आ सकता है। ममदानी के समर्थकों का मानना है कि उनकी जीत डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले एमएजीए (अमेरिका को फिर से महान बनाओ) आंदोलन का मुकाबला करने के लिए जरूरी है क्योंकि ट्रंप सरकार की नीतियां अमेरिका को आर्थिक और सामाजिक दक्षिणपंथ की ओर ले जा रही हैं।हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब ममदानी से यह पूछा गया कि क्या वह पूंजीवाद को पसंद करते हैं तो उन्होंने कहा- नहीं और खुद को डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट बताया। इसका मतलब समझाने के लिए उन्होंने मार्टिन लूथर किंग का हवाला देते हुए कहा, 'लोकतंत्र कहें या लोकतांत्रिक समाजवाद, इस देश में ईश्वर की सभी औलादों के लिए धन का बेहतर बंटवारा होना चाहिए।'ममदानी ने कहा कि उनका ध्यान अमेरिका में बढ़ रही असमानता पर है।

अब हमें यह समझना होगा कि न्यूयॉर्क की आर्थिक स्थिति कैसी है। राजकोषीय नीति संस्थान (एफपीआई) के मुताबिक, न्यूयॉर्क मंदी और बढ़ती महंगाई के दौर में प्रवेश कर चुका है। न्यूयॉर्क के फेडरल रिजर्व बैंक के मुताबिक, 2022 में न्यूयॉर्क शहर की जीडीपी $1।2 ट्रिलियन थी जो भारत की जीडीपी के एक-तिहाई के बराबर है और तकोरोना की महामारी से पहले न्यूयॉर्क काफी तेजी से आगे बढ़ रहा था लेकिन महामारी के बाद से इस शहर की इकोनॉमी और रोजगार को बहुत बड़ा झटका लगा और वह अब तक इससे उबर नहीं पाया है। न्यूयॉर्क में जमीन और मकान की कीमतें बेहद ऊंची हैं। 2022 में यहां की औसत घरेलू आय $72,000 प्रति वर्ष थी जबकि घर की औसत कीमत $724,000 थी।ममदानी ने चुनाव अभियान के दौरान कहा था कि वह लाखों किराएदारों के लिए किराया फ्रीज कर देंगे, बसों को तेज और मुफ्त कर देंगे और बच्चों की देखभाल के लिए यूनिवर्सल चाइल्ड केयर का इंतजाम करेंगे और इनका खर्च अरबपतियों पर टैक्स लगाकर निकालेंगे।ममदानी ने कहा था, 'वही अरबपति लोग जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस में पहुंचाया और अब जो एंड्रयू कुओमो के चुनाव अभियान को फंड कर रहे हैं।' न्यूयार्क में 70% परिवार अपने घर किराए पर देते हैं। ममदानी का कहना है कि न्यूयॉर्क के लोग मानते हैं कि किराने के सामान की कीमत उनकी कमाई से ज़्यादा तेजी से बढ़ रही है। ममदानी ने कहा है कि वे न्यूयार्क में किराना दुकानों का एक ऐसा नेटवर्क बनाएंगे जो मुनाफा कमाने पर नहीं, बल्कि कीमतें कम रखने पर फोकस करेगा। सरकारी किराने की दुकानें खोली जाएंगी ताकि ऊंची कीमतों से लोगों को राहत मिले। ममदानी न्यूनतम वेतन भी बढ़ाना चाहते हैं। ममदानी का कहना है, "दुनिया के सबसे अमीर शहर में, न्यूनतम वेतन पाने वाले व्यक्ति को गरीबी में नहीं जीना चाहिए।" ममदानी ने कहा था कि वह मेयर के तौर पर, ऐसे कानून का समर्थन करेंगे जिसमें 2030 तक न्यूयॉर्क शहर में न्यूनतम वेतन को 30 डॉलर प्रति घंटे तक बढ़ाने का प्रस्ताव होगा।अब सवाल यह है कि ममदानी की नीतियों को लेकर आखिर किस बात की चिंता है या इसमें समस्या क्या है? पहली बात यह है कि अगर सरकार कीमत या मजदूरी तय करती है तो वह समस्याओं को हल कर सकती है, ऐसा अर्थशास्त्री नहीं मानते। रिसर्च से इस बात का पता चलता है कि अगर किराए को फ्रीज कर दिया जाता है तो इससे कुछ मदद तो मिलती है लेकिन इस तरह के कदमों से घरों का बनना रुक जाता है और इससे बाद में किराएदारों के लिए मुश्किलें पैदा हो सकती हैं।दूसरी बात यह है कि जब दुकानें सरकार के अधीन होती हैं तो इसमें उनके कामकाज को लेकर चिंता होती है और साथ ही भ्रष्टाचार की भी बातें सामने आती हैं।तीसरी चिंता टैक्स को लेकर है। ज्यादा टैक्स लगाए जाने से कारोबारी शहर छोड़ कर जा सकते हैं और इससे शहर की आर्थिक रफ्तार पर असर पड़ सकता है। चुनाव अभियान के दौरान एक डिबेट में ममदानी के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार ने कहा था कि अगर ममदानी की टैक्स नीति को लागू किया जाता है तो न्यूयॉर्क की कंपनियां न्यू जर्सी से दोगुना, कनेक्टिकट से तीन गुना और फ्लोरिडा से पांच गुना अधिक टैक्स देंगी।

ममदानी के जीत के मायने

जोहरान ममदानी का न्यूयॉर्क के मेयर का चुनाव जीतना अमेरिका की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ है। प्रवासी मुद्दे पर गरमागरमी के बीच, भारतीय मूल के एक मुस्लिम नेता का अमेरिका की वित्तीय राजधानी का नेतृत्व संभालना समाज में बढ़ती विविधता को दर्शाने के लिए काफी है। ममदानी ने जनता से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा। उन्होंने फ्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट और किराये पर लगाम जैसे वादे किए। जिसका नतीजा आज दुनिया के सामने है। ऐसे समय में जब प्रवासी अमेरिका में ज्वलंत मुद्दा बने हुए हैं, तब पहली बार एक मुस्लिम नेता का अमेरिका की वित्तीय राजधानी की कमान संभालना अमेरिकी समाज में बढ़ती विविधता और स्वीकार्यता का संकेत है। उनकी जीत बताती है कि अमेरिकी नई सोच के साथ चलने के लिए तैयार है। जोहरान ममदानी ने लगभग एक साल पहले जब अपने कैंपेन की शुरुआत की थी, तब किसी ने नहीं सोचा था कि वह इतिहास रचने के लिए तैयार खड़े हैं। जून में जब वह डेमोक्रेटिक प्राइमरी में जीते और पार्टी की तरफ से उम्मीदवार चुने गए, तब सबका ध्यान उनकी ओर गया। 34 साल के जिस युवा को उसके कम अनुभव की वजह से पहले चुनावी लड़ाई में कमजोर माना जा रहा था, बाद में वही सबसे अहम दावेदार साबित हुआ। ममदानी की खासियत जनता से उनका सीधा जुड़ाव रहा। उन्होंने विज्ञापनों पर खर्च करने के बजाय सीधे लोगों से संवाद किया। आम शहरियों की समस्याओं को समझा और वादा किया कि वह न्यूयॉर्क को रहने के लिए ज्यादा बेहतर जगह बनाने में दिन रात मेहनत करेंगे। उनके चुनावी घोषणाओं को देखें तो लगता है कि वह किसी विकासशील देश की बात कर रहे हैं, जैसे फ्री पब्लिक ट्रांसपोर्ट, मकान किराये पर लगाम और न्यूनतम वेतन। परिणाम आने के बाद जाहिर हो गया कि वह लोगों की नब्ज पकड़ने में माहिर हैं। उन्होंने उन समस्याओं को छुआ, जिन्हें दूसरे ज्यादा अनुभवी नेता हमेशा नजरअंदाज करते रहे हैं। ममदानी ने सिर्फ वादे ही नहीं किए, लोगों को यह भी बताया कि वह इन्हें पूरा कैसे करने वाले हैं। उन्होंने कॉरपोरेट टैक्स बढ़ाकर और न्यूयॉर्क के अमीरों पर 2% अतिरिक्त कर लगाकर योजनाओं के लिए पैसा जुटाने की बात कही। उनके इन्हीं वादों से मध्यम वर्ग उनसे जुड़ता चला गया। एक लाख लोगों का वॉलंटियर बनना और 20 लाख से अधिक वोटिंग से पता चलता है कि इस बार जनता बदलाव का मूड बना चुकी थी। ममदानी ने अपनी शानदार सफलता के बाद जवाहरलाल नेहरू को कोट किया। उन्होंने इस परिणाम को बदलाव के लिए एक संकेत बताया। साथ ही यह भी बता दिया कि न्यूयॉर्क ने ट्रंप को हराने का रास्ता दिखा दिया है। इस जीत ने पस्त हो चुकी डेमोक्रेट्स में नई जान भरी होगी, लेकिन इसके साथ ही अब नई चुनौती शुरू होगी है। चुनावी प्रचार के दौरान ट्रंप और ममदानी में जैसी तल्खी दिखी, वैसा कभी नहीं हुआ था। ट्रंप ने धमकी तक दी थी कि अगर ममदानी जीते तो वह न्यूयॉर्क के फेडरल फंड्स में कटौती कर देंगे। उनकी धमकी से बेखबर ममदानी अब अपने वादों पर पूरा करने के लिए क्या रास्ता अख्तियार करते हैं, यह देखना जरूरी होगा।

एक अदालती फैसला, जिसने दिखाया है समाज की सोच को आईना

अमरपाल सिंह वर्मा

राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल में एक उल्लेखनीय फैसला सुनाया है। यह फैसला न केवल एक सडक़ दुर्घटना से जुड़े मुआवजे का मामला है बल्कि यह उस अदृश्य आर्थिक और सामाजिक श्रम की पहचान भी है जिसे करोड़ों महिलाएं घर के भीतर हर दिन करती हैं। जस्टिस डॉ. नूपुर भाटी की एकलपीठ ने गृहिणी कमला कंवर की मौत के मामले में मुआवजा राशि में 3.15 लाख रुपए की बढ़ोतरी करते हुए यह स्पष्ट संदेश दिया कि 'गृहिणी की काल्पनिक आय' यानी उसके घरेलू कार्यों का आर्थिक मूल्य कभी कम करके नहीं आंका जा सकता।

हाई कोर्ट का यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अदालत ने माना है कि घर संभालना, भोजन बनाना, बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की सेवा या घर की व्यवस्था बनाए रखना जैसे सभी ऐसे काम हैं जिन पर परिवार की नींव टिकी होती है लेकिन समाज इन्हें 'काम' मानने से इनकार करता है। अदालत में बीमा कंपनी के वकील ने यह तर्क दिया कि मृतका कोई आय अर्जित नहीं कर रही थी और उसे 3000 रुपए मासिक मानना भी अधिक है। यह तर्क उस मानसिकता का परिचायक है जिसमें महिलाओं को घर के भीतर 'काम करने वाली' नहीं बल्कि 'घर बैठने वाली' माना जाता है मानो, महिलाएं घर में दिन भर निठल्ली बैठी रहती हों।

जोधपुर जिले में वर्ष 2011 में सडक़ हादसे में बोलेरो गाड़ी की टक्कर से कमला कंवर की मौत हो गई थी। उसके पति ने मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण में दावा याचिका दायर की थी लेकिन केस के लंबित रहने के दौरान उनका निधन हो गया। तब कमला कंवर के ससुर आनंद सिंह को आश्रित के रूप में पक्षकार बनाया गया। अभिकरण ने 24 मई 2017 को निर्णय में बोलेरो के ड्राइवर को लापरवाही से गाड़ी चलाने का दोषी पाया और दावेदार को कुल 4 लाख 33 हजार रुपए का मुआवजा दिया। इसमें निर्भरता की हानि के लिए 4 लाख 8 हजार रुपए और अंतिम संस्कार खर्च के लिए 25 हजार रुपए शामिल थे। अभिकरण ने मृतक महिला की आय मात्र 3 हजार रुपए मासिक आंकी थी और व्यक्तिगत खर्च के लिए एक तिहाई कटौती की थी। इसके निर्णय के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गई। हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के फैसले को त्रुटिपूर्ण ठहराते हुए 2011 की न्यूनतम मजदूरी 4,650 को आधार माना और 40 प्रतिशत भविष्य की संभावनाएं जोड़ते हुए मुआवजे की राशि बढ़ाई।

हाई कोर्ट यह निर्णय यह केवल एक वित्तीय संशोधन नहीं बल्कि न्यायालय का सामाजिक दृष्टिकोण है, जिससे प्रकट होता है कि गृहिणी का श्रम अदृश्य जरूर है लेकिन अमूल्य है।

अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि पत्नी द्वारा घर में किए गए योगदान को धन में नहीं तौला जा सकता। यह फैसला दरअसल न्याय व्यवस्था की संवेदनशीलता का उदाहरण है जिसने यह स्थापित किया है कि महिलाओं के निस्वार्थ घरेलू कार्यों को भी 'आर्थिक योगदान' की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। अदालत ने यह भी इंगित किया है कि मृतका की उम्र 40 वर्ष से कम थी, इसलिए भविष्य की संभावनाओं को जोडऩा आवश्यक था, यानी अगर वह जीवित रहती तो परिवार के आर्थिक और सामाजिक ढांचे में उसकी भूमिका लगातार बढ़ती।

हमारे समाज में घरेलू काम को अक्सर 'प्यार' या 'कर्तव्य' की श्रेणी में रख दिया जाता है लेकिन आंकड़े बताते हैं कि यह न केवल भारी परिश्रम है बल्कि यह महिलाओं की आर्थिक स्वायत्तता को भी सीमित करता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मुताबिक दुनिया भर में पुरुष प्रतिदिन औसतन 83 मिनट बिना वेतन वाले देखभाल कार्यों में लगाते हैं जबकि महिलाएं लगभग 265 मिनट यानी इससे तीन गुना अधिक समय खर्च करती हैं। भारत में यह असमानता और भी गहरी है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन की 2011 की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक औसत भारतीय महिला प्रतिदिन लगभग छह घंटे ऐसे कामों में देती है जिनका कोई पारिश्रमिक नहीं होता। अगर यही काम किसी को रोजगार देकर करवाए जाएं तो उसकी निश्चित कीमत होगी लेकिन जब वही काम महिलाएं घर में करती हैं तो उसे 'स्वाभाविक जिम्मेदारी' कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अर्थशास्त्रियों की मान्यता है कि गृहिणियों का श्रम भले ही नकदी में नहीं मापा जाता लेकिन वह देश की वास्तविक आर्थिक गतिविधियों का अभिन्न हिस्सा है। गृहणियों द्वारा किया गया श्रम उत्पादन, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता के लिए बुनियादी है। फिर भी राष्ट्रीय आय की गणना में इस श्रम को शामिल नहीं किया जाता। कई देशों में इस पर बहस होती रही है कि क्या घरेलू काम को 'अर्थव्यवस्था' का हिस्सा माना जाए। कुछ जगहों पर नीति स्तर पर यह स्वीकार किया गया है कि बिना वेतन के किए गए घरेलू कार्यों का आकलन आवश्यक है ताकि महिलाओं की भूमिका केवल पारिवारिक न होकर आर्थिक इकाई के रूप में भी पहचानी जा सके। भारत में भी समय-समय पर यह चर्चा उठती है पर यह कभी नीति का रूप नहीं ले पाई है।

हाईकोर्ट के इस फैसले ने कानून से आगे जाकर समाज को एक आईना दिखाया है। यह फैसला दिखाता है कि महिलाएं केवल घर संभालने वाली नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की अदृश्य कार्यकर्ता हैं। लेकिन दुर्भाग्य है कि हमारी सामाजिक व्यवस्था में पुरुषों और महिलाओं के श्रम के बीच यह असमानता अब भी गहराई तक जमी है। घरेलू कार्य को 'काम' न मानना सीधा भेदभाव है। ऐसा करना महिलाओं की पहचान और अधिकारों को कमतर आंकना है। हाईकोर्ट का यह निर्णय केवल कमला कंवर के परिजनों को न्याय देने तक सीमित नहीं है बल्कि यह उन करोड़ों भारतीय गृहिणियों की अनकही मेहनत का सम्मान भी है जिन्हें कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया है। हाई कोर्ट ने इस मामले में कहा है कि गृहिणी का श्रम अमूल्य है। इसे अनदेखा करना न केवल अन्याय है बल्कि समाज के नैतिक ढांचे के विरुद्ध भी है। कोर्ट ने अपना फैसला दे दिया है। अब आगे कदम उठाने की जिम्मेदारी समाज और सरकार है। जरूरत इस संवेदनशील दृष्टिकोण को नीतियों और व्यवहार में बदलने की है जिससे हर गृहिणी को यह एहसास हो कि उसका काम, उसका समय और उसका श्रम भी मूल्यवान है।

अगर आज बुजुर्ग बोझ हैं तो कल हम भी अकेले होंगे

आरके जैन

क्या आपने कभी उन हाथों को गौर से देखा, जो कभी लोरियों की मधुर धुन में आपको थपकियां देते थे, जो आपके डगमगाते कदमों को थामकर चलना सिखाते थे? क्या आपने उन आँखों में झाँका, जो आपके लिए अनगिनत सपनों से सजी थीं, जिन्होंने आपके हर दर्द को चुपके से अपने भीतर समेट लिया? और फिर, क्या आपने कभी सोचा कि वे हाथ, वे आँखें, वे दिल, जो कभी आपके जीवन की नींव थे, आज क्यों कोई उन्हें 'बोझ' कहकर पुकारता है? यह सवाल महज एक प्रश्न नहीं, बल्कि समाज के नैतिक दर्पण में झाँकने की एक कठोर चुनौती है। यह उनसे है, जो बुजुर्गों के सुनहरे योगदान को भूलकर उन्हें हाशिए पर धकेल देते हैं। यह उनसे है, जो यह भूल जाते हैं कि उनकी आज की उड़ान उन पंखों की देन है, जो कभी उनके लिए थककर चूर हो गए थे।

बुजुर्गों को 'बोझ' कहना महज एक शब्द नहीं, बल्कि एक जहरीली मानसिकता है, जो हमारे समाज की संवेदनाओं को ललकारती है। यह सोच उस नींव को खोखला करती है, जिस पर हमारा परिवार, समाज और संस्कृति टिकी है। बुजुर्ग हमारे समाज के वे विशाल वटवृक्ष हैं, जिनकी छाँव में हमारी जड़ें पनपीं, जिनके अनुभवों की शाखाओं ने हमें जीवन की कठिनाइयों से बचाया। उनकी कहानियाँ, उनकी सीखें, उनका अनमोल अनुभव—ये वो धरोहर हैं, जो किसी किताब में नहीं मिलती। फिर क्यों, आज के दौर में, कुछ लोग इन अनमोल रत्नों को बोझ समझने की भूल करते हैं?

आज का समाज तेजी से भाग रहा है। करियर की अंधी दौड़, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं का जाल और स्वार्थ भरी जिंदगी ने हमें इतना आत्मकेंद्रित बना दिया है कि हम अपने बुजुर्गों की कीमत भूलते जा रहे हैं। उनकी धीमी चाल को हम कमजोरी समझते हैं, उनकी बार-बार दोहराई बातों को बोरियत मानते हैं। लेकिन क्या हमने कभी ठहरकर सोचा कि वह धीमी चाल उसी रास्ते की देन है, जिसे उन्होंने हमारे लिए बनाया? उनकी दोहराई जाने वाली कहानियाँ अनुभवों का वह खजाना हैं, जो हमें जीवन की उलझनों से उबार सकती हैं। फिर क्यों हम उनकी आवाज को अनसुना करते हैं? क्यों उनकी मौजूदगी को बोझ मान लेते हैं? यह सवाल हमसे नहीं, हमारे अंतरमन से है—क्या हम वाकई उस समाज के हकदार हैं, जो अपनी जड़ों को ही काट दे?

बुजुर्गों को 'बोझ' कहना केवल एक सोच नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक विडंबना है, जो हमारी संस्कृति की जड़ों को हिलाती है। आज, जब संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवारों में सिमट रहे हैं, बुजुर्ग धीरे-धीरे घर के कोनों में खामोश अकेलेपन में धकेल दिए जा रहे हैं। बच्चे विदेशों की चकाचौंध में खो रहे हैं, नौकरियाँ शहरों की ओर खींच रही हैं, और इस आपाधापी में बुजुर्ग चार दीवारों के बीच अपनी अनसुनी इच्छाओं और भूले-बिसरे सपनों के साथ छूट जाते हैं। क्या यह वाजिब है कि जिन्होंने हमें जीवन की पहली साँस दी, हमारे कदमों को थामा, उन्हें उनके जीवन के अंतिम पड़ाव पर हम अकेला छोड़ दें? क्या यही वह संस्कृति है, जो बड़ों के सम्मान को अपनी शान मानती थी?

यह सच है कि बुजुर्गों की देखभाल समय, धैर्य और संसाधनों की माँग करती है। उनकी बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक और मानसिक ज़रूरतें जटिल हो सकती हैं। लेकिन क्या यह ज़िम्मेदारी हमें बोझ लगनी चाहिए? क्या हम भूल गए कि यही वे लोग हैं, जिन्होंने कभी हमारी खातिर अपनी नींद, अपनी खुशियाँ, अपनी महत्वाकांक्षाएँ त्याग दी थीं? एक माँ, जो रात-रात भर जागकर हमें सुलाती थी, एक पिता, जो अपनी मेहनत की कमाई हमारे सपनों में लगाता था—क्या आज उनकी छोटी-सी ज़रूरतें हमें भारी पड़ने लगी हैं? यह सवाल हर उस दिल से है, जो बुजुर्गों की देखभाल को बोझ समझ बैठता है। बुजुर्गों का सम्मान और उनकी देखभाल महज कर्तव्य नहीं, बल्कि एक अनमोल अवसर है—उनके अनुभवों से सीखने, उनकी कहानियों में जीवन की गहराई तलाशने और उनके साथ बिताए पलों से अपने जीवन को समृद्ध करने का। उनकी एक मुस्कान, उनका आशीर्वाद, उनकी मौजूदगी उस सारी भौतिक सुख-सुविधाओं से कहीं बढ़कर है, जिनके पीछे हम अंधे होकर भागते हैं। बुजुर्ग घर में वह जीवंत धरोहर हैं, जो नई पीढ़ी को संस्कार, धैर्य और करुणा का पाठ पढ़ाते हैं। उनके अनुभव हमें उन गलतियों से बचाते हैं, जो हम अनजाने में कर बैठते।

फिर क्यों हम इस अमूल्य विरासत को बोझ कहकर ठुकराते हैं?समाज में बदलाव की बुनियाद रखनी होगी। हमें यह समझना होगा कि बुजुर्गों की देखभाल कोई एकतरफा बोझ नहीं, बल्कि एक अनमोल रिश्ता है, जिसमें हम जितना देते हैं, उससे कहीं अधिक पाते हैं। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि बुजुर्गों का सम्मान, उनकी बातों को सुनना, उनकी जरूरतों को संभालना महज कर्तव्य नहीं, बल्कि एक अमूल्य सौभाग्य है। हमें एक ऐसा समाज रचना होगा, जहाँ बुजुर्ग न केवल सम्मान पाएँ, बल्कि उनकी प्रतिभा और अनुभवों को गले लगाया जाए। वृद्धाश्रमों की बजाय सामुदायिक केंद्र हों, जहाँ वे अपनी कहानियाँ, अपनी सीख साझा कर सकें। हमें ऐसी नीतियाँ गढ़नी होंगी, जो उनकी स्वास्थ्य सेवाओं, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक भागीदारी को सुनिश्चित करें, ताकि वे बोझ नहीं, बल्कि समाज की धड़कन बनें।

साहित्य सत्य की साधना और संस्कृति का पर्याय

संजीव ठाकुर

भारतीय अर्वाचीन संस्कृति का दार्शनिक चिंतन सदैव इस बात पर केंद्रित रहा है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, बल्कि चेतना का संवाहक है। यह चेतना जब अभिव्यक्ति के किसी व्यक्त रूप में प्रवाहित होती है, तो वही अभिव्यक्ति का परिवर्जित रूप साहित्य कहलाती है। साहित्य कोई स्थिर संस्था नहीं, बल्कि वह एक जीवंत अनुभूति जो समय, समाज और संवेदना के साथ निरंतर विकसित होती रहती है। यह सत्य की साधना है, शिवत्व की कामना है और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी। जब मनुष्य अपनी आत्मा के स्पंदन को शब्दों में ढालता है, तब वह न केवल अपने युग का साक्ष्य लिखता है, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के हृदय को आलोकित करता है।शुद्ध, जीवंत और उत्कृष्ट साहित्य समाज की संवेदना का आधारस्तंभ होता है।

यह मानव के भीतर छिपी उस सहज वृत्ति को जाग्रत करता है जो करुणा, प्रेम, समरसता और नैतिकता से पोषित होती है। साहित्य की यही शाश्वतता उसे कालजयी बनाती है। इसीलिए कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद या शेक्सपियर जैसे रचनाकार आज भी हमारे समय में उतने ही जीवंत प्रतीत होते हैं, जितने अपने समय में थे। उनकी कृतियाँ केवल शब्दों का सौंदर्य नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का दस्तावेज हैं। वे हमें याद दिलाती हैं कि मनुष्य की पीड़ा, आशा, संघर्ष और संवेदना युगों के अंतराल में भी नहीं बदलती केवल उसका रूप बदलता है। राजनीतिक और भौगोलिक विभाजनों के बावजूद साहित्य मनुष्य को एक ही धरातल पर लाता है। क्योंकि शब्द का संसार सीमाओं से परे है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि भाषाएँ भिन्न हो सकती हैं, पर भाव एक ही रहते हैं। किसी भी देश की भाषा और साहित्य उस देश की सभ्यता, संस्कृति और मानसिक प्रगति का सूचक होते हैं। साहित्य के अध्ययन से उस समाज की आत्मा को समझा जा सकता है। उसके उल्लास, उसके संघर्ष, उसके स्वप्न और उसकी पीड़ाओं को भी।

मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य को "जीवन की आलोचना" कहा था। यह परिभाषा आज के संदर्भ में और भी प्रासंगिक लगती है। क्योंकि साहित्य केवल सौंदर्य का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के नैतिक संकटों का दर्पण भी है। यह विसंगतियों को उजागर करता है, अन्याय पर गंभीर प्रश्न उठाता है, और व्यक्ति के अंतस में छिपे विवेक को जगाता है। एक सशक्त लेखक अपने समय की संवेदना का प्रहरी होता है। वह शब्दों के माध्यम से उस मौन को आवाज देता है जो अक्सर व्यवस्था, भय या मोह में दब जाता है।

प्राचीन मनीषियों से लेकर आधुनिक लेखकों तक, हर युग का साहित्य मानवता का संपूर्ण चरित्र चित्रण करता है। संस्कृति और साहित्य का संबंध उतना ही गहरा है जितना नदी और जल का। दोनों एक-दूसरे के बिना अपूर्ण हैं। संस्कृति जहाँ मूल्य, परंपरा और आस्था का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं साहित्य उन मूल्यों को शब्दों में ढालकर पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रवाहित करता है। यही कारण है कि जब समाज किसी मूल्य संकट से गुजरता है, तो सृजनशील साहित्य ही उसे नई दिशा देता है।वर्तमान युग में जब भौतिकता ने मनुष्य की संवेदना को लगभग ढँक लिया है, जब सूचना का विस्फोट तो है पर अनुभूति का अभाव है, तब साहित्य की भूमिका पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गई है।

आज का साहित्य केवल विचार का नहीं, बल्कि विवेक का भी माध्यम है। वह तकनीक और संस्कृति के टकराव के बीच मानवीय करुणा की रक्षा करता है। जो साहित्य इस युग में मनुष्य को 'मानव' बने रहने की चेतना देता है, वही वास्तव में श्रेष्ठ है।हिंदी साहित्य की परंपरा विशेष रूप से समन्वय की रही है। कबीर की निर्भीक वाणी, रविंद्रनाथ टैगोर का आध्यात्मिक सौंदर्य, प्रेमचंद का यथार्थवादी दृष्टिकोण, जयशंकर प्रसाद की भावुकता, फणीश्वरनाथ रेणु की ग्राम्य चेतना ये सभी मिलकर हिंदी साहित्य को जनमानस की आत्मा बनाते हैं।

पढ़ने के लाभ: आपको अधिक क्यों पढ़ना चाहिए

विजय गर्ग

स्क्रीन और कम ध्यान की अवधि के युग में, पढ़ना सबसे शक्तिशाली और पुरस्कृत आदतों में से एक है जिसे कोई व्यक्ति विकसित कर सकता है। पुस्तकें, पत्रिकाएं या यहां तक कि अच्छी तरह से लिखित ऑनलाइन लेख - प्रत्येक में हमारे मन को खोलने, हमारी सोच को तेज करने और हमारा दृष्टिकोण बढ़ाने की क्षमता होती है। पढ़ना सिर्फ एक शौक नहीं है; यह मन के लिए पोषण और जीवन भर की वृद्धि का मार्ग है।

1। ज्ञान और शब्दावली का विस्तार करता है हर बार जब आप पढ़ते हैं, तो आप नए शब्दों, विचारों और सोचने के तरीकों से परिचित होते हैं। चाहे वह उपन्यास हो, जीवनी हो या विज्ञान पत्रिका, पढ़ना आपको विभिन्न संस्कृतियों, ऐतिहासिक घटनाओं और दृष्टिकोणों से परिचित कराता है। समय के साथ, यह आपकी शब्दावली का विस्तार करता है और आपको स्पष्ट रूप से और आत्मविश्वास से व्यक्त करने की क्षमता में सुधार करता है।

ध्यान और एकाग्रता में सुधार करता है सोशल मीडिया या टेलीविजन के विपरीत, पढ़ने में ध्यान की आवश्यकता होती है। जब आप किसी कहानी या बहस में डूब जाते हैं, तो आपका मन एक-एक बात पर ध्यान केंद्रित करना सीखता है। यह आदत आपकी ध्यान केंद्रित करने की क्षमताओं को मजबूत करती है, जिससे आपको जीवन के अन्य क्षेत्रों - चाहे वह स्कूल में हो, काम पर हो या बातचीत के दौरान। मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और तनाव कम करता है पढ़ना बचने और आराम का एक रूप हो सकता है।

दिन में केवल 15-20 मिनट पढ़ने से तनाव की मात्रा काफी कम हो सकती है। एक अच्छी पुस्तक आपको दैनिक चिंताओं को पीछे छोड़ने और दूसरी दुनिया में प्रवेश करने की अनुमति देती है, जिससे शांति और मानसिक स्पष्टता मिलती है। अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि पढ़ना उम्र बढ़ने के साथ संज्ञानात्मक गिरावट को धीमा कर देता है, जिससे मस्तिष्क सक्रिय और स्वस्थ रहता है।

सहानुभूति और भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार करता है जब आप कल्पना पढ़ते हैं, तो आप उन पात्रों की स्थिति में आते हैं जो आपके विपरीत सोच सकते हैं, महसूस कर सकते हैं या रहते हैं। यह आपकी मानवीय भावनाओं और अनुभवों की समझ को गहरा करता है, जिससे आप वास्तविक जीवन में अधिक सहानुभूतिपूर्ण और करुणाशील बन जाते हैं। स्मृति और विश्लेषणात्मक सोच को मजबूत करता है जटिल कथानक का अनुसरण करना, पात्रों को याद रखना और घटनाओं के बीच संबंध बनाना सभी में सक्रिय मानसिक प्रयास की आवश्यकता होती है। इससे स्मृति को बनाए रखना और विश्लेषणात्मक सोच कौशल बढ़ जाता है, जिससे पाठक बेहतर समस्या निवारक और निर्णय लेने वाले बन जाते हैं।

जीवन भर सीखने को प्रोत्साहित करता है पढ़ना अधिक जानने की स्वाभाविक जिज्ञासा पैदा करता है। यह आपको प्रश्न पूछना, उत्तर ढूंढना और कभी सीखना बंद नहीं करना सिखाता है। चाहे वह व्यक्तिगत विकास हो या व्यावसायिक सफलता, पढ़ना आपको तेजी से बदलती हुई दुनिया में सूचित और अनुकूल रहने में मदद करता है।

निष्कर्ष पढ़ना एक गतिविधि से अधिक है - यह अपने आप में निवेश है। यह आपके विचारों को आकार देता है, आपका चरित्र बनाता है और दुनिया की आपकी समझ में सुधार करता है। इसलिए, आज एक पुस्तक उठाएं और इसे आपको ज्ञान, कल्पना और खोज की यात्रा पर ले जाएं। जितना अधिक आप पढ़ते हैं, उतना ही आप बढ़ते हैं।

दो शापित नदियां, एक जो प्रभु श्री राम के इंतजार में रही...

दूसरी जो सूखी होकर भी है मोक्षदायिनी

सनातन धर्म में ऐसे कई पवित्र स्थान बताए गए हैं, जो अपने चमत्कार की वजह से काफी प्रसिद्ध हैं। हिंदू धर्म में गंगा-यमुना की तरह सरयू और फल्गु नदी को भी बेहद पवित्र माना जाता है। सरयू नदी अयोध्या से होकर बहती है और फल्गु नदी बिहार के गया से होकर बहती है। पितृपक्ष में इन दोनों नदियों का महत्व बढ़ जाता है। लेकिन, क्या आपको पता है कि ये दोनों ही नदियां शापित हैं? जी हां, आपने सही पढ़ा। सरयू और फल्गु नदी के शापित होने की कहानी हिन्दू धर्म के महाकाव्य रामायण से जुड़ी हुई है। आइए जानते हैं सरयू और फल्गु नदी को किन वजहों से शाप मिला था।

सरयू नदी उत्तराखंड के बागेश्वर जिले से निकलती है और घाघरा नदी में मिलती है। अयोध्या इसी नदी के किनारे स्थित है। सरयु नदी जो श्री राम के होने का सबूत मानी जाती है, वह शापित है और आज भी अपने श्री राम के चरण पखार रही है। यह नदी प्रभु राम के जन्म, वनवास, विजय प्राप्ति और अंततः जल-समाधि की साक्षी रही है। लेकिन जब प्रभु श्री राम ने जल समाधि ली, तब भगवान शिव क्रोधित हुए और इसे श्राप दे दिया कि इसका जल किसी भी धार्मिक कार्य में उपयोग नहीं किया जाएगा। लेकिन सरयु नदी भगवान शिव की चरणों में गिरकर विनती करने लगी कि यह विधि का विधान था, इसमें उसकी कोई गलती नहीं है। इस पर भगवान शिव ने श्राप को कम करते हुए इस नदी में केवल स्नान की अनुमति दी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इससे कोई पुण्य नहीं मिलेगा। ऐसे में आज भी किसी धार्मिक कार्य में इसके जल का उपयोग नहीं किया जाता और ना ही इसकी आरती की जाती है।

वहीं एक दूसरी शापित नदी, जो पवित्र तो है लेकिन माता सीता के क्रोध ने उसे भी प्रायश्चित के लिए मजबूर कर दिया। वह है बिहार के गया से होकर गुजरने वाली फल्गु नदी। यह वह नदी है जो मोहन और लीलाजन नदियों के संगम से बनती है। फल्गु के तट पर बसा गयाजी, पितरों के श्राद्ध और तर्पण के लिए बेहद महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। मान्यता है कि यहां श्राद्ध करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और जातकों को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। रामायण में भी गयाजी और फल्गु नदी का जिक्र मिलता है।

इसके बारे में वर्णित है कि प्रभु श्री राम की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी माता सीता ने इसी नदी के किनारे दशरथ का पिंड दान किया था। उन्होंने अक्षय वट, फल्गु नदी, एक गाय, एक तुलसी का पौधा और एक ब्राह्मण को इसका गवाह बनाया था। लेकिन, जब श्री राम लौटे तो अक्षय वट को छोड़कर सभी गवाहों ने झूठ बोला। इस पर माता सीता को गुस्सा आ गया और उन्होंने सभी को श्राप दे दिया। उन्होंने फल्गु नदी को श्राप दिया कि इसमें कभी जल नहीं रहेगा, जिसके बाद से आज भी फल्गु नदी सूखी पड़ी है। यहां लोग रेत हटाकर पिंड दान करते हैं। गाय को उन्होंने श्राप दिया कि उसकी पूजा आगे से नहीं की जाएगी। गया में तुलसी का पौधा नहीं होगा और यहां के ब्राह्मण कभी तृप्त नहीं होंगे। वहीं, अक्षय वट को माता सीता ने आशीर्वाद दिया कि लोग अक्षय वट में भी पिंडदान करेंगे।

श्रीकृष्ण का स्वरूप है हिन्दी पंचांग का नौवां महीना

मार्गशीर्ष में कौन-कौन से शुभ काम करें

हिन्दी पंचांग का नौवां महीना मार्गशीर्ष यानी अगहन आज (6 नवंबर) से शुरू हो गया है। ये महीना 4 दिसंबर तक रहेगा। श्रीकृष्ण के भक्तों के लिए इस महीने का खास महत्व है, क्योंकि इसे श्रीकृष्ण का स्वरूप माना जाता है। स्वयं श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता में अर्जुन से कहा है कि मासानां मार्गशीर्षोऽहम् यानी सभी महीनों में मैं मार्गशीर्ष हूं। इस कारण इस महीने में श्रीकृष्ण और उनके अवतारों की विशेष पूजा की जाती है।

मार्गशीर्ष नाम क्यों पड़ा?

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, हिन्दी पंचांग में प्रत्येक महीने का नाम उस नक्षत्र पर आधारित होता है जो महीने की पूर्णिमा तिथि पर पड़ता है। हिन्दी पंचांग का नौवें महीने की पूर्णिमा पर मृगशिरा नक्षत्र रहता है। मृगशिरा को संस्कृत में मार्गशीर्ष कहते हैं, इस कारण ये महीना मार्गशीर्ष नाम से जाना जाता है। इस महीने का एक नाम अगहन भी है। हर साल ये महीना अंग्रेजी कैलेंडर के नवंबर से दिसंबर महीनों के बीच आता है।

मार्गशीर्ष मास में कौन-कौन से शुभ काम करें

मार्गशीर्ष मास किए गए दान, जप, तप, स्नान और पूजा से अक्षय पुण्य मिलता है, ऐसा पुण्य जिसका शुभ असर जीवनभर बना रहता है।

इस महीने में यमुना नदी में स्नान करने का विशेष महत्व है, क्योंकि मान्यता है कि जब वृंदावन की गोपियां श्रीकृष्ण प्राप्त करने के लिए ध्यान और तप कर रही थीं। तब श्रीकृष्ण ने उन्हें बताया था कि मार्गशीर्ष माह में यमुना में स्नान करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। इसीलिए आज भी इस माह में यमुना स्नान करने की परंपरा है।

रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए और स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करनी चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें, लोटे में जल के साथ कुमकुम, चावल और फूल भी डाल लेना चाहिए। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र जप करते हुए सूर्य को जल चढ़ाएं।

इस महीने में तिल-गुड़, अन्न, वस्त्र और गौदान करने की परंपरा है। इसके अलावा जरूरतमंदों को भोजन कराने से पितृ देव तृप्त होते हैं। ऐसी मान्यता है।

मार्गशीर्ष माह में बालकृष्ण या बालगोपाल के रूप में श्रीकृष्ण की पूजा करने का विशेष महत्व है। ये पूजा व्यक्ति को आनंद, समृद्धि और मानसिक शांति प्रदान करती है।

ऐसे कर सकते हैं श्रीकृष्ण की पूजा...

रोज सुबह स्नान के बाद घर के मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के विग्रह का अभिषेक करें। अभिषेक दक्षिणावर्ती शंख से कर सकते हैं। इसके लिए केसर मिश्रित दूध और पंचामृत का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

भगवान को पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। तुलसी दल और माखन-मिश्री का भोग लगाएं।

धूप, दीप, फूल और प्रसाद अर्पित कर कुं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। अंत में श्रीकृष्ण की आरती करें। प्रसाद ग्रहण करें और दूसरों को भी बांटें।

इस माह में मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन और गोकुल की यात्रा का भी विशेष महत्व है। कहा गया है कि जो व्यक्ति इस महीने मथुरा में यमुना स्नान करता है, उसे जाने-अनजाने में किए पाप कर्मों के फल नष्ट हो जाते हैं। इस महीने में गीता पाठ, विष्णु सहस्रनाम और गोविंद स्तोत्र का पाठ कर सकते हैं।

1, 10, 19 और 28 तारीख में जन्मा है बच्चा, तो भूलकर भी न रखें इन अक्षरों से शुरू होने वाले नाम

अंक ज्योतिष में आपके जन्म की तारीख जितनी महत्वपूर्ण होती है, उतना ही नाम का पहला अक्षर भी महत्वपूर्ण होता है। अगर आपके जन्म की तारीख यानि मूलांक के अनुसार आपका नाम होता है, तो वह आपकी उन्नति में सहायक होता है। कई लोगों का मूलांक और नाम का पहला अक्षर आपस में मैच नहीं करते हैं, कहने का मतलब यह है कि अंक ज्योतिष के अनुसार दोनों में मेल नहीं होता है, या तो वे एक दूसरे के विपरीत होते हैं या शत्रु भाव वाले होते हैं। इस वजह से व्यक्ति के जीवन में संघर्ष ज्यादा होता है, हर काम को करने और सफलता पाने में समय लगता है। कुछ लोगों को ऐसा लगता है कि काम तो कर रहे हैं, लेकिन सफलता उनसे कोसों दूर है। यदि किसी भी व्यक्ति का जन्म किसी भी माह की 1, 10, 19 और 28 तारीख में हुआ है, तो उसे बहुत ही ध्यान से नाम रखना चाहिए। उसके नाम का पहला अक्षर 1, 10, 19 और 28 तारीख के मूलांक 1 से मिलना चाहिए। आइए जानते हैं मूलांक 1 वालों के नाम का पहला अक्षर कौन से होने चाहिए?

1, 10, 19 और 28 तारीख का मूलांक है 1, स्वामी ग्रह सूर्य

अंक ज्योतिष के अनुसार, 1, 10, 19 और 28 तारीख में जन्म लेने वाले सभी व्यक्तियों का मूलांक 1 ही होता है। जैसे 10 का मूलांक 1+0=1, 19 का मूलांक 1+9=10 यानि 1, 28 का मूलांक 2+8=10 यानि 1 है। अंक ज्योतिष के अनुसार मूलांक 1 का स्वामी ग्रह सूर्य है। सूर्य ग्रहों का राजा है। मूलांक 1 वालों के लिए मित्र मूलांक और उसके मित्र अक्षर से नाम होना चाहिए। यदि शत्रु अक्षर से नाम होगा, तो वह परेशानियां पैदा कर सकता है।

मूलांक 1 के शत्रु मूलांक

अब आपको जानना चाहिए कि मूलांक 1 के शत्रु मूलांक कौन-कौन से हैं? अंक ज्योतिष में हर मूलांक का अपना एक स्वामी ग्रह है। अपने गुणों के आधार पर वे एक दूसरे के मित्र या शत्रु होते हैं। मूलांक 1 के शत्रु मूलांक 4, 6 और 8 हैं। मूलांक 4 का स्वामी ग्रह राहु, मूलांक 6 का स्वामी ग्रह शुक्र और मूलांक 8 का स्वामी ग्रह शनि है। यदि इन मूलांक के अक्षरों से मूलांक 1 वालों का नाम शुरू होता है तो परेशानी हो सकती है।

मूलांक 1 वालों के लिए अशुभ अक्षर वाले नाम

यदि आपके बच्चे का मूलांक 1 है तो उसका नाम 4, 6

या 8 मूलांक से शुरू होने वाले अक्षर से नहीं होना चाहिए। मूलांक 1 वालों के नाम का पहला अक्षर D, M, T, U, V, W, F या P से नहीं रखना चाहिए। अंक ज्योतिष में D, M और T का नंबर 4 आता है, वहीं U, V और W का नंबर 6 है, इसके अलावा F और P का नंबर 8 है। इन अक्षरों से शुरू होने वाले नाम मूलांक 1 के विरोधी स्वभाव वाले होंगे।

मूलांक 1 वालों के लिए शुभ अक्षर वाले नाम

मूलांक 1 के मित्र मूलांकों में 2, 3, 5 और 9 माने जाते हैं। मूलांक 2 का स्वामी ग्रह चंद्रमा, 3 का स्वामी गुरु, 5 का स्वामी ग्रह बुध और 9 का स्वामी ग्रह मंगल है। इस आधार पर मूलांक 1 वालों के लिए शुभ अक्षर वाले नाम A, I, J, Q, B, K, R, C, G, L, S, E, H, N और X से शुरू होने चाहिए।

अशुभ अक्षर वाले नाम का उपाय

यदि आपका मूलांक 1 है और अशुभ अक्षर या शत्रु मूलांक वाले अक्षर से नाम की शुरूआत हो रही है तो आपको किसी अंक ज्योतिष के विशेषज्ञ से मिलना चाहिए। वे आपके नाम को आपके मूलांक और भाग्यांक के साथ मैच कर देंगे, जिससे उसका अशुभ प्रभाव दूर हो जाएगा और आपका नाम मूलांक के साथ मिलकर शुभ फल देने लगेगा।

नाम में पहले अक्षर के साथ पूरे नाम की भी वैल्यू देखी जाती है यानि कि आपके पूरे नाम में आने वाले अक्षरों का जोड़ आपके मूलांक से मैच करता है या नहीं। जब वह मैच नहीं करता है तो उसे बैलेंस करना होता है ताकि शुभ परिणाम दे। इसके लिए अंक ज्योतिष विशेषज्ञ की जरूरत होगी।

पूजा में अगरबत्ती जलाना शुभ होता है या अशुभ!

आजकल पूजा-पाठ करते समय अगरबत्ती का इस्तेमाल बहुत ही आम हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हिंदू धर्म में अगरबत्ती जलाना शुभ है या अशुभ? अगर अगरबत्ती जलाएं तो कितनी जलाएं।

शास्त्रों के अनुसार, अगरबत्ती के जलाने का उल्लेख नहीं किया गया है। हर जगह धूपबत्ती या कपूर की बात कही गई है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार बांस का उपयोग अर्थी बनाने में किया जाता है, लेकिन दाह संस्कार में बांस को नहीं जलाया जाता है।

इसलिए बांस से बनी अगरबत्तियों को पूजन में जलाना शुभ नहीं माना जाता है। शादी, जनेऊ, मुंडन आदि में बांस की पूजा की जाती है। शादियों में बांस से मंडप बनाया और सजाया जाता है। इसलिए पूजा विधियों में बांस से बनी अगरबत्तियों को जलाना निषेध माना जाता है।

पूजन के बाद सावधानियां

जब कोई चीज परम्परा बन जाती है, तो उस पर निषेध नही लगाया जा सकता है। इसलिए अगर आप भी पूजा में अगरबती जलाते हैं, तो उज्जैन के पंडित आनंद के अनुसार, हमेशा दो अगरबत्ती जलाना चाहिए।

इससे देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है और घर में शांति और सुख-समृद्धि का वास होता है। चार अगरबत्तियां जलाना शक्ति का प्रतीक माना जाता है। इसे विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और यज्ञों में उपयोग करना अत्यधिक लाभकारी होता है।

केवल वही अगरबत्ती जलाएं जो सुगंधित हों। अगरबत्ती जलाते समय उसपर फूंक ना मारें। अगरबत्ती जलाने के नियम के तहत इसे जलाने के बाद इसे चारों दिशा की ओर घूमाएं।

गणेश जी की फोटो या गलत रंग वाला कार्ड? छोटी-सी चूक करती है विघ्न पैदा

शादी सिर्फ दो लोगों का मिलन नहीं होती, बल्कि दो परिवारों का एक खूबसूरत बंधन होती है। इस दिन से एक नया जीवन शुरू होता है और इसी वजह से भारतीय संस्कृति में शादी को बहुत शुभ माना गया है। हर छोटी-बड़ी चीज़ का ध्यान इसीलिए रखा जाता है ताकि किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा पास न आए। लोग शुभ मुहूर्त निकलवाते हैं, पूजा करते हैं, ग्रह-नक्षत्र देखते हैंसब इसलिए ताकि शादी में खुशियां और बरकत बनी रहे। पर क्या आप जानते हैं कि शादी का कार्ड यानी वेडिंग कार्ड भी वास्तु के हिसाब से बहुत मायने रखता है? ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, अगर कार्ड बनवाते समय कुछ खास बातों का ध्यान न रखा जाए तो शादी के समय अड़चनें आ सकती हैं। क्योंकि कार्ड सिर्फ निमंत्रण नहीं होता, बल्कि यह शादी की पहली झलक होता है। वास्तु के अनुसार सही रंग, आकार और डिजाइन वाला कार्ड न सिर्फ शुभ फल देता है बल्कि घर में सकारात्मकता भी बढ़ाता है। तो आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से शादी का कार्ड बनवाते समय किन वास्तु नियमों को ध्यान में रखना चाहिए ताकि आपके जीवन का ये खास दिन हर तरह से मंगलमय हो।

कैसा होना चाहिए शादी का कार्ड?

वास्तु शास्त्र के मुताबिक शादी के कार्ड पर सबसे पहले भगवान श्री गणेश को अर्पित किया जाता है। माना जाता है कि हर शुभ काम की शुरुआत गणेश जी के आशीर्वाद से होनी चाहिए, लेकिन ध्यान रहे कार्ड पर भगवान गणेश की फोटो नहीं बनवानी चाहिए। वजह ये है कि शादी के बाद ज़्यादातर लोग कार्ड को फेंक देते हैं या पेड़ के नीचे रख देते हैं, जिससे फोटो का अपमान होता है, अगर आप गणेश जी का आशीर्वाद चाहते हैं तो बस उनके नाम या छोटे से प्रतीक चिन्ह का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कार्ड का आकार और डिजाइन

शादी के कार्ड का आकार बहुत मायने रखता है। त्रिकोण या पत्ते के आकार वाले कार्ड से बचना चाहिए, क्योंकि ये नकारात्मकता को बढ़ाते हैं। वास्तु शास्त्र में चौकोर आकार का कार्ड सबसे शुभ माना गया है। कहा जाता है कि चौकोर कार्ड के चार कोनों में सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य का वास होता है। यही कारण है कि पुराने समय में भी अधिकतर वेडिंग कार्ड चौकोर ही बनाए जाते थे।

इसके अलावा कार्ड पर दूल्हा-दुल्हन की फोटो लगाना भी गलत माना गया है। इससे नजर दोष का खतरा बढ़ जाता है और शादी से पहले ही जोड़े की किस्मत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए।

कार्ड का रंग और कागज़ की खुशबू

वास्तु के अनुसार, शादी के कार्ड का रंग भी बहुत मायने रखता है। काला या भूरा रंग नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होता है, इसलिए इन रंगों से दूर रहना चाहिए। सबसे शुभ रंग होते हैं पीला और लाल।

पीला रंग भगवान विष्णु का प्रतीक है, जो सौभाग्य और खुशियों को बढ़ाता है। वहीं लाल रंग ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, जो शादी के लिए शुभ माना गया है।

सुगंधित कागज़ का इस्तेमाल करना भी शुभ माना जाता है। वेडिंग कार्ड में हल्की-सी खुशबू डालने से सकारात्मकता बढ़ती है और यह कार्ड हाथ में आते ही एक अच्छा अहसास देता है।

कार्ड किसे और कैसे देना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, शादी का कार्ड सबसे पहले भगवान गणेश या किसी मंदिर में अर्पित करना चाहिए। उसके बाद ही बाकी लोगों को भेजना शुभ माना जाता है।

इससे शादी के काम बिना किसी रुकावट के पूरे होते हैं।

कार्ड देते समय हमेशा मुस्कुराकर और शुभकामना के साथ देना चाहिए, क्योंकि आपकी ऊर्जा भी कार्ड के साथ जाती है।

रजनीकांत और कमल हासन की फिल्म का ऐलान, 2 सुपरस्टार्स दिखेंगे एकसाथ

रजनीकांत और कमल हासन दशकों बाद फिर से साथ आ रहे हैं। बुधवार को अपने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए, कमल ने रजनीकांत के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं। साथ ही एक नोट भी पोस्ट किया जिसमें रिलीज की तारीख और प्रोजेक्ट के निर्देशक का नाम बताया गया है। जैसा कि ज्यादातर लोगों ने अनुमान लगाया था लेकिन इसे लोकेश कनगराज या नेल्सन दिलीप कुमार डायरेक्ट नहीं कर रहे हैं। फिल्म का नाम 'थलाइवर 173' है।

घोषणा करते हुए कमल हासन ने एक्स पर लिखा, 'हवा की तरह, बारिश की तरह, नदी की तरह। चलो नहाएं, आनंद लें, जिएं! सुपरस्टार रजनीकांत, सुंदर सी की निर्देशित और राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल की बनाई फिल्म में अभिनय करेंगे #Thalaivar173 #Pongal2027।' सुंदर सी इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें रजनीकांत लीड रोल में होंगे और कमल की राज कमल फिल्म्स

इंटरनेशनल इसे बनाएगी।

रजनीकांत और कमल हासन साथ

उन्होंने जो नोट शेयर किया, उसमें रजनीकांत के साथ उनकी दशकों पुरानी दोस्ती का जिक्र है। इसमें लिखा है, 'यह ऐतिहासिक सहयोग न केवल भारतीय सिनेमा की दो विशाल शक्तियों को एकजुट करता है, बल्कि सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन के बीच पांच दशकों की दोस्ती और भाईचारे का भी जश्न मनाता है - एक ऐसा बंधन जो कलाकारों और दर्शकों की पीढ़ियों को समान रूप से प्रेरित करता रहेगा।' यह रजनीकांत की 173वीं फिल्म होगी।

डायरेक्टर की पत्नी खुशी से झूमीं

सुंदर सी की पत्नी, खुशबू सुंदर, इस बात से बेहद एक्साइटेड थीं कि उनके पति कमल के साथ रजनीकांत की फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। प्रेस नोट और तीनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मेरे हीरो एक ही फ्रेम में!!! शब्दों से परे उत्साह!!' फैंस भी इस बात से खुश थे कि आखिरकार उन्होंने इसे ऑफिशियल कर दिया, और उनमें से एक ने कमेंट किया- रजनीकांत और कमल की जोड़ी 1970 से मजबूत चल रही है। क्या किसी भी फिल्म इंडस्ट्री में उनके जैसी कोई जोड़ी है?

डायरेक्टर का नाम सुनते ही चिढ़े लोग

डायरेक्टर के चुनाव से नाखुश एक फैन ने कहा- जैसी एकता की मुझे उम्मीद थी, वैसी एकता नहीं मिली। मुझे जो निर्देशक चाहिए था, वो नहीं मिला। एक ने लिखा- थलाइवा (बम और स्पार्कल इमोजी)। अरुणाचलम के बाद, यह देखकर अच्छा लगा कि यह जोड़ी इंडस्ट्री को एक और धमाकेदार ब्लॉकबस्टर देने वाली है। कुछ लोग बस इस बात से राहत महसूस कर रहे थे कि सुंदर के निर्देशन में यह कोई गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी। एक फैन ने लिखा- कितनी राहत की बात है कि यह कोई आम गैंगस्टर फिल्म नहीं होगी! रजनी, कमल और सुंदर सी को तीन चीयर्स! पोंगल 2027 का इंतजार है। लेकिन ज्यादातर लोगों को डायरेक्टर का नाम कुछ खास पसंद नहीं आया।

इमरान हाशमी और यामी गौतम की 'हक' को अदालत से मिली राहत, तय तारीख पर रिलीज होगी फिल्म

रिलीज से पहले कानूनी पचड़े में फंसी फिल्म 'हक' को बड़ी राहत मिली है। यह राहत मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने दी है। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख 07 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अदालत में एक याचिका दायर कर यामी गौतम और इमरान हाशमी की अदाकारी वाली फिल्म की रिलीज पर रोक की मांग की गई थी। कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया है।

जिस महिला के केस से प्रेरित होकर यह फिल्म बनाई गई थी। उनकी बेटी सिद्दीका बेगम ने अदालत में एक याचिका दायर कर फिल्म 'हक' की रिलीज पर रोक की मांग की थी। मध्य प्रदेश की हाई कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में सिद्दीका बेगम ने तर्क दिया था कि फिल्म निर्माता शाह बानो के परिवार या उत्तराधिकारियों की सहमति के बिना ऐसी फिल्म नहीं बना सकते।

जूनियर एनटीआर ने अपनी पोस्ट से 'एनटीआर नील' से जुड़ी अफवाहों का किया खंडन

साउथ स्टार जूनियर एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील की आगामी फिल्म को लेकर चल रही अफवाहों को खत्म करते हुए निर्माताओं और खुद एनटीआर ने एक नया अपडेट साझा किया है। इस अपडेट से साफ है कि फिल्म पूरी तरह से पटरी पर है और अगले शूटिंग शेड्यूल के लिए तैयार है।

जूनियर एनटीआर का पोस्ट

जूनियर एनटीआर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें 'गियरिंग अप' लिखा था। इस तस्वीर में वे प्रशांत नील और मशहूर हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम के साथ स्टाइलिंग सेशन में दिख रहे हैं। यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गया और फैंस में उत्साह की लहर दौड़ गई।

प्रशांत नील का पोस्ट

निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर के साथ लिखा, 'द बीस्ट मोड फिर से शुरू होने वाला है। अगला शेड्यूल जल्द शुरू होगा। मैन ऑफ मास । मेकअप रूम में खींची गई इस तस्वीर से पता चलता है कि फिल्म की शूटिंग जल्द दोबारा शुरू होगी। जूनियर एनटीआर, मैथ्री मूवी मेकर्स और प्रशांत नील के इस प्रोजेक्ट ने पहले ही खूब चर्चा बटोरी है। कहा जा रहा है कि इस फिल्म का नाम 'ड्रैगन' हो सकता है, जिसमें भावनात्मक कहानी के साथ शानदार एक्शन सीन होंगे।

फिल्म के बारे में

मैथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा बनाई जा रही इस फिल्म को कल्याण राम नंदमुरी, नवीन यर्नेनी, रविशंकर यलमनचिली और हरि कृष्ण कोसाराजू प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का अगला शेड्यूल जल्द शुरू होने वाला है। जूनियर एनटीआर हाल ही में अपनी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे, जिसमें ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी, आशुतोष राणा और अनिल कपूर भी हैं।

तीन घंटे की मेहनत और कई सारे अवतार ऐसे धन पिशाचनी बनीं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी बहुचर्चित फिल्म 'जटाधरा' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में सोनाक्षी एक 'धन पिशाचनी' के किरदार में नजर आएंगी, जो प्राचीन खजाने की रक्षा करती है। जानिए सोनाक्षी का धन पिशाचनी का यह लुक कैसे तैयार हुआ।

सोनाक्षी ने अपने यूट्यूब व्लॉग पर दिखाया कि वह कैसे बनीं धन पिशाचनी। सबसे पहले सोनाक्षी अपनी पूरी टीम से मिली, जिसमें ड्रेस डिजाइनर से लेकर हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट शामिल हैं। उनका यह किरदार हैवी मेकअप, घने लंबे बाल के साथ तैयार हुआ। मोहित राय हैं, जिन्होंने सोनाक्षी के पूरे लुक को डिजाइन और स्टाइल किया है। सोनाक्षी का मेकअप हेमा दत्तानी और हेयर माधुरी और कविता ने स्टाइल किए हैं।

सोनाक्षी ने फिल्म के बारे में बताई खास बातें

यह सोनाक्षी की पहली तेलुगु फिल्म है 'जटाधरा'। सोनाक्षी ने बताया कि वह इस रोल के लिए बेहद उत्साहित हैं। उनके लिए यह रोल करना काफी चैलेंजिंग रहा। जब सोनाक्षी को इस रोल के बारे में बतया गया, तब उन्होंने तुरंत तय कर लिया था कि वह यह किरदार जरूर करेंगी।

लुक के साथ कराया फोटोशूट

सोनाक्षी ने धन पिशाचनी के पहले लुक के लिए लाल साड़ी, हैवी ज्वेलरी, हैवी मेकअप और खुले बालों में फोटोशूट कराया। जिसे अपने कैमरे में कशिश खान ने बड़ी ही खूबसूरती के साथ कैद किया। इस लुक में सोनाक्षी बेहद खूबसूरत दिखीं। लेकिन धन पिशाचनी का दूसरा लुक काफी भयानक रहा। दूसरे लुक में सोनक्षी हरे रंग की साड़ी में हैवी मेकअप और ज्वेलरी के साथ हाथ में खोपड़ी का कंकाल और तलवार लिए नजर आईं। उनके दोनों ही लुक एक-दूसरे से अलग, लेकिन शानदार हैं।

'जटाधरा' फिल्म में 'धन पिशाचिनी' सोनाक्षी सिन्हा द्वारा निभाया गया एक ऐसा किरदार है, जो प्राचीन खजाने की रक्षा करने वाली एक शक्तिशाली आत्मा है, जिसे एक लालची व्यक्ति के लालच के कारण जागृत किया जाता है। यह किरदार पौराणिक पिशाचों से प्रेरित है और यह फिल्म लालच और आस्था के विषयों की पड़ताल करती है। इस फिल्म में सोनाक्षी के अलावा शिल्पा शिरोडकर, वेंकट कल्याण, सुधीर बाबू और अभिषेक ने भी अहम रोल निभाया है।

अक्षय की अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू जंगल' की एक्ट्रेस दिशा पाटनी एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए

अक्षय के पास आया दिव्यांग व्यक्ति

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार बुधवार को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। इस दौरान अक्षय के साथ उनकी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की एक्ट्रेस दिशा पाटनी भी मौजूद थीं। दोनों साथ में ही एयरपोर्ट पर कैप्चर हुए। इस दौरान अक्षय के पास एक दिव्यांग शख्स फोटो खिंचाने के लिए आया। इसके बाद क्या कुछ हुआ, चलिए जानते हैं।

अक्षय कुमार और दिशा पाटनी इस दौरान कैजुअल लुक में दिखे। इस दौरान अक्षय को ऑल ब्लैक लुक में स्पॉट किया गया तो वहीं, दिशा चॉकलेट ब्राउन ट्राउजर और व्हाइट टैंक टॉप पहने हुए नजर आईं। अक्षय जब पैपराजी कैमरों के आगे स्पॉट हुए तो उनके पास एक दिव्यांग शख्स फोटो खिंचाने के लिए आया। अक्षय ने उस शख्स की पीठ पर हाथ रख तो दिया लेकिन वो काफी जल्दी में नजर आए। अक्षय ने इस दौरान इतना भी ध्यान नहीं दिया कि उनकी सिक्योरिटी टीम ने तुरंत शख्स को वहां से दूर कर दिया। हालांकि इस दौरान लोगों को अक्षय के चेहरे पर ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखी और उन्होंने तरह-तरह के कमेंट्स करना शुरू कर दिया।

लोगों ने की अक्षय कुमार की आलोचना

वीडियो के सामने आते ही फैंस ने ढेरों कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा- अक्षय कुमार ने अपने आप से इग्नोर किया है। एक अन्य यूजर ने लिखा- अक्षय कुमार ने सही नहीं किया। अगर उनकी जगह बड़े भाई होते तो कभी ऐसा नहीं होता। खानों में खान सलमान खान। वहीं एक और यूजर ने लिखा- ऐसा सलमान खान बिल्कुल भी नहीं करते। साफ है लोगों को अक्षय का यूं जल्दबाजी वाला रवैया बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। उन्हें सलमान खान की याद आ गई जो एयरपोर्ट पर अक्सर फैंस को देखकर उनके साथ फोटो खिंचाने के लिए रुक जाते हैं।

पहली बार साथ नजर आएंगे दिशा और अक्षय

बता दें अक्षय कुमार ने हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के सॉन्ग एक ऊंचा लंबा कद की छोटी सी वीडियो साझा की है। उस क्लिप को देखने के बाद फैंस दिशा और अक्षय की जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

आरजे महवश ने साझा की अनुनय सूद के साथ हुई आखिरी चैट, एफ1 की ट्रिप का प्लान बना रहे थे ट्रैवल इन्फ्लुएंसर

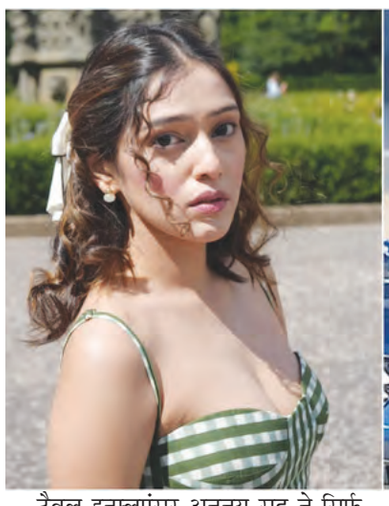

ट्रैवल इन्फ्लुएंसर अनुनय सूद ने सिर्फ 32 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। अनुनय के निधन की खबर से उनके चाहने वाले और परिवार के लोग सदमें में हैं। अब आरजे महवश ने अनुनय के निधन पर दुख और हैरानी जताते हुए उनके साथ हुई अपनी हालिया बातचीत का भी खुलासा किया है। महवश ने अनुनय के साथ हाल ही में हुई अपनी चैट का स्क्रीनशॉट भी साझा किया है।

मंगलवार को हुई महवश और अनुनय की बात

आरजे महवश ने अनुनय के निधन की खबर सामने आने के बाद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक स्क्रीनशॉट साझा किया। इस स्क्रीनशॉट में महवश ने अनुनय के साथ हुई अपनी आखिरी बातचीत का साझा किया। हैरानी वाली बात ये है कि अनुनय और महवश की ये बात मंगलवार को ही हुई थी। यानी अनुनय के निधन से दो दिन पहले। अनुनय ने मंगलवार को महवश को मैसेज किया था। उनके मैसेज में लिखा था, 'ये विन से 60वीं मंजिल के सुइट रूम्स का नजारा दिखता है।' इसके अलावा अनुनय ने महवश को कुछ इमोजी और वॉइस नोट भी भेजे थे।

एफ1 की ट्रिप बना रहे थे अनुनय और महवश

इस स्क्रीनशॉट को साझा करते हुए महवश ने अनुनय के निधन पर दुख जताया है। महवश ने अपनी स्टोरी में लिखा, 'अनुनय... मेरा दिल बैठ रहा है। कुछ दिन पहले ही हम एफ1 ट्रिप की योजना बना रहे थे और कैसे भारी मन से मैंने यह वॉइस नोट फिर से सुना। एक व्यक्ति जो जीवन से खुश था। हमेशा हंसता रहता। अब ये कैसे हो गया। अभी भी समझ में नहीं आ रहा है। अभी तो मैसेज कर रहा था यार वेगास से तू। रेस्ट इन पीस..' महवश ने आगे लिखा, किसी की जिंदगी का कुछ नहीं पता। बस सबके साथ बहुत अच्छे से रहो, किसी का दिल मत दुखाओ। तुम जाओ तो लोग तुम्हें अनुनय के तरह याद करें सिर्फ अच्छा।

परिवार ने बयान जारी कर दी निधन की सूचना

अनुनय के निधन की खबर आज उनके परिवार वालों ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी। 32 वर्षीय कंटेंट क्रिएटर का लास वेगास में निधन हुआ। उनके निधन का कारण अभी तक सामने नहीं आया है। अनुनय के परिवार ने अपने बयान में प्रशंसकों और फॉलोअर्स से इस कठिन समय में उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में सलमान-संजय की एंट्री

एक्टर बनेंगे शिवाजी के भरोसेमंद जिवा, अफजल खान की भूमिका निभाएंगे संजय दत्त

रितेश देशमुख के निर्देशन में ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म राजा शिवाजी बन रही है। खबर है कि इस फिल्म में सलमान खान और संजय दत्त भी नजर आएंगे। फिल्म में सलमान खान छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे भरोसेमंद सहयोगी जिवा महाला की भूमिका निभाएंगे, जबकि संजय दत्त अफजल खान के किरदार में दिखाई देंगे।

7 नवंबर, शुक्रवार से सलमान खान फिल्म राजा शिवाजी की शूटिंग शुरू करेंगे। यह सीक्वेंस फिल्म के सबसे शानदार विजुअल अनुभवों में से एक होने वाला है। इतना ही नहीं, कहानी के लिहाज से भी फिल्म में एक्टर की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। फिल्म में रितेश देशमुख छत्रपति शविाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं।

बता दें, सलमान खान इससे पहले भी मराठी फिल्मों में रितेश देशमुख के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने रितेश देशमुख की डायरेक्शन में बनी पहली मराठी फिल्म 'वेड' में और उससे पहले उनकी मराठी ब्लॉकबस्टर लय भारी में भी कैमियो किया था।

सलमान खान पर दर्ज हुआ केस

सलमान खान पान मसाला विज्ञापन को लेकर मुश्किल में पड़ गए हैं। बीजेपी नेता और राजस्थान हाईकोर्ट के वकील इंदर मोहन सिंह हनी ने एक्टर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। शिकायत में कहा गया है कि सलमान ने एक माउथ फ्रेशनर ब्रांड का ऐसा विज्ञापन किया है, जो युवाओं को गुमराह कर रहा है। इस मामले में 27 नवंबर को सुनवाई होगी।

शिकायतकर्ता इंदर मोहन सिंह हनी ने एएनआई से बातचीत में कहा, सलमान खान बहुत से लोगों के रोल मॉडल हैं। हमने उनके खिलाफ कोटा उपभोक्ता कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई है। अन्य देशों में सेलेब्रिटी या फिल्म स्टार्स कोल्ड ड्रिंक तक का प्रचार नहीं करते, लेकिन यहां तंबाकू और पान मसाला जैसे उत्पादों का प्रचार किया जाता है।

रणबीर कपूर की राह पर चलेंगे विक्की कौशल

भगवान परशुराम का किरदार निभाने के लिए बनेंगे शाकाहारी

विक्की कौशल जल्द ही अमर कौशिक के निर्देशन में बन रही फिल्म महावतार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह भगवान परशुराम का किरदार निभाने वाले हैं। इस किरदार के लिए विक्की कौशल पूरी तरह सात्विक बनने वाले हैं। वो शाकाहारी खाना खाएंगे और शराब का सेवन भी नहीं करेंगे।

रिपोर्ट में एक्टर से जुड़े करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि महावतार जैसी फिल्म के लिए एक्टर विक्की कौशल और डायरेक्टर अमर कौशिक अपनी लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव कर रहे हैं। विक्की ने कैरेक्टर की तैयारी करने के लिए मांसाहारी खाना छोड़ने का फैसला किया है।

अमर कौशिक ने पहले ही कुछ खाने की आदतें छोड़ दी हैं, जबकि विक्की कौशल अपने बदलाव 'लव एंड वॉर' की शूटिंग पूरी होने के बाद शुरू करेंगे। यह उनका भगवान परशुराम की भूमिका के प्रति सम्मान दिखाने का तरीका है।

रणबीर कपूर की राह पर चले विक्की कौशल

विक्की कौशल से पहले एक्टर रणबीर कपूर ने भी यही किया था। वो फिल्म रामायण में प्रभू श्रीराम की भूमिका निभाने के लिए शाकाहारी बन चुके हैं। जबकि शुरुआत में उनके भगवान राम की भूमिका निभाने पर काफी विवाद हुआ था।

2028 में रिलीज हो सकती है महावतार

फिल्म महावतार की शूटिंग अगले साल शुरू होने वाली है। फिलहाल विक्की कौशल संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त चल रहे हैं, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और आलिया भट्ट हैं। फिल्म लव एंड वॉर 2026 में रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। इसके 2 साल बाद फिल्म महावतार 2028 में रिलीज हो सकती है।

बता दें कि फिल्म महावतार से पहले विक्की कौशल हिस्टोरिकल फिल्म छावा में छत्रपति शंभाजी महाराज का किरदार निभाया था। ये किरदार भी काफी सराहा गया था।

शादी के 4 साल बाद एक-दूसरे से अलग होंगे नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा ! तलाक के लिए दी अर्जी?

लंबे समय से अफवाहें थीं कि नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। अब दोनों ने आखिरी कदम उठा लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने आधिकारिक तौर पर तलाक के लिए अर्जी दे दी है। जल्द ही औपचारिकताएं शुरू हो सकती हैं। हालांकि इस बारे में ना तो नील भट्ट ने और ना ही ऐश्वर्या शर्मा ने कुछ कहा है।

पहली बार कब मिले थे?

बताया जाता है कि नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा पहली बार 'गुम है किसी के प्यार में' शो में काम करते हुए मिले थे और देखते ही देखते एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे। शो में उन्होंने विराट चव्हाण और पाखी का किरदार निभाया है।

माधुरी दीक्षित के कनाडा टूर पर विवाद

3 घंटे इंतजार करने पर भड़के थे फैंस, ऑर्गेनाइजर्स ने गलती मानी

माधुरी दीक्षित का कनाडा टूर विवादों से घिरा हुआ है। 2 नवंबर को एक्ट्रेस ने कनाडा में परफॉर्मेंस दी थी, हालांकि साढ़े 7 बजे के शो में माधुरी दीक्षित 10 बजे पहुंचीं, जिससे फैंस नाराज हो गए। शो के ऑर्गेनाइजर्स ने भी बयान जारी कर इस विवाद में माधुरी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उनकी टीम ने एक्ट्रेस को गलत टाइम बताया और वो देरी से पहुंचीं।

अब माधुरी दीक्षित की टीम की तरफ से उनके कॉन्ट्रैक्ट की कॉपी जारी की गई है, जिसमें साफ लिखा है कि माधुरी को महज 60 मिनट यानी 1 घंटे ही मंच पर रहना था, जिसमें फैंस से सवाल-जवाब का सेशन भी शामिल था।

उन्होंने आगे बताया, "माधुरी दीक्षित का कॉल टाइम 9:30 बजे रात का था और वे समय पर पहुंचीं। उनका स्टेज पर आने का समय 9:45 से 10:00 बजे के बीच तय था, जहां होस्ट शालिन भनोट को उन्हें इंट्रोड्यूस करना था। इससे पहले 7:30 से 9:00 बजे तक इंडियन आइडल के कलाकार शिवांगी शर्मा और तनमय चतुर्वेदी ने परफॉर्म किया। सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार हुआ। माधुरी जी की ओर से कोई देरी या लापरवाही नहीं हुई।

वहीं शो देखने पहुंचीं एक महिला ने निराशा जाहिर करते हुए कहा था, 'मुझे खुशी है कि मैं उन्हें देख पाई, मैं रात 11:05 बजे निकल गई क्योंकि अगले दिन मुझे काम पर जाना था। बता दें कि माधुरी दीक्षित इन दिनों कनाडा और USA टूर पर हैं। उनका पहला शो 2 नवंबर को कनाडा में हुआ। अब वो 6 नवंबर को न्यू जर्सी में परफॉर्म करेंगी। आगे 7 नवंबर को बॉस्टन, 8 नवंबर शिकागो, 9 नवंबर ह्यूस्टन और आखिरी शो 15 नवंबर को न्यूयॉर्क में होगा। हाल ही में माधुरी ने इस टूर की जानकारी देते हुए लिखा था, 'अपने सभी फैंस से मिलने और दिल से पेश करने के लिए डांस, म्यूजिक और यादों के संगम से भरे कभी न भूलने वाले सेलिब्रेशन का इंतजार नहीं कर सकती।'

माही विज 9 साल बाद टीवी पर करेगी वापसी

एक्ट्रेस माही विज और जय भानुशाली के तलाक को लेकर सुर्खियां चर्चे में हैं। इस बीच, माही ने टीवी पर वापसी का ऐसान कर दिया है। वो पूरे 9 साल बाद टीवी पर वापस आ रही हैं। 'नकुशा' से उन्हें जो प्यार मिला था, उसी की उम्मीद लेकर वो फैंस से मिलने फिर से आ रही हैं।

माही विज का नया शो

एक्ट्रेस माही विज और जय भानुशाली पिछले हफ्ते सुर्खियों में रहे क्योंकि उनके तलाक की खबरें आ रही थीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कपल इस साल की शुरुआत से ही अलग रह रहा है। हालांकि, उनके दोस्तों और करीबियों ने इस अलगाव के बारे में बात की है, लेकिन न तो जय और न ही माही ने आधिकारिक तौर पर अलग होने पर कोई कमेंट किया है। दरअसल, पिछले हफ्ते माही ने तलाक की सभी अफवाहों को खारिज कर दिया था। अपने व्लॉग में, उन्होंने पति जय भानुशाली से 5 करोड़ रुपये का गुजारा भत्ता मांगने की खबरों की भी निंदा की।

तलाक की अफवाहों के बीच, माही विज ने 9 साल के गैप के बाद टीवी पर वापसी की घोषणा की है। अपने नए व्लॉग में, माही ने कलर्स टीवी के शो 'सहर होने को है' की शूटिंग शुरू करने के बारे में बात की। उन्होंने वह तोहफा भी दिखाया जो जय अपनी हालिया जापान ट्रिप से उनके लिए लाए थे। माही ने कहा, 'यह पहला दिन है और मैं फिर से शूटिंग शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

माही ने शो के सेट की कुछ झलकियां भी शेयर कीं और बताया कि वह एक टीनएजर की मां का किरदार निभाएंगी। उन्होंने कहा, 'हम लखनऊ में बाकी बचे सीन्स की शूटिंग पूरी करने जा रहे हैं। आज हम कुछ पैचवर्क करेंगे।

मुझे अपने बच्चों को पीछे छोड़ने का पहले से ही अपराधबोध हो रहा है। जब मुझे यह शो पहले मिला था, तो मैंने मना कर दिया था। मैं एक टीनएजर की मां का किरदार निभाने के लिए तैयार नहीं थी। जब मैं टीवी पर वापसी करना चाहती थी, तो मुझे कोई ऑफर नहीं मिल रहा था। मैं इंस्टाग्राम से अच्छी कमाई कर रही थी, लेकिन मैं फिर से एक्टिंग करना चाहती थी।' बाद में, माही ने बताया कि जय भानुशाली उनके लिए जापान से एक लिपस्टिक लाए थे।

जय और माही की शादी

जय और माही की शादी 2011 में हुई थी और 2017 में उन्होंने दो फॉस्टर बच्चों खुशी और राजवीर की जिम्मेदारी ली। 2019 में, जय और माही की बेटी तारा का जन्म हुआ। अपने नए शो में माही, पार्थ समथान और ऋषिता राठौर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी।

केजीएफ फेम हरीश राय का निधन, कैंसर से जूझ रहे थे 'कासिम चाचा', इलाज के लिए नहीं थे पैसे तो लगाई थी मदद की गुहार

कन्नड़ फिल्मों के दिग्गज एक्टर हरीश राय का निधन हो गया है, जिससे पूरी इंडस्ट्री में शोक की लहर है। हरीश राय ने केजीएफ में रॉकी के चाचा का किरदार निभाकर पॉपुलैरिटी बटोरी थी। बताया जा रहा है कि हरीश राय कैंसर से जूझ रहे थे। केजीएफ 2 की शुटिंग के दौरान भी वह इसकी गिरफ्त में थे। उन्होंने बेंगलुरु के किदवई अस्पताल में आखिरी सांस ली। हरीश राय ने खुद बताया था कि उन्होंने केजीएफ 2 में दाढ़ी इसलिए रखी थी ताकि कैंसर से गले पर आई सूजन को छुपा सकें।

हरीश राय थायरॉइड कैंसर से जूझ रहे थे और वह उनके पेट तक फैल गया था। इस वजह से वह बहुत कमजोर और पतले हो गए थे। हरीश राय के पेट में पानी भर गया था, जिससे वह बुरी तरह फूल गया था।

हरीश राय का काफी समय से कैंसर का इलाज चल रहा था, और फैंस उनके जल्द ठीक होने की

दुआ कर रहे थे। हरीश राय ने कैंसर के कारण ही फिल्मों से दूरी बनाई थी और फिर केजीएफ से वापसी की थी, पर कैंसर फैलने लगा तो वह फिल्मों से फिर दूर हो गए थे। साल 2022 में हरीश राय ने यूट्यूबर गोपी गौड़ू को बताया था कि वह तीन साल से कैंसर से जूझ रहे हैं। उन्होंने 'केजीएफ' में लंबी दाढ़ी इसीलिए रखी थी ताकि गले की सूजन को छुपा सकें। हरीश राय ने बताया था कि उनके पास पैसे नहीं थे तो इसलिए इलाज में देरी हो गई। इस कारण उनकी हालत और बदतर होती चली गई।

हरीश राय ने कहा था, 'मैंने अपनी सर्जरी टाल दी क्योंकि पहले मेरे पास पैसे नहीं थे। मैंने फिल्में रिलीज होने तक इंतजार किया। अब जब मैं कैंसर की चौथी स्टेज में हूं तो हालात और भी बदतर होते जा रहे हैं। मैंने दोस्तों और इंडस्ट्री के लोगों से आर्थिक मदद मांगते हुए वीडियो बनाया था, पर उसे पोस्ट करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया।'

हरीश राय ने बताया था इंजेक्शन में कितना आता था खर्चा

वहीं, इससे पहले, हरीश राय ने एक बार मीडिया से बातचीत में इलाज का खर्च बताया था। उन्होंने बताया था कि एक इंजेक्शन की कीमत 3.55 लाख रुपये है। डॉक्टरों ने 63 दिनों में हर साइकिल में तीन इंजेक्शन लगाने की सलाह दी थी। यानी हर साइकिल का खर्चा 10.5 लाख रुपये आया था।

ट्विंकल खन्ना ने प्यार में 'पार्टनर बदलने' को बताया एकदम सही

बोलीं- बड़ी उम्र वालों के लिए अफेयर छिपाना आसान

हाल ही में, ट्विंकल खन्ना की धोखा देने पर राय ने सबका ध्यान खींचा था। काजोल के साथ उनके शो 'टू मच' में फिजीकल चीटिंग को सामान्य मानने के लिए उन्हें ट्रोल भी किया गया था। अब, ट्विंकल ने कहा है कि उनका मानना है कि बड़ी उम्र के लोगों के लिए अपने अफेयर्स को छिपाना ज्यादा आसान होता है क्योंकि उन्हें ज्यादा अनुभव होता है।

'टू मच' शो के दौरान, ट्विंकल खन्ना, काजोल, अनन्या पांडे और फराह खान के बीच ये बातें हो रही थीं कि बड़ी उम्र के लोग कम उम्र के लोगों की तुलना में अपने अफेयर्स को छिपाने में ज्यादा अच्छे होते हैं। ट्विंकल, फराह और अनन्या इस बात से सहमत थीं, जबकि काजोल इस बात से असहमत थीं।

ट्विंकल खन्ना का एक और बयान

ट्विंकल खन्ना ने कहा, 'बड़े लोग ज्यादा बेहतर होते हैं, बहुत प्रैक्टिस होती है उनकी।' काजोल ने इस बात से असहमति जताई और कहा, 'मुझे लगता है कि यंग लोग अपनी जिंदगी और अफेयर्स के बारे में सब कुछ छिपाने में ज्यादा बेहतर होते हैं।' हालांकि, अनन्या का मानना था कि सोशल मीडिया की वजह से सब कुछ वैसे भी सामने आ ही जाता है।

ट्विंकल खन्ना ने पार्टनर बदलने को किया सपोर्ट

दूसरा बयान थाः आजकल के बच्चे कपड़े बदलने से भी ज्यादा तेजी से अपने पार्टनर बदल लेते हैं। ट्विंकल खन्ना जहां इस बात से सहमत थीं, वहीं फराह, काजोल और अनन्या इस बात से असहमत थीं। ट्विंकल ने कहा, 'यह अच्छी बात है क्योंकि हमारे जमाने में ऐसा होता था, 'लोग क्या कहेंगे? हम ऐसा नहीं कर सकते।' वे तेजी से अपने पार्टनर बदल रहे हैं और मुझे लगता है कि यह अच्छी बात है।'

अनन्या पांडे ने छेड़ी बहस

अनन्या पांडे ने कहा, 'लोग हमेशा अपने पार्टनर बदलते रहे हैं। पहले, यह थोड़ा ठीक था। ट्विंकल ने आगे कहा, 'उनके लिए यह बहुत आसान है क्योंकि उनके पास कोई बोझ नहीं है। अब लोग कहते हैं, 'यह काम नहीं कर रहा है। चलो जल्दी से आगे बढ़ते हैं।'

ट्विंकल और काजोल ने फिजीकल चीटिंग पर की बात

इससे पहले, इसी तरह के एक सेगमेंट में, ट्विंकल और काजोल ने कहा था कि इमोशनल चीटिंग फिजीकल चीटिंग से ज्यादा रिश्ते को तोड़ने वाली होती है, क्योंकि 'रात गई बात गई'। जहां ट्विंकल, काजोल और करण जौहर का मानना था कि फिजीकल चीटिंग रिश्तों में कोई बड़ी बाधा नहीं है, वहीं जान्हवी कपूर ने दोनों की निंदा की। ट्विंकल ने कहा, 'वह छोटी है। उसने वो सब नहीं देखा है जो हमने देखा है।'

करण जौहर का अनोखा तर्क

करण जौहर ने कहा, 'मेरा मानना है कि फिजीकल चीटिंग डील ब्रेकर नहीं है।' ट्विंकल बोलीं, 'मेरा मतलब है रात गई, बात गई।' जान्हवी ने अपनी बात रखी और कहा, 'नहीं, नहीं। बात नहीं जाती है।' ट्विंकल ने दोहराया, 'आप यंग हैं।' इसके बाद करण ने अपना तर्क बताते हुए कहा, 'ठंड लग जाती है कभी-कभी।' जान्हवी ने कहा, 'नहीं, नहीं लगनी चाहिए ना! कंबल लगा दो।' ट्विंकल खन्ना ने कहा, 'हम 50 के हैं! वह 20 की हैं। वह जल्द ही इस दायरे में आ जाएंगी।'

खराब एक्टिंग के कारण पहली फिल्म से निकाले गए इमरान हाशमी, कभी सीरियल किसर के टैग से हुए परेशान

इमरान हाशमी बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में से एक हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और अलग अंदाज से इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। इमरान ने '2001 में 'ये जिंदगी का सफर' फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा, लेकिन खराब व्यवहार और एक्टिंग के कारण उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया।

इस फिल्म के दो साल बाद उन्होंने फिल्म 'फुटपाथ' से आधिकारिक तौर पर बॉलीवुड में डेब्यू किया। शुरुआती दौर में इमरान को कैमरे से डर लगता था और पहली फिल्म के एक सीन के लिए उन्हें 40 टेक लेने पड़े थे।

फिल्म 'मर्डर' ने इमरान के करियर को नई दिशा दी। बोल्ड किरदार निभाने की वजह से उन पर 'सीरियल किसर' का टैग लग गया, जिससे वे लंबे समय तक असहज रहे। मगर उसी बोल्ड इमेज ने उन्हें ऐसा स्टार बनाया जो दर्शकों से सीधे दिल की बात कहता है। दिलचस्प बात यह है कि उनकी कई सफल फिल्मों का पाकिस्तान से कनेक्शन रहा है।

इमरान हाशमी की कुछ फिल्मों का पाकिस्तान में बड़ा क्रेज रहा है। उनके करियर में पाकिस्तान से जुड़े संगीत और फिल्मी फैन बेस का भी योगदान माना जाता है। इमरान हाशमी ने साबित किया कि सीमित एक्टिंग कौशल के ताने सुनने वाला अभिनेता अगर अपने हुनर पर भरोसा रखे तो वह स्टारडम की हर ऊंचाई छू सकता है।

पहली फिल्म से निकाले गए

इमरान हाशमी ने अपने करियर की शुरुआत 2001 में फिल्म 'ये जिंदगी का सफर' से की, लेकिन खराब व्यवहार और कमजोर अभिनय के कारण उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया। इससे उन्हें आत्ममंथन का मौका मिला। दो साल बाद 2003 में उन्होंने 'फुटपाथ' से ऑफिशियल डेब्यू किया। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही, पर इसी फिल्म ने उन्हें पहचान दिलाई।

'मर्डर' करके बना करियर

2004 में महेश भट्ट की फिल्म 'मर्डर' ने उनका करियर बना दिया। इस फिल्म के बोल्ड और रोमांटिक दृश्यों ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया और 'सीरियल किसर' का टैग दिलाया। मल्लिका शेरावत के साथ उनकी केमिस्ट्री काफी चर्चित रही। मल्लिका ने बाद में कहा कि सेट पर इमरान ने उन्हें बेहद सुरक्षित महसूस कराया और वे एक सज्जन व्यक्ति हैं। हालांकि दोनों के बीच कुछ मतभेद हुए थे, लेकिन फिल्म की रिलीज के 20 साल बाद इमरान ने इस बात को स्वीकार किया है कि उनके और मल्लिका के बीच जो झगड़ा हुआ था, वह बचकाना था और अब वे फिर से साथ काम करना चाहेंगे।

पाकिस्तान में भी चला इमरान का जादू

'मर्डर' के बाद 'जहर', 'आशिक बनाया आपने', 'अक्सर', 'गैंगस्टर', और 'आवारापन' जैसी फिल्मों ने इमरान की लोकप्रियता बढ़ाई। 2008 की 'जन्नत' उनकी सुपरहिट फिल्म रही, जिसने उन्हें टॉप स्टार्स की सूची में ला खड़ा किया। ये फिल्म उस साल की पांचवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म साबित हुई।

फिल्म 'जन्नत' की थीम मैच फिक्सिंग पर आधारित थी, जिसमें इमरान ने सट्टेबाज का किरदार निभाया था। यह फिल्म न केवल भारत में बल्कि

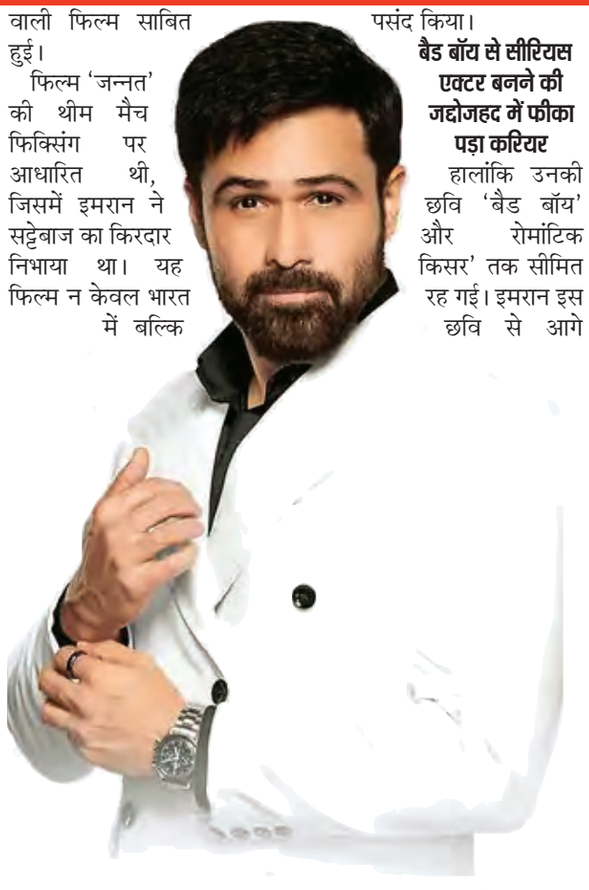

पाकिस्तान में भी अत्यंत लोकप्रिय हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, जब 'जन्नत' पाकिस्तान में रिलीज हुई, तो लाहौर के एक सिनेमाघर में इसे देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई और वहां पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई थी।

इस फिल्म ने इमरान को टॉप स्टार्स की सूची में ला खड़ा किया और खासतौर पर पाकिस्तान में उनके फैंस की संख्या तेजी से बढ़ी। फिल्म के एक प्रपोजल सीन को भी वहां के दर्शकों ने बहुत पसंद किया।

बैड बॉय से सीरियस एक्टर बनने की जद्दोजहद में फीका पड़ा करियर

हालांकि उनकी छवि 'बैड बॉय' और रोमांटिक किसर' तक सीमित रह गई। इमरान इस छवि से आगे बढ़कर गंभीर और विविध भूमिकाएं निभाना चाहते थे। 'शंघाई' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग किरदार आजमाए, लेकिन दर्शकों से अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली। 'राजा नटवरलाल', 'मिस्टर एक्स', 'अजहर', 'व्हाई चीट इंडिया' और 'द बॉडी' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नाकाम रहीं।

बेटे की बीमारी ने बदल दी जिंदगी

इमरान हाशमी के व्यक्तिगत जीवन में एक कठिन संघर्ष शामिल था जब जनवरी 2014 में उनके बेटे अयान की तबीयत अचानक बिगड़ी। उस समय परिवार पिज्जा खा रहा था और अयान के पेशाब में खून निकलने पर तुरंत डॉक्टरों को दिखाया गया, जहां किडनी कैंसर का पता चला। अगले ही दिन अयान का ऑपरेशन हुआ और कीमोथेरेपी शुरू हुई।

यह संघर्ष लगभग पांच वर्षों तक चला, जिसमें इमरान और उनकी पत्नी परवीन ने हार नहीं मानी और बेटे के सामने कभी कमजोरी नहीं दिखाई। इमरान ने कहा था कि उनकी पूरी दुनिया महज बारह घंटों में बदल गई थी और इस दर्दभरे दौर को शब्दों में बयां करना मुश्किल था। 2019 में अयान पूरी तरह कैंसर से ठीक हो गए और आज वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस दौरान इमरान ने बेटे की बीमारी के बारे में एक किताब भी लिखी है।

पत्नी देती हैं साथ छोड़ने की धमकी

इमरान हाशमी की पर्सनल लाइफ हमेशा से उतनी लाइमलाइट में नहीं रही, जितनी उनकी फिल्मों की चर्चाएं रही हैं। हालांकि उनकी पत्नी परवीन साहनी के साथ उनकी प्रेम कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। दोनों ने करीब सात साल तक एक-दूसरे को डेट किया और आखिरकार 14 दिसंबर 2006 को शादी के बंधन में बंधे। परवीन पेशे से शिक्षिका हैं और हमेशा मीडिया की चमक-दमक से दूरी बनाए रखती हैं। इमरान के ग्लैमरस करियर के बावजूद उन्होंने सादगी और निजी जीवन को तरजीह दी। दोनों की जोड़ी बॉलीवुड की उन चंद जोड़ियों में से है, जो प्रसिद्धि और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाए रखती है। शुरुआती दौर में जब इमरान की फिल्म 'मर्डर' रिलीज हुई, तो उसके बोल्ड और इंटीमेट

सीन्स को देखकर परवीन नाराज हुई थीं, लेकिन वक्त के साथ दोनों ने इस मामले को समझदारी से संभाल लिया। इमरान ने कई इंटरव्यू में माना कि परवीन उनकी जिंदगी की सबसे स्थिर ताकत हैं, जिन्होंने हर मुश्किल दौर में उनके साथ खड़े रहकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाया।

खलनायक के रूप में दमदार वापसी

2011-12 के बाद इमरान हाशमी के करियर में डाउनफॉल आया, लेकिन उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से सलमान खान के साथ फिल्म 'टाइगर 3' से जबरदस्त शुरुआत की। इस फिल्म में इमरान हाशमी ने आतिश रहमान नामक एक शक्तिशाली और कुटिल खलनायक की भूमिका निभाई थी। हालांकि इमरान पहले खलनायक की भूमिका निभाने के लिए राजी नहीं थे।

हर फिल्म मेरे लिए एक सबक है

एक एक्टर के तौर पर अपने इवोल्यूशन और ग्रोथ के बारे में बात करते हुए इमरान कहते हैं- मैं खुद नहीं जानता कि मैं कितना सीख चुका हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक नया सबक लेकर आती है। जिन लोगों के साथ काम करता हूं, चाहे वो डायरेक्टर, को-एक्टर्स या टेक्नीशियंस हों, हर किसी से कुछ न कुछ सीखने को मिल जाता है।

कई सालों से मैंने बस यही कोशिश की है कि हर बार कुछ अलग करूं, हर फिल्म में नया किरदार निभाऊं और अपने आप को पिछले काम से बेहतर बना सकूं। मैं कभी ये नहीं सोचता कि अब मैं पूरी तरह सफल हो गया हूं, क्योंकि जिस दिन कोई एक्टर ये सोच लेता है, उसी दिन उसकी ग्रोथ रुक जाती है।

मुझे लगता है अगर हर फिल्म को एक नई सीख की तरह लिया जाए, तो करियर लंबा चलता है, लेकिन जैसे ही इंसान सीखना बंद कर देता है, तो उसका सफर भी धीरे-धीरे खत्म होने लगता है।

सफलता नहीं, सीख है असली जीत

इमरान हाशमी अपनी खूबसूरत जर्नी में सबसे बड़े चैलेंज और सफलता का जिक्र करते हुए कहते हैं- जिंदगी में हर चीज एक तरह का चैलेंज होती है। जब हमारी फिल्में चलती हैं, तो लगता है कि सब कुछ हमारे ही हाथ में है, सफलता हमें बुला रही है, लेकिन कई लोग एक हिट फिल्म के बाद खुद को खो देते हैं।

असफलता भी जरूरी होती है, क्योंकि उसके साथ अनुभव और सच्ची सीख मिलती है। कभी-कभी जिस फिल्म पर हम बहुत भरोसा करते हैं, वो दर्शकों पर वैसा असर नहीं छोड़ पाती। यही इस काम की खूबसूरती है। कभी जीत, कभी सीख। मेरे लिए सफलता वही है जब मैं हर दिन कुछ नया सीखता हूं और अपनी समझ को बढ़ाता हूं।

रूस से कच्चे तेल आयात में कटौती करेगा भारत

प्रतिबंधों के बीच भारतीय रिफाइनर रोक देंगे सीधी खरीद

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत नवंबर के अंत से रूस से कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। इससे नवंबर के अंत से भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात घट सकता है। यह कदम रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनियां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी शामिल हैं। दरअसल, अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

रूसी कच्चे तेल की खेप में दिखेगी गिरावट

नौवहन सूचना फर्म केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, 21 नवंबर के बाद रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी, क्योंकि अधिकांश भारतीय रिफाइनरी अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करते हुए रोसनेफ्ट और लुकोइल से सीधी खरीद घटाएंगी या रोक देंगी।

दिसंबर में तेजी से घटेगा आयात अन्य देशों से खरीदारी पर जोर

रितोलिया ने कहा, दिसंबर में रूसी तेल की आपूर्ति में तेज गिरावट आ सकती है, जबकि 2026 के शुरुआती दौर में यह स्थिति नए व्यापारिक माध्यमों और वैकल्पिक मार्गों के जरिये धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है।

घटते रूसी आयात की भरपाई के लिए भारतीय रिफाइनरी कंपनियां पश्चिम एशिया, लैटिन अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदारी बढ़ा रही हैं। भारत ने अक्तूबर में अमेरिका से प्रतिदिन 5.68 लाख बैरल क्रूड आयात किया, जो मार्च, 2021 के बाद सर्वाधिक है।

रिलायंस समेत तीन कंपनियों ने की है कटौती की घोषणा

रिलायंस का रोसनेफ्ट से दीर्घकालिक आपूर्ति समझौता है। मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप रोकने की घोषणा की है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी (गुजरात) मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड आयात किया।

ट्रंप के तरकश में टैरिफ के कई तीर

सुप्रीम कोर्ट का फैसला खिलाफ आने पर भी नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली,6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ का भविष्य अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हाथों में है। महीनों की कानूनी लड़ाई और वैश्विक बाजारों में छाई अनिश्चितता के बाद सुप्रीम कोर्ट के जज इस बात पर सुनवाई कर रहे हैं कि क्या ट्रंप ने आयात पर इतने बड़े टैक्स लगाकर अपनी हद पार कर दी थी।

भारत समेत दुनिया के कई देश इस फैसले पर नजर रखे हुए हैं। क्योंकि इसका असर आम लोगों से लेकर अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पर पड़ने वाला है। डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर सुप्रीम कोर्ट उनके द्वारा इस साल लगभग हर देश पर लगाए गए टैरिफ को रद्द कर देता है, तो अमेरिका 'रक्षाहीन' हो जाएगा और संभवतः 'लगभग तीसरे दर्जे के देश की स्थिति' में आ जाएगा। बड़ा सवाल यह है कि अगर सुप्रीम कोर्ट भी निचली अदालत की तरह यह फैसला ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ देता है तो अमेरिकी राष्ट्रपति के पास क्या विकल्प रहेगा।

क्या हैं ट्रंप के पास रास्ते?

बुधवार को हुई मौखिक दलीलों के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जजों ने राष्ट्रपति के टैरिफ लगाने के व्यापक अधिकार के दावों पर संदेह जताया। अगर कोर्ट उनके खिलाफ फैसला सुनाता है तब भी ट्रंप के पास आयात पर आक्रामक तरीके से टैक्स लगाने के कई रास्ते खुले रहेंगे। वे अपने पहले कार्यकाल में इस्तेमाल किए गए टैरिफ शक्तियों का फिर से उपयोग कर सकते हैं और महामंदी के समय से चले आ रहे एक अधिकार का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय की व्यापार कानून की प्रोफेसर कैथलीन क्लॉसन कहती हैं कि यहां

से टैरिफ खत्म होने का कोई रास्ता दिखना मुश्किल है। उन्होंने यकीन जताया कि ट्रंप अन्य नियमों का उपयोग करके वर्तमान टैरिफ को फिर से लागू कर सकते हैं।

काफी हद तक बढ़ाया टैरिफ

टैरिफ ट्रंप की विदेश नीति का एक मुख्य आधार बन गए हैं। उन्होंने अधिकांश देशों पर 10 फीसदी या इससे ज्यादा रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए गए हैं। उन्होंने अमेरिका के लंबे समय से चले आ रहे व्यापार घाटे को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करके इसे उचित ठहराया है।

येल विश्वविद्यालय के बजट लैब के अनुसार, जनवरी में जब ट्रंप व्हाइट हाउस लौटे थे, तब औसत अमेरिकी टैरिफ 2.5% था, जो अब बढ़कर 17.9% हो गया है। यह साल 1934 के बाद सबसे अधिक है।

कांग्रेस के पास अधिकार

टैरिफ लगाने का फैसला ट्रंप ने अकेले ही लिया है। जबकि अमेरिकी संविधान टैक्स और टैरिफ लगाने की शक्ति कांग्रेस को देता है। पहले निचली अदालतों ने यह फैसला सुनाया था कि ट्रंप ने इन व्यापार शुल्कों को तय करने में अपनी सीमा पार कर दी थी। अब देश की सबसे बड़ी अदालत यह तय करेगी कि क्या उन फैसलों को बरकरार रखा जाएगा। इस मामले पर फैसला किसी भी समय यानी अब से लेकर जुलाई तक आने की उम्मीद है।

मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 148 अंक टूटा, निफ्टी 25600 के नीचे

मुंबई,6 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और प्रमुख शेयर बाजार आईसीआईसीआई बैंक में बिकवाली के बीच गुरुवार को अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 148.14 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 83,311.01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 83,846.35 के उच्च स्तर और 83,237.65 के निम्न स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 87.95 अंक या 0.34 प्रतिशत गिरकर 25,509.70 अंक पर बंद हुआ। प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रहने से गुरुवार को रुपया 10 पैसे बढ़कर 88.60 प्रति डॉलर (अनंतिम) पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड, इटरनल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक और एनटीपीसी प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ में रहे।एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू बाजार में अस्थिरता हावी रही। एशियाई बाजारों के समर्थन के बावजूद एफआईआई की निरंतर निकासी के बीच व्यापक मुनाफावसूली देखी गई। एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में चार भारतीय कंपनियों के शामिल होने और मजबूत अमेरिकी मैक्रो डेटा से शुरुआती आशावाद कमजोर घरेलू पीएमआई रीडिंग से कम हो गया, जो नरम धारणा का संकेत देता है। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अक्तूबर में पिछले पांच महीनों में सबसे धीमी रही, क्योंकि प्रतिस्पर्धी दबाव और देश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारण उत्पादन में धीमी वृद्धि हुई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स सितंबर में 60.9 से गिरकर अक्तूबर में 58.9 हो गया, जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 1,067.01 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,202.90 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-18
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-41
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष शुक्रवार 07 Nov
तिथि - द्वितीया 11-05 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - रोहिणी 00-32 तक मृगशिरा
योग - परिघ 22-27 तक शिव
करण - गर 11-05 तक उप वणिज
व्रत त्योहार स्वाति मे शुक्र

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - तुला	में	तुला	04-52 बजे
चंद्र - वृष	में	वृश्चिक	07-01 बजे
मंगल - वृश्चिक	में	धनु	09-15 बजे
बुध - वृश्चिक	में	मकर	11-22 बजे
गुरु कर्क	में	कुंभ	13-12 बजे
शुक्र - तुला	में	मीन	14-50 बजे
शनि मीन	में	मेष	16-26 बजे
राहु कुंभ	में	वृष	18-11 बजे
केतु सिंह	में	मिथुन	20-11 बजे
		कर्क	22-24 बजे
		सिंह	00-36 बजे
		कन्या	02-42 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका कि सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-34 से 11-59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06-19 - 07-44	शुभ	रोग	17-39 - 19-16	शुभ
लाभ	07-44 - 09-09	शुभ	काल	19-16 - 20-50	शुभ
अमृत	09-09 - 10-34	शुभ	लाभ	20-50 - 22-25	अशुभ
काल	10-34 - 11-59	अशुभ	उत्पात	22-25 - 23-59	अशुभ
शुभ	11-59 - 13-25	शुभ	शुभ	23-59 - 01-35	शुभ
रोग	13-25 - 14-50	अशुभ	अमृत	01-35 - 03-09	अशुभ
उत्पात	14-50 - 16-16	अशुभ	चंचल	03-09 - 04-44	शुभ
चंचल	16-16 - 17-39	शुभ	रोग	04-44 - 06-19	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है । आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं । अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें । पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें । आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी । इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपके जीवन में एक नई उर्जा का प्रवेश होगा। आपको अचानक यह लगने लगेगा कि जीवन में परिवार तथा करियर में संतुलन बनाना काफी आसान हो गया है । आपकी सारी हिचकिचाहट दूर हो जाएगी और आपके सब कामो में नया आत्मविश्वास दिखाई देगा । आप घर या कार्यस्थल पर किसी करीबी की असमंजस की भावना को भी आज दूर कर पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी ओर से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए । यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृति पर नियंत्रण रखें । आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बोद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप अपने आप को विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए ? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा । आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें ।अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना 319 गिरकर 1.20 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

चांदी 1,208 बढ़कर 1.47 लाख किलो बिक रही, कैरेट के हिसाब से गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 6 नवंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 319 रुपए गिरकर 1,20,100 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,20,419 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी 1,208 रुपए बढ़कर 1,47,358 रुपए प्रति किलोग्राम आ गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,46,150 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3%जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 43,938 और चांदी 61,341 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 43,938 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,20,100 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 61,341 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,47,358 रुपए प्रति किलो हो गई है।

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता में तेजी

पीयूष गोयल बोले- बहुत जल्द समझौते को मिलेगा अंतिम रूप

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार वार्ता तेजी से आगे बढ़ रही है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने उम्मीद जाताई कि मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दे दिया जाएगा। गोयल न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ दोनों देशों के बीच एफटीए वार्ता की प्रगति की समीक्षा करने के लिए चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। गोयल ने कहा कि मेरा मानना है कि यह एक ऐतिहासिक यात्रा है, क्योंकि हम बहुत जल्द एफटीए को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान कर रहे हैं। हमारी टीमों ने शानदार काम किया है। जिन कुछ बारीकियों पर ध्यान देने की जरूरत थी, वे हमारे सामने हैं। बहुत सी चीजें, समायोजन की भावना से, बंद कर दी गई हैं। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वार्ता कल भी जारी रहेगी और उम्मीद है कि काफी काम हो जाएगा। इसलिए मुझे लगता है कि हम जल्द ही न्यूजीलैंड के साथ एफटीए कर लेंगे।यह पूछे जाने पर कि क्या व्यापार समझौता वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने में मदद करेगा, जो लगभग 1.5 अरब डॉलर है, मैकक्ले ने कहा कि यह समझौता व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि हमने पिछले वर्ष देखा है कि दोनों देशों के बीच व्यापार में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं के आकार को देखते हुए एक बहुत बड़ी वृद्धि है। इसलिए हम एक ऐसा समझौता करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जो न्यूजीलैंड में सभी भारतीय व्यवसायों और भारत में एक साथ काम करने में रुचि रखने वाले न्यूजीलैंड के व्यवसायों को वास्तविक अवसर प्रदान करेगा।न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री ने कहा कि यह समझौता कृषि प्रौद्योगिकी, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने में भी मदद करेगा।

पैसों की बारिश कर सकता है अडानी ग्रुप की इस कंपनी का शेयर, इस दिग्गज फर्म ने बताए 4 कारण

नई दिल्ली,6 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर लिमिटेड के शेयरों में 17% तक की तेजी का अनुमान लगाया है। फर्म का मानना है कि शेयर 185 रुपये प्रति शेयर तक पहुंच सकते हैं। मॉर्गन स्टेनली ने अडानी पावर पर अपना ओवरवेट (अधिक खरीदने की सलाह) कॉल बरकरार रखा है। फर्म का कहना है कि आने वाली तिमाहियों में कंपनी के विकास के लिए कई सकारात्मक कारण मौजूद हैं।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए कोयला एक बहुत महत्वपूर्ण जरिया बना रहेगा। खासकर शाम के समय बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने में कोयले की भूमिका अहम है। अडानी पावर लिमिटेड (एपीएल) भारत की सबसे बड़ी स्वतंत्र बिजली उत्पादक कंपनी है। यह एनटीपीसी के बाद थर्मल पावर के मामले में दूसरी सबसे बड़ी

डेवलपर है। फिलहाल, कोयला आधारित बिजली उत्पादन क्षमता और उत्पादन दोनों में अडानी पावर की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8% है।मॉर्गन स्टेनली के अनुसार अडानी पावर आने वाले समय में थर्मल पावर क्षमता के विस्तार का भरपूर फायदा उठाने की स्थिति में है।

कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2032 तक बढ़कर 15% होने का अनुमान है। यह वृद्धि कंपनी के 41.9 गीगावाट (जीडब्ल्यू) के पोर्टफोलियो के कारण संभव होगी, जो वित्त वर्ष 2025 के स्तर से 2.5 गुना ज्यादा है। इसके अलावा अडानी पावर ने अपने ज्यादातर बड़े नियामक मुद्दों को सुलझा लिया है। इससे कंपनी के भविष्य के विकास की राह और साफ हो गई है।कंपनी ने अपने अनुबंध वाले बिजली खरीद समझौतों (पीपीएएस) को मजबूत किया है। बिट्टूबोरी (500 एमडब्ल्यू) और पीरपंती (2.4 जीडब्ल्य) के लिए नए पीपीएएस पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही रायपुर (570 एमडब्ल्यू)) और अनुपुर (1.6 जीडब्ल्य) के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओएएस) भी प्राप्त हुए हैं।

अब कंपनी के पीपीए बिड पाइपलाइन में लगभग 22 जीडब्ल्य की क्षमता है, जो पहले 17 जीडब्ल्य थी। कंपनी की बैलेंस शीट इस क्षेत्र में सबसे मजबूत मानी जा रही है। हाल ही में 5.8 से 6.2 रुपये प्रति यूनिट की पीपीए दरें और लगभग 4 रुपये प्रति किलोवाट घंटा (केडब्ल्यूएच) की उच्च क्षमता शुल्क अडानी पावर को 3.5 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच का सामान्य ईबीआईटीडीए पैदा करने में मदद करेगा। यह मर्चेंट स्प्रेड (बाजार में बिजली बेचने से होने वाला मुनाफा) 2.5 रुपये प्रति केडब्ल्यूएच से काफी बेहतर है। विश्लेषकों ने 6 नवंबर को एक रिपोर्ट में कहा कि इससे कंपनी की कमाई और नकदी प्रवाह का अनुमान मजबूत होता है।गुरुवार को अडानी पावर के शेयर में गिरावट रही। बुधवार को यह 158.45 रुपये पर बंद हुआ था और गुरुवार को 158.45 रुपये पर ही खुला। दिन में कारोबार के दौरान गिरावट आती रही। हालांकि कुछ मौकों पर बढ़त भी बनी लेकिन यह दोपहर 3 बजे तक 158.50 रुपये से आगे नहीं बढ़ पाया। दोपहर 3 बजे यह शेयर करीब 3 फीसदी की गिरावट के साथ 153.65 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

ईडी ने फिर जारी किया अनिल अंबानी को समन

14 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई,6 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को रिलायंस एडीए समूह के प्रमुख अनिल अंबानी को 14 नवंबर को पेश होने का समन भेजा है। बताया गया है कि उनसे कथित धनशोधन मामले में पूछताछ की जाएगी।

ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी को कथित बैंक धोखाधड़ी व धन शोधन मामले में अगले सप्ताह फिर से पूछताछ के लिए बुलाया है।

66 वर्षीय व्यवसायी से संघीय जांच एजेंसी ने अगस्त में पूछताछ की थी। अनिल अंबानी को एसबीआई में कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए 14 नवंबर को पेश होने के लिए कहा गया है। एजेंसी ने हाल ही में अंबानी समूह की कंपनियों के खिलाफ अपनी जांच के तहत 7,500 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है।

ईडी ने भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 120-बी, 406 और 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1989 की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(डी) के तहत केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर यह कार्रवाई की थी।

इसके बाद, अनिल अंबानी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से कुर्क की गई अधिकांश संपत्ति रिलायंस कम्युनिकेशंस की हैं।

समूह की ओर से बताया गया कि यह कंपनी फिलहाल समाधान पेशेवर (आरपी) और भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाली ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के नियंत्रण में है।

मकान खरीदने में बर्बाद हो रहा मिडिल क्लास !

नई दिल्ली,6 नवंबर (एजेंसियां)। अगर आप मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में मकान खरीदने का सपना देख रहे हैं तो यह सपना ही रह सकता है। यहां प्रॉपर्टी इतनी महंगी है कि इसे खरीदना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो रहा है। वहीं अगर कोई मिडिल क्लास शख्स लोन के माध्यम से मकान खरीदने की इच्छा रखता है तो वह बर्बाद हो सकता है। हालांकि काफी लोग बर्बाद भी हो रहे हैं। इसे लेकर सीनियर एनालिस्ट और फाइनेंस एक्सपर्ट सुजय यू ने चेतावनी दी है। सुजय यू ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में कहा है कि बड़े शहरों में घर खरीदना अब अमीरी का रास्ता नहीं, बल्कि आपको मुश्किलों में फंसा सकता है। उन्होंने बताया है कि आज के शहरी भारतीयों के लिए घर खरीदने के बजाय किराए पर रहना ज्यादा फायदेमंद है। सुजय यू ने अपनी पोस्ट में इस धारणा को तोड़ा है कि प्रॉपर्टी खरीदने का मतलब अमीर बनना है।

कमाई से काफी महंगी प्रॉपर्टी

सुजय यू ने बताया कि मुंबई में आज एक 2 बीएचके फ्लैट की कीमत 2 से 2.2 करोड़ रुपये है। वहीं बेंगलुरु में यह 1.2

से 1.4 करोड़ रुपये के बीच है। दूसरी तरफ इन शहरों में एक परिवार की सालाना आमदनी सिर्फ 20 से 30 लाख रुपये है। इसका मतलब है कि घर की कीमत परिवार की कमाई का 8 से 12 गुना है, जबकि दुनिया भर में यह 3 से 5 गुना होना ही सही माना जाता है।

जाल में फंसने जैसी है ईएमआई

सुजय ने पोस्ट में होम लोन की ईएमआई को लेकर भी अपनी बात रखी है। उन्होंने होम लोन की ईएमआई को एक ट्रैप यानी जाल बताया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है कि मुंबई में 2 करोड़ रुपये के फ्लैट के लिए हर महीने 1.4 लाख रुपये से ज्यादा की ईएमआई देनी पड़ती है। यह ईएमआई परिवार की कुल आमदनी का 50 से 70% तक खा जाती है। इसे लेकर सुजय यू ने चेतावनी दी है। उनके मुताबिक दुनिया भर के वित्तीय सलाहकार सलाह देते हैं कि घर का किराया या ईएमआई आपकी आमदनी के 30% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी से मिलने वाला रिटर्न भी बहुत कम है। एक बड़ी रिसर्च के मुताबिक साल 2013 से 2023 के बीच मुंबई में प्रॉपर्टी की कीमतों में 1% की गिरावट आई है। पूरे देश में भी 2010 से प्रॉपर्टी की असली कीमतों में सालाना सिर्फ 3% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं किराए से मिलने वाला रिटर्न सिर्फ 2% के आसपास है, जो दुनिया में सबसे कम में से एक है।

लोग यहां लगा रहे पैसा

सुजय यू का कहना है कि आप प्रॉपर्टी में निवेश करके अमीर नहीं बन रहे हैं, बल्कि अपनी आजादी, कहीं भी आने-जाने की सुविधा और निवेश करने की क्षमता खो रहे हैं। उन्होंने बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड इलाके के युवा किराएदारों का उदाहरण दिया। ये लोग ईएमआई के पैसे बचाकर एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) में निवेश करते हैं और दो दशक बाद उन लोगों से कहीं ज्यादा अमीर बन सकते हैं, जिन्होंने बड़े-बड़े होम लोन ले रखे हैं।

सोपोर में अवैध खनन करने वाले 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

श्रीनगर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। डांगीवाचा पुलिस स्टेशन ने नागबल लाडूरा में झेलम नदी के किनारे रेड ज़ोन क्षेत्र से रेत और अन्य खनिजों के अवैध खनन में कथित रूप से शामिल 14 व्यक्तियों के खिलाफ एक प्राथमिकी (संख्या 113/2025) दर्ज की। अधिकारियों ने बताया कि खनन से नदी के तटबंध को काफी नुकसान पहुंचा है और एक स्थानीय पुल सहित आस-पास के बुनियादी ढांचे को गंभीर खतरा पैदा हो गया है। यह समन्वित कार्रवाई नदी पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को रोकने और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयास का हिस्सा है। पुलिस टीमें राजस्व, खनन और सिंचाई अधिकारियों के साथ मिलकर कड़ी निगरानी रख रही हैं। उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

अधिकारी ने कहा, खनिजों का अवैध खनन न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि नदी के तटबंधों को भी कमज़ोर करता है और जान-माल को खतरे में डालता है। उन्होंने कहा, हम ऐसे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रखेंगे।

तूफान कालमेगी से फिलिपींस में तबाही

241 मौतों के बाद राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल घोषित

मनीला, 6 नवंबर (एजेंसियां)। फिलीपींस में तूफान 'कालमेगी' के कारण देश के मध्य प्रांतों में कम से कम 241 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा कई लोग लापता हो गए। इस बीच फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने गुरुवार (6 नवंबर 2025) को आपातकाल की घोषणा कर दी। यह इस साल फिलिपींस में आयी भीषण प्राकृतिक आपदा है। तूफान कालमेगी के कारण ज्यादातर लोगों की मौत अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुई, जबकि 127 लोग लापता हैं। इनमें से अधिकतर मध्य प्रांत सेबू के निवासी हैं।

यह प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। कालमेगी एक ट्रॉपिकल चक्रवात तूफान है, जो द्वीपसमूह से गुजरने के बाद दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ गया। तूफान के प्रकोप से लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए, जबकि 5।6 लाख से अधिक ग्रामीण विस्थापित हो गए, इनमें से लगभग 4।5 लाख लोगों को आपातकालीन आश्रयों में शरण लेनी पड़ी। राष्ट्रपति मार्कोस ने यह आपातकालीन घोषणा आपदा प्रतिक्रिया अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान की, जिसमें तूफान के बाद की स्थिति का आकलन किया गया। इस घोषणा से सरकार को आपात राहत कोष को तेजी से जारी करने, खाद्यान्न की जमाखोरी और मुनाफाखोरी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

सेबू में सबसे अधिक तबाही गांव पानी में डूबे

सेबू प्रांत तूफान से सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाका बताया जा रहा है। कई गांवों में बिजली और संचार पूरी तरह ठप हो गए हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सैकड़ों लोग अभी भी अपने घरों की छतों पर फंसे हैं और बचाव टीमों के इंतजार में हैं। मौसम विभाग ने बताया कि कालमेगी ने तटीय इलाकों में 200 किमी/घंटा तक की रफ्तार से दस्तक दी, जिससे समुद्र में ऊंची लहरें उठीं और निचले इलाकों में जलभराव हो गया। तूफान के गुजरने के बाद भी लगातार तेज हवाएं और भारी बारिश जारी हैं, जिससे बचाव अभियान में मुश्किलें आ रही हैं।

सर्जरी कराकर किन्नर बना बांग्लादेशी नागरिक

पहचान छिपाने के लिए साड़ी पहनकर करता था मेकअप

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी से किन्नर बने एक बांग्लादेशी को उत्तर-पश्चिमी जिला की विदेशी शाखा ने महेंद्रा पार्क थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र भी बरामद हुए हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है। साथ ही इसके अन्य साथियों का भी पता लगा रही है। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि हाल ही में जानकारी मिली थी कि महेंद्रा पार्क क्षेत्र स्थित मंडी के गेट नंबर दो के पास एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक देखा गया है।

सूचना के आधार विदेशी सेल की टीम ने क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई और मुखबिर की मदद से संदिग्ध व्यक्ति को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुद को भारतीय नागरिक बताया, लेकिन जवाबों में विरोधाभास और संदिग्ध आचरण के चलते पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई। दस्तावेजों और डिजिटल फुटप्रिंट की जांच में उसके बांग्लादेश से संबंध सामने आए। वहीं, कड़ी पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह बांग्लादेश के सिलहट जिले का निवासी है।

आरोपी ने बताया कि उसने जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराकर अपना रूप महिला जैसा बना लिया था और पहचान छिपाने के लिए मेकअप, साड़ी, सलवार-सूट, विग और अन्य स्त्री परिधान पहनता था। बताया गया कि दिन में वह भिक्षावृत्ति करता था और रात में आपत्तिजनक गतिविधियों में लिप्त रहता था। आरोपी की पहचान मोहम्मद सुमोन मियां उर्फ पिंकी के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। एफआरआरओ के सहयोग से उसे देश से निष्कासित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

नवजात बच्ची की घर में चाकू मारकर हत्या

पुलिस को दादी पर ही शक खून से सना चाकू बरामद

तिरुवनंतपुरम, 6 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के अंगमाली शहर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। दरअसल अंगमाली में एक घर में छह माह की नवजात बच्ची का शव मिला है। पुलिस ने घर से ही खून से सना चाकू बरामद किया है। अभी तक की जांच में बच्ची की दादी पर ही पुलिस को शक है। फिलहाल दादी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल से छुट्टी के बाद दादी से पूछताछ की जाएगी।

मृतक बच्ची की पहचान डेलना मारिया साराह के रूप में हुई है, जो एंटनी और रुथ की बेटी थी। डेलना अंगमाली के नजदीक कारुकुट्टी इलाके में स्थित अपने घर में मृत पाई गई। पुलिस ने बताया कि जिस कमरे में बच्ची का शव मिला, उसी से खून से सना चाकू बरामद किया गया है। बच्ची के पास उसकी दादी थी। घटना के वक्त बच्ची की मां रसोई में थी, जब उसने बच्ची को देखा तो वह खून से लथपथ थी। जिसे देखकर मां की चींख निकल गई। चीख सुनकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

पुलिस का मानना है कि उसकी दादी की जानकारी के बिना बच्ची की हत्या नहीं हो सकती। ऐसे में पुलिस को बच्ची की दादी पर ही शक है, जो मानसिक तौर पर भी अस्थिर बताई जा रही है। दादी रोजीली का मानसिक इलाज भी चल रहा है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वह बहुत घबराई हुई और अस्थिर अवस्था में मिली, जिसके बाद रोजीली को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घरवालों और पड़ोसियों से पूछताछ की है। पुलिस का कहना है कि रोजीली को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उससे पूछताछ की जाएगी।

पुलिस का जुआरियों पर शिकंजा, 40 हजार की नकदी के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में बाहरी जिले में संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने जुआ खेलने के दो अलग-अलग मामलों में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 40 हजार 950 रुपये नकद समेत जुए से संबंधित सामग्री बरामद की है। दोनों ही मामलों में दिल्ली पब्लिक गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि दो नवंबर को मंगोलपुरी थाना पुलिस जे-ब्लाक स्थित इंदिरा पार्क के पास गश्त पर थी। देखा कि कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर दो आरोपितों को पकड़ लिया। जिनसे 38 हजार 900 रुपये नगद समेत जुआ सामग्री बरामद की। वहीं, तीन नवंबर को सुल्तानपुरी थाने की टीम ने पी-1 ब्लाक पार्क के पास जुआ खेलते दो लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। इनके कब्जे से दो हजार 50 रुपये नगद और अन्य जुआ सामग्री जब्त की गई।

नौरादेही टाइगर रिजर्व बनेगा चीतों का नया ठिकाना

2026 तक पहुंचेंगे अफ्रीकी मेहमान

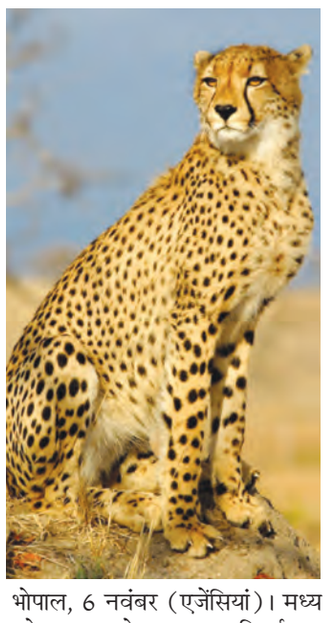

भोपाल, 6 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व अब चीतों की दहाड़ से भी गूंजने वाला है। सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों में फैला वीरांगना रानी दुर्गावती नौरादेही टाइगर रिजर्व अब देश में चीतों के तीसरे घर के रूप में जाना जाएगा। कूनो और गांधी सागर के बाद यह नया ठिकाना भारत में अफ्रीकी चीतों के लिए तैयार हो रहा है। चीतों को बसाने की योजना को नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) की मंजूरी मिल चुकी है।

मंजूरी मिलते ही नौरादेही के टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने भी तैयारी तेज कर दी है। डिप्टी डायरेक्टर डॉ। एए। अंसारी ने बताया, "नौरादेही को 2010 में ही चीतों के तीसरे घर के रूप में चुना गया था। हमने एनटीसीए को प्रस्ताव भेजे हैं। जैसे ही निर्देश मिलेंगे, हम फील्ड में काम शुरू कर देंगे।"

मई 2025 में विशेषज्ञों की टीम ने किया था सर्वे

चीतों को बसाने की दिशा में काम को लेकर मई 2025 में एक विशेषज्ञ टीम ने तीन दिनों तक नौरादेही का दौरा किया था। टीम ने इलाके का बारीकी से निरीक्षण किया और कई अहम सुझाव दिए। जैसे कि चीतों के लिए घास के मैदान बढ़ाना, बाड़े बनाना, और जल स्रोतों को दुरुस्त करना। इन सुझावों पर अब अमल शुरू हो चुका है। माना जा रहा है कि अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक चला, तो 2026 तक चीते नौरादेही पहुंच जाएंगे।

चीतों के लिए मुफीद है नौरादेही का इलाका

नौरादेही का क्षेत्रफल करीब 2339 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें 1414 वर्ग किलोमीटर कोर एरिया और 925 वर्ग किलोमीटर बफर एरिया शामिल है। यहां की भौगोलिक स्थिति और वन संरचना चीतों के लिए बिल्कुल उपयुक्त मानी जा रही है। रिजर्व में बामनेर और व्यारमा जैसी नदियां बहती हैं और सैकड़ों प्राकृतिक तालाब हैं, जो पूरे साल पानी का स्रोत बने रहते हैं। सबसे बड़ी बात, यहां हिरण और अन्य शाकाहारी जानवरों की पर्याप्त संख्या है जो चीतों के लिए भोजन का अच्छा स्रोत बनेगी। 2019 में नौरादेही में बाघ किशन और बाघिन राधा को छोड़ा गया था।

इसके बाद यहां बाघों की संख्या लगातार बढ़ी है और अब यह आंकड़ा 23 तक पहुंच चुका है। अब जब रिजर्व में बाघों की आबादी स्थिर हो चुकी है, तो वन विभाग इसे चीतों के पुनर्वास के लिए तैयार कर रहा है।

चीतों से बढ़ेगा पर्यटन

वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि चीतों के आने से नौरादेही का नाम देश-विदेश में और प्रसिद्ध होगा। इससे इको-टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर मिलेंगे।

तो वोटर लिस्ट से कटेगा ममता बनर्जी का नाम

सुनते ही सिक्योरिटी गाइर्स में मची भागमभाग, बोले- हुजूर अंदर आइए

कोलकाता, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भी स्पेशल इंटेसिव रिवजीन (एसआईआर) की शुरुआत कर दी गई है। रात तक 1.10 करोड़ लोगों को एन्यूमरेशन फॉर्म सौंपा जा चुका है। फॉर्म लेनेवालों में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी शामिल हैं। बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) सीएम आवास पर जाकर उन्हें फॉर्म सौंपा। हालांकि, इस दौरान एक दिलचस्प वाकया हुआ। चुनाव आयोग के अधिकारी जब सीएम ममता के रेजिडेंस पर पहुंचे तो वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। सिक्योरिटी गार्ड ने फॉर्म उन्हें ही सौंपने को कहा।

इसपर बीएलओ ने इनकार करते हुए उन्हें चुनाव आयोग के नियमों के बारे में जानकारी दी। तब जाकर सिक्योरिटी गाड्र्स ने उन्हें अंदर जाने की परमिशन दी। बता दें कि एन्यूमरेशन फॉर्म न भरने की स्थिति में संबंधित वोटर का

नाम मतदाता सूची से कट भी सकता है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर सियासी घमासान जारी है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और इसकी प्रमुख मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। वहीं, सियासी तकरार और बयानबाजी के बीच 6 नवंबर 2025 को बीएलओ ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पहुंचे और उनको एन्यूमरेशन फॉर्म सौंपा। जानकारी के मुताबिक, बीएलओ ने ममता बनर्जी के निर्धारित बूथ के तहत उनके आवास पहुंचकर औपचारिक रूप से फॉर्म उपलब्ध कराया। परिवार के सदस्यों ने पुष्टि की है कि बीएलओ ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और फॉर्म उनके आवास स्थित कार्यालय में जमा कराया गया। फॉर्म भरे जाने के बाद बीएलओ इसे लेने भी जाएंगे। इसके बाद जाकर चुनाव आयोग की ओर से निर्धारित

बीएलओ जब सीएम ममता बनर्जी को एन्यूमरेशन फॉर्म सौंपने पहुंचे, तब एक चौंकाने वाली घटना हुई। बीएलओ जब सीएम ममता के घर पहुंचे, तो सुरक्षाकर्मियों ने उनको गेट पर ही रोक दिया। सुरक्षाकर्मियों ने बीएलओ से एन्यूमरेशन फॉर्म उनको ही दे देने के लिए कहा, लेकिन बीएलओ ने इससे इनकार कर दिया। बूथ लेवल अधिकारियों ने सीएम के घर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे सुरक्षा अधिकारियों को चुनाव आयोग के नियमों का हवाला दिया और स्पष्ट कहा कि फॉर्म केवल मुख्यमंत्री को ही सौंपा जाएगा। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने बीएलओ की सुरक्षा जांच की और फिर उनको मुख्यमंत्री के घर वाले कार्यालय भेजा गया, जहां सीएम ममता ने खुद एन्यूमरेशन फॉर्म स्वीकार किया और बीएलओ से कहा कि इसे भरने के बाद उनको इसके बारे में बताया जाएगा।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने एसआईआर के विरोध में कोलकाता में बड़ी रैली की थी। सीएम ममता बनर्जी ने कोलकाता में एसआईआर को 'साइलेंट, इनविजिबल रिगिंग' बताते हुए आरोप लगाया था कि बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत है। एसआईआर के मुद्दे पर सत्ताधारी टीएमसी और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) आमने-सामने हैं। अब उन्हें भी एन्यूमरेशन फॉर्म सौंपा गया है।

उत्तर भारत में बढ़ने वाली है ठंड 3-5 सेल्सियस तक गिरेगा पारा

कई राज्यों में आंधी के साथ बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में मौसम का मिजाज बदला सा नजर आ रहा है। दिल्ली, नोएडा समेत एनसीआर में शाम से ठंडी हवाएं चल रही हैं। वहीं, पहाड़ी राज्यों और दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 3-5 सेल्सियस और मध्य भारत में 2-4 सेल्सियस की गिरावट आने की उम्मीद है। इससे उत्तर भारत में ठंड बढ़ सकती है। विभाग ने बताया कि इसके बाद मौसम में कुछ खास बदलाव होने की उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

मौसम विभाग ने बताया कि 7 नवंबर तक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में गरज के साथ बारिश हो सकती है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

यहां पर भी होगी बारिश

आईएमडी की रिपोर्ट के अनुसार, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, मिज़ोरम, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, महाराष्ट्र और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। तमिलनाडु और कर्नाटक के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है।

राजस्थान में बढ़ेगी ठंड

राजस्थान में बारिश और 4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवाओं ने ठंडक बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले सप्ताह तापमान में गिरावट आएगी। न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने का अनुमान है। रात और सुबह के समय ठंड बढ़ेगी और कुछ इलाकों में हल्का कोहरा भी छा सकता है। अगले 7 दिनों तक धूप खिली रहेगी, लेकिन रात के तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ जाएगी। राजस्थान के उत्तरी जिलों, जैसे श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर और नागौर में तापमान में सबसे ज़्यादा गिरावट देखी जा सकती है।

शिवमोग्गा के हॉस्टल में छात्रा की मौत

संदिग्ध परिस्थितियों में छत पर लटका मिला शव; परिवार ने वार्डन पर लगाए डांटने के आरोप

शिवमोग्गा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के अंबेडकर छात्रावास में बीएससी की पढ़ाई कर रही एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक छात्रा का नाम वनिशा (21) है।

वनिशा का शव शिवमोग्गा के कोटे रोड स्थित समाज कल्याण विभाग के डॉ। बी।आर। अंबेडकर सरकारी पोस्ट-मैट्रिक गर्ल्स हॉस्टल की छत पर लटका मिला। घटना से पूरे हॉस्टल में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। शिवमोग्गा के डीवीएस कॉलेज में बीएससी लास्ट ईयर की छात्रा वनिशा (21) कॉलेज जाते समय नाश्ता करने के लिए हॉस्टल की छत पर गई थी। कुछ देर बाद, वनिशा का शव टंकी के पास लटका मिला। घटना का पता तब चला जब छत पर कपड़े टांगने गई एक छात्रा ने उसे देखा। बेटी की मौत की खबर सुनकर माता-पिता सदमे में हैं। परिवार को विश्वास ही नहीं रो रहा है कि उनकी बेटी की मौत हो गई है।

माता-पिता का कहना है कि वनिशा का कोई बड़ी समस्या नहीं थी जिससे वह आत्महत्या करें। इसलिए, हॉस्टल में आत्महत्या करने की बात ने सभी को हैरान-परेशान कर दिया है। मौत से एक रात पहले वनिशा ने अपनी मां से फोन पर बात की थी और कहा था कि वह सुबह घर आ जाएगी। हालांकि, वह सुबह ही घर नहीं लौट सकी, उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार के लिए गरीबी में अपनी बेटी को पढ़ाना एक बड़ी चुनौती थी। अब बेटी की मौत से मां का सब्र टूट गया है।

वनिशा बहुत ही प्रतिभाशाली छात्रा थी और बी। एससी। की पढ़ाई कर रही थी। जांच में सामने आया है कि दो दिन लगातार हॉस्टल वार्डन स्वप्ना ने वनिशा को सभी छात्रों के सामने डांटा था। मृतका के जीजा मंजूनाथ ने सीधा आरोप लगाया है कि हो सकता है डांट के चलते उसने आत्महत्या कर ली।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव से पहले बीजेपी अलर्ट, विधायक सुरेश धस और पंकजा मुंडे को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों की आहट के बीच बीजेपी ने संगठन को पूरी तरह एक्टिव मोड में ला दिया है। पार्टी ने राज्य के सभी जिलों में चुनाव प्रमुखों और प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। अब नगरपालिका, नगर परिषद और ग्राम पंचायत चुनावों में बीजेपी अपनी तैयारी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में जुट गई है।

बीड जिले में पंकजा मुंडे और सुरेश धस की जोड़ी

बीड जिले में पार्टी ने दो अहम चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी है। विधायक सुरेश धस को चुनाव प्रमुख बनाया गया है, जबकि मंत्री पंकजा मुंडे को चुनाव प्रभारी की कमान दी गई है। दिलचस्प बात यह है कि विधानसभा चुनाव के बाद दोनों नेताओं के बीच मतभेद की खबरें आई थीं। लेकिन अब स्थानीय चुनाव में दोनों को साथ मिलकर काम करना होगा। पार्टी का मकसद स्पष्ट है। जिला स्तर पर आपसी गुटबाजी खत्म कर बीजेपी को मजबूत बनाना।

ठाणे में एकनाथ शिंदे के गढ़ में उतरे गणेश नाईक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे में बीजेपी ने बड़ा दांव खेला है। पार्टी ने वरिष्ठ नेता गणेश नाईक को ठाणे क्षेत्र का चुनाव प्रभारी बनाया है। गणेश नाईक ठाणे शहर, ग्रामीण ठाणे, कल्याण, उल्हासनगर, मीरा-भाईंदर, भिवंडी और नवी मुंबई में पार्टी के लिए काम देखेंगे। बीजेपी का यह फैसला इस बात की ओर इशारा करता है कि पार्टी शिवसेना (शिंदे गुट) के क्षेत्र में भी अपना जनाधार मजबूत करने की कोशिश में है।

बीजेपी पूरी तरह एक्शन मोड में

जैसे ही स्थानीय चुनावों की घोषणा हुई, बीजेपी ने बिना वक्त गंवाए पूरी तैयारी शुरू कर दी। पार्टी की तरफ से सभी जिलों के चुनाव प्रमुख और प्रभारी तय कर दिए गए हैं। इसका मकसद है, संगठन को नीचे तक मजबूत करना और हर जिले में नेतृत्व स्पष्ट रखना।

किस जिले में कौन संभालेगा मोर्चा

सिंधुदुर्ग जिला से नितेश राणे चुनाव प्रभारी, पुणे ग्रामीण से गणेश बिडकर चुनाव प्रमुख, मुंबई से आशिष शेलार चुनाव प्रभारी, सोलापुर से मंत्री जयकुमार गोरे चुनाव प्रभारी, छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) से मंत्री अतुल सावे चुनाव प्रभारी, नांदेड़ से सांसद अशोक चव्हाण चुनाव प्रभारी, कोल्हापुर से सांसद धनंजय महाडिक चुनाव प्रभारी, रायगढ़ से प्रशांत ठाकुर चुनाव प्रभारी, नाशिक से गिरीश महाजन चुनाव प्रभारी, जळगांव से संजय सावकारे चुनाव प्रभारी, अहिल्यानगर (अहमदनगर) से मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील चुनाव प्रभारी, पुणे जिला से केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोळ चुनाव प्रभारी, रत्नागिरी से निरंजन डावखरे चुनाव प्रभारी, सातारा से मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले चुनाव प्रभारी। बीजेपी का यह कदम बताता है कि पार्टी सिर्फ राज्य या राष्ट्रीय स्तर के चुनावों पर ही नहीं, बल्कि स्थानीय चुनावों में भी रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही है। पार्टी चाहती है कि नगर परिषदों और ग्राम पंचायतों तक उसका संगठन मजबूत हो।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे भविष्य के विधानसभा और लोकसभा चुनावों की दिशा तय कर सकते हैं।

पाकिस्तान में सरकार के खिलाफ जेनजेड का प्रदर्शन

फीस बढ़ोतरी, सेना के अत्याचार को लेकर सड़कों पर उतरे, 'कातिलों जवाब दो' नारा लगाया

इस्लामाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल, बांग्लादेश के बाद अब पाकिस्तान में जेनजेड सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में यह प्रदर्शन शिक्षा में सुधारों, परीक्षा में ई-मार्किंग सिस्टम की खामियां और बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण किया जा रहा है।

यह आंदोलन 4 नवंबर को मुजफ्फराबाद के यूनिवर्सिटी ऑफ आजाद जम्मू एंड कश्मीर से शुरू हुआ, जहां छात्र सेमेस्टर फीस में लाखों रुपए के बढ़ोतरी का विरोध कर रहे थे। हालांकि इसमें एक छात्र गोली लगने से घायल हुआ, जिसके बाद यह प्रदर्शन हिंसक हो गए। यह प्रदर्शन मुजफ्फराबाद से निकलकर मीरपुर, कोटली, रावलाकोट और नीलम वैली तक फैल चुके हैं। लाहौर में भी इंटरमीडिएट छात्रों ने धरना दिया। छात्रों ने आजादी और 'कातिलों जवाब दो, खून का हिसाब दो' जैसे नारे लगाते हुए पाकिस्तानी सेना पर अत्याचार के आरोप लगाए। मुजफ्फराबाद के यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर में सेमेस्टर फीस में 3-4 महीने में लाखों रुपए बढ़ने के कारण छात्र गुस्साए हुए थे। इस प्रदर्शन में इंटरमीडिएट (11वीं-12वीं) के छात्र भी शामिल हो गए, जो मैट्रिक और इंटरमीडिएट स्तर पर लागू ई-मार्किंग (डिजिटल मूल्यांकन) सिस्टम से नाराज हैं।

इससे पहले 30 अक्टूबर को ग्यारहवी के रिजल्ट 6 महीने की देरी से जारी किए गए थे, जिसके कारण स्टूडेंट्स ने विरोध किया था। छात्रों ने आरोप लगाया कि ई-मार्किंग के कारण उन्हें बहुत कम नंबर मिले।

वहीं, कुछ मामलों में तो ऐसी परीक्षाओं में भी पास दिखाया गया जिनकी परीक्षा उन्होंने दी ही नहीं थी। एजुकेशन बोर्ड ने ई-मार्किंग प्रक्रिया की जांच के लिए एक कमेटी गठित की, लेकिन सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया।

जेनजेड की सरकार से 7 अहम मांगे

ई-मार्किंग सिस्टम को तुरंत बंद करना।

री चेकिंग फीस (प्रति सब्जेक्ट 1,500 रुपए) माफ करना।

सात सब्जेक्ट्स के लिए 10,500 रुपए की कीमत गरीब छात्रों के लिए मुश्किल बन रही है। खराब स्कूल-कॉलेज इमारतों, लाइब्रेरी और लैब का निर्माण।

अस्पतालों में दवाओं और डॉक्टरों की कमी दूर करना। पब्लिक ट्रांसपोर्ट बढ़ाना। भ्रष्टाचार और सेना के अत्याचारों पर रोक।

महंगाई को लेकर 5 दिनों तक चला था प्रदर्शन

पीओके में अक्टूबर में बिजली बिलों में वृद्धि, आटे की सब्सिडी और विकास कार्यों की मांग को लेकर प्रदर्शन हुआ था। यह आंदोलन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 5 दिनों तक चला।

यह प्रदर्शन जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएएसी) के नेतृत्व में हुआ था। प्रदर्शनकारी सरकार पर मौलिक अधिकारों की अनदेखी और महंगाई कंट्रोल न कर पाने का आरोप लगा रहे थे।

जेकेजेएएसी ने सरकार के सामने 38 मांगें रखी थी, जिनमें पीओके विधानसभा की 12 रिजर्व सीटें खत्म करने की मांग की गई। सरकार ने प्रदर्शनकारियों की 38 में से 21 मांगे मान ली थी, जिसके बाद विरोध-प्रदर्शन बंद किया गया । इन प्रदर्शनों में 12 लोग मारे गए, जबकि 100 से ज्यादा घायल हुए। पीओके में पहले भी कई बार सेना और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए हैं। पिछले साल मई में सस्ते आटे और बिजली के लिए लोगों ने हड़ताल की थी। लोग कहना है कि पीओके में मौजूद मंगला डैम से बिजली बनती है, फिर भी उन्हें सस्ती बिजली नहीं मिलती।

इसी तरह 2023 में भी बिजली की कीमतें बढ़ाने और गेहूं की सब्सिडी हटाने के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर आए थे।

2022 में भी सरकार के एक कानून के खिलाफ लोगों ने सड़कें जाम की थीं और आजादी के नारे लगाए थे।

कनाडा में मास वीजा कैंसलेशन की तैयारी

कार्नी सरकार ने तैयार किया ट्रंप जैसा प्लान, भारतीयों के लिए बड़ा खतरा

ओट्टावा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा जाने का सपना देखने वालों के लिए एक बुरी खबर आई है। कनाडा की कार्नी सरकार अब ट्रंप की राह पर चलती दिखाई दे रही है। यह ऐसा प्रस्ताव ला रही है, जिससे बड़े पैमाने पर अस्थायी वीजा को रद्द किया जा सकेगा। इस कदम से बड़ी संख्या में भारतीय आवेदकों पर असर पड़ सकता है। कनाडाई मीडिया आउटलेट सीबीएस न्यूज ने आंतरिक दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि इमिग्रेशन, रिफ्यूजी और सिटिजेनशिप कनाडा (आईआरसीसी) और कनाडा सीमा सेवा एजेंसी (सीबीएसए) मांग कर रहे हैं कि धोखाधड़ी या दुरुपयोग के सबूत पाए जाने पर उन्हें अस्थायी निवासी वीजा (टीआरवी) को सामूहिक रूप से रद्द करने का अधिकार दिया जाए।

सीबीएस की रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित बदलाव अगर लागू होता है तो इमिग्रेशन मंत्री धोखाधड़ी, युद्ध या जन स्वास्थ्य संकट जैसी खास परिस्थितियों में वीजा के पूरे बैच को रद्द कर सकेंगे। अभी तक हर मामले को अलग-अलग

निपटाने का प्रावधान है। कार्नी सरकार ने यह कदम बढ़ते शरणार्थी दावों और कनाडा की अस्थायी वीजा प्रणाली की बढ़ती जांच के बीच उठाया है। अधिकारियों ने दस्तावेज सत्यापन में आने वाली कठिनाइयों के साथ ही भारत और बांग्लादेश समेत कुछ देशों से धोखाधड़ी वाले आवेदनों में वृद्धि का हवाला दिया। एक आंतरिक प्रस्तुति में खास खास देश से जुड़ी चुनौतियां कहकर संबोधित किया गया था। ग्लोबल न्यूज के अनुसार, पिछले साल अंतरराष्ट्रीय छात्रों के 20,000 से ज्यादा शरण के दावे दायर किए गए। इनमें सबसे ज्यादा भारत और नाइजीरिया से थे। सीबीसी ने बताया कि भारतीय नागरिकों के शरण के दावों में तेजी से वृद्धि हुई है। यह मई 2023 में प्रतिमाह 500 से भी कम था, लेकिन जुलाई 2024 में लगभग 2000 तक हो गया। इसने संघीय एजेंसियों को निगरानी कड़ी करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

कनाडा का कहना है कि प्रस्ताव व्यापक सुधार प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उन कमियों को दूर करना है जिससे वीजा के लंबित मामले और इसके दुरुपयोग के आरोप बढ़े हैं।

ट्रम्प ने ममदानी का मजाक उड़ाया

कहा– वो न्यूयॉर्क वाला मंडानी या जो भी उसका नाम है, ट्रांसजेंडर अधिकारों का समर्थक हैं

वॉशिंगटन, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को भारतीय मूल के जोहरान ममदानी का मजाक उड़ाया। मियामी में एक बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा, वो जो मंडानी या जो भी उसका नाम है, न्यूयॉर्क वाला सोचता है कि मर्दों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत अच्छा है।

ट्रम्प का यह बयान जोहरान ममदानी के ट्रांसजेंडर अधिकारों को लेकर रुख पर तंज था। असल में ममदानी ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकारों का समर्थन करते हैं।

यानी अगर कोई व्यक्ति जन्म से पुरुष है लेकिन खुद को महिला मानता है (ट्रांसजेंडर वुमन) तो उसे महिलाओं की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति होनी चाहिए।

ट्रम्प ने ममदानी को फिर से कम्युनिस्ट कहा। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क का रिजल्ट दिखाता है कि अब अमेरिकियों के सामने कम्युनिज्म और कॉमन सेंस के बीच चुनाव करना है।

ट्रम्प बोले, "अगर आप देखना चाहते हैं कि संसद में बैठे डेमोक्रेट्स अमेरिका के साथ क्या करना चाहते हैं, तो बस न्यूयॉर्क के चुनाव नतीजे को देख लीजिए। जहां उनकी पार्टी ने देश के सबसे बड़े शहर में एक कम्युनिस्ट को मेयर बना दिया।"

ममदानी बोले- अमीरों पर टैक्स बढ़ाएंगे

न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि उनकी बड़ी जीत दिखाती है कि लोगों ने बदलाव के लिए वोट दिया है और अब वह अपनी प्रोग्रेसिव नीतियों को लागू करेंगे।

ममदानी ने बुधवार को दिए एक इंटरव्यू में कहा, "हमने जो वादा किया, उसे पूरा करना ही हमारा जनादेश है।"

बिलासपुर में एक ही ट्रैक पर फिर आई 3 ट्रेनें

बिलासपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में 2 दिन पहले कोरबा पैसेंजर और मालगाड़ी की टक्कर में 11 लोगों की मौत हो गई। अब गुरुवार को दोबारा एक ही ट्रैक पर 3 ट्रेनें दौड़ने लगी। कोरबा मेमू लोकल ट्रेन के आगे और पीछे दो मालगाड़ी खड़ी हो गईं। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, कोटमीसोनार और जयरामनगर स्टेशन के बीच की यह घटना है। अचानक तीनों ट्रेनों के एक ही ट्रैक पर आने की जानकारी मिलने पर यात्रियों में सहम गए। कई यात्री सुरक्षा की वजह से ट्रेन से नीचे उतर आए। हालांकि रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने तुरंत कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। इस पर बिलासपुर रेलवे जोन के सीपीआरओ सुष्कर विपुल विलासराव ने बताया कि यह ऑटोमैटिक सिग्नलिंग प्रणाली की सामान्य परिचालन है।

जिहाद की आग में इस्लामाबाद को जला देंगे

पाकिस्तान में पंजाब तक पहुंचे टीटीपी के आतंकी, इस्लामिक निजाम का किया ऐलान

इस्लामाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पंजाब पहुंचकर पूरे पाकिस्तान को आग में जलाने की धमकी दी है। टीटीपी की तरफ से वीडियो जारी किया गया है। दावा किया गया है कि ये वीडियो पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का है। इस वीडियो के जरिए टीटीपी ने पाकिस्तान में इस्लामिक निजाम लाने का ऐलान किया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कथित तौर पर पंजाबी मूल के टीटीपी सदस्यों को यह दावा करते देखा जा रहा है वे अब पंजाब प्रांत के भीतर मौजूद हैं।

वीडियो में इन आतंकियों ने इस्लामाबाद समेत कई शहरों में हमलों की धमकी दी है। आपको बता दें कि अब तक टीटीपी को आमतौर पर पाकिस्तान के आदिवासी इलाकों और अफगान

सीमा क्षेत्रों तक सीमित माना जाता था, लेकिन पंजाब में अगर ये वाकई पहुंच चुके हैं तो पाकिस्तान में आने वाले दिनों में इस्लामाबाद समेत कई दूसरे इलाकों में बम धमाके हो सकते हैं। इस वीडियो में दावा किया जा रहा है कि टीटीपी अब पूरे पाकिस्तान में फैल चुका है।

वीडियो में बोल रहा शख्स ऊर्दू में कहता है कि मैं तहरीक-ए-तालिबान से हूं और पाकिस्तान के पंजाब सरजमीं से बोल रहा हूं। हम पंजाब पहुंच चुके हैं और यहां से अपने इरादों को अंजाम दे रहे हैं। अल्ला ताला का लाख लाख शुक्र की उसने हमें पंजाब की शरजमीं से जिहाद की तौहीद बख्शी और हमें चुना गया। हम अल्ला ताला से ये उम्मीद करते हैं कि जल्द पूरे पाकिस्तान में और पंजाब में इस्लामिक निजाम आए। हम इसी कौम से हैं और इसी कौम के दरम्यां मौजूद हैं। वीडियो में इससे आगे पाकिस्तान की सेना को धमकी देते हुए कहा जा रहा है कि हम जालिम फौज को और उसके इदारों को ये वाजिब पैगाम देते हैं कि आप हमारे मुजाहिद्दीन का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। दुश्मन के लिए हमारा पैगाम है कि इंशाअल्लाह आने वाले दिनों में, हम इंशाअल्लाह आपको हैरान करेंगे। इस वीडियो की टाइमिंग भी पाकिस्तान की सेना के लिए खतरनाक चेतावनी है। पाकिस्तान ने सालों से जिहाद के नाम पर आतंकी बनाए और अब वही आतंकियों ने पाकिस्तान के खिलाफ जिहाद शुरू कर दिया है। पाकिस्तान हमेशा दावा करता रहता है कि टीटीपी की गतिविधियां अफगानिस्तान की धरती से संचालित होती हैं और संगठन का देश के भीतर कोई ठिकाना नहीं है। लेकिन टीटीपी कमांडरों ने पाकिस्तान के कई जिलों से वीडियो संदेश जारी कर सरकार के इस दावे को चुनौती दी है।

जापान में भालुओं को पकड़ने के लिए सेना तैनात

7 महीने में 100 हमले, 12 की मौत, लोगों को घरों में घंटियां रखने की सलाह

टोक्यो, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जापान ने बुधवार को कई इलाकों में भालुओं को पकड़ने के लिए सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज (एसडीएफ) को तैनात किया है। भालू विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यहां के पहाड़ी इलाकों में भालुओं का आतंक बढ़ता जा रहा है। अप्रैल से अब तक पूरे देश में 100 से अधिक भालू हमले हो चुके हैं, जिनमें 12 लोगों की मौत हुई है। सबसे ज्यादा मौतें अकिता प्रांत और पड़ोसी शहर इवाते में हुईं। अकिता में भालू दिखने की घटनाएं इस साल छह गुना बढ़कर 8,000 से अधिक हो गईं।

स्थिति बेकाबू होने पर प्रांत के गवर्नर ने सेना की मदद मांगी। बुधवार को एसडीएफ के सैनिक काजुनो शहर पहुंचे, जहां वे भालू पकड़ने के लिए स्टील जाल लगाने में स्थानीय अधिकारियों की मदद कर रहे हैं। वहीं, भालुओं को मारने का काम ट्रेंड शिकारियों को सौंपा गया है। इनसे बचने के लिए अधिकारियों ने लोगों को घरो के बाहर घंटी रखने की सलाह दी है, ताकि तेज आवाज सुनकर भालू घर के पास न आए। काजुनो शहर में रह रहे 30 हजार निवासियों को जंगल से दूर रहने, रात में घर से बाहर न निकलने, घंटी रखने और तेज साउंड की मदद से भालुओं को भगाने की सलाह दी जा रही है। शहर के लोगों ने मीडिया को बताया कि, 'पहले भालू शहरों की तरफ नहीं आते थे, लेकिन अब वे इंसानों की तरफ आते हैं। ये बेहद डरावने हो गए हैं।

मेयर शिंजी सासामोतो ने बताया कि डर के कारण लोग बाहर जाना बंद कर चुके हैं और कई इवेंट भी टाले जा चुके हैं।

सीजीपीएससी घोटाला: 37 सिलेक्टेड कैंडिडेट्स को नियुक्ति का आदेश

हाईकोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराया सरकार की अपील खारिज, पूछा–जांच अधूरी क्यों है

बिलासपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सीजीपीएससी भर्ती घोटाला मामले में सरकार की अपील खारिज कर दी है। कोर्ट ने सिंगल बेंच के फैसले को सही ठहराते हुए सरकार को 37 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की बेंच ने सुनवाई की। इस दौरान चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने सरकार से पूछा कि परीक्षा नियंत्रक को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन गिरफ्तारी के बाद भी जांच अधूरी क्यों है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि जब 37 उम्मीदवारों का चयन हो चुका है, तो अब तक उन्हें नियुक्ति आदेश क्यों नहीं दिए गए। उन्हें अनिश्चितता में क्यों रखा गया है?

दरअसल, इसके पहले 37 सलेक्टेड कैंडिडेट्स को हाईकोर्ट की सिंगल बेंच से नियुक्ति के लिए हरी झंडी मिल गई थी, लेकिन सरकार ने हाईकोर्ट से मिले नियुक्ति आदेश का पालन करने के बजाय फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील की थी। इसी पर डिवीजन बेंच ने आदेश जारी किया है। हाईकोर्ट के एडवोकेट अमन तम्बोली ने बताया कि हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा था कि, मामले की जांच कब तक पूरी हो जाएगी।

ब्यूटी कॉन्टेस्ट में मिस मेक्सिको को बेवकूफ कहा

सोशल मीडिया पर विज्ञापन शेयर न करने पर आयोजक नाराज थे, नाराज कंटेस्टेंट्स ने इवेंट छोड़ा

बैंकॉक, 6 नवंबर (एजेंसियां)। थाईलैंड में चल रहे ब्यूटी कॉन्टेस्ट मिस यूनिवर्स इवेंट के दौरान मंगलवार को विवाद बढ़ गया। मिस यूनिवर्स थाईलैंड के डायरेक्टर नवात इत्साराग्रिसिल ने मंच पर मिस मेक्सिको फातिमा बोश को सबके सामने डांटते हुए बेवकूफ कह दिया।

इसके विरोध में कई देशों की कंटेस्टेंट्स ने हॉल से बाहर निकलकर विरोध जताया। नवात ने फातिमा से कहा कि उन्होंने प्रतियोगिता से जुड़े प्रमोशनल कंटेंट शेयर नहीं किए।

जब फातिमा ने इस पर आपत्ति जताई, तो नवात ने सुरक्षा कर्मियों को बुलाने की धमकी दी और कहा कि जो भी उनके समर्थन में आएगा, उसे प्रतियोगिता से बाहर किया जा सकता है। इसके बाद फातिमा मंच छोड़कर बाहर चली

गईं। सोशल मीडिया पर भारी विरोध के बाद नवात ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी और कहा कि अगर किसी को बुरा लगा है, तो वह माफी चाहते हैं।

घटना के बाद मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन (एमयूओ) ने नवात के व्यवहार को 'दुर्भावनापूर्ण और अपमानजनक' बताते हुए कड़ी निंदा की।

संगठन के अध्यक्ष राउल रोचा ने एक वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा कि नवात ने बतौर मेजबान अपने कर्तव्य का सम्मान नहीं किया और एक महिला को धमकाकर उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई।

रोचा ने कहा कि नवात की भूमिका को सीमित कर दिया जाएगा और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हॉल से बाहर जाने वालों में मौजूदा मिस यूनिवर्स, डेनमार्क की विक्टोरिया किएर थेलविग भी शामिल थीं। बाहर निकलते वक्त उन्होंने कहा, "यह महिलाओं के अधिकारों का सवाल है। किसी लड़की की बेइज्जती बर्दाश्त नहीं की जा सकती। इसलिए मैं यहां से जा रही हूं।"

फ्लेरामैक्स फ्रॉड की उच्च स्तरीय जांच होगी

40 हजार महिलाओं के नाम से लोन निकलवाया कंपनी में 120 करोड़ निवेश कर धोखाधड़ी की

कोरबा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की 40 हजार आदिवासी महिलाओं से फ्लोरामैक्स कंपनी ने अरबों रुपए की कथित धोखाधड़ी की है। इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने राज्य सरकार को इस फ्रॉड के उच्च स्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय एजेंसी अब इस मामले की जांच करेगी।

पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने आयोग में शिकायत की थी। जिसके बाद आयोग ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं। शिकायत में बताया गया था कि महिला समूह (ग्रामीण आजीविका मिशन) के जुड़ी आदिवासी महिलाओं को लालच देकर कंपनी ने 30-30 हजार लोन निकलवाया और कपंनी में 120 करोड़ निवेश किए थे। आयोग ने 30 दिन के अंदर जवाब भी मांगा है।

ननकीराम कंवर ने 9 दिसंबर 2024 को केंद्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग से शिकायत की थी। उन्होंने मांग की थी कि मामले की जांच केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और पीड़ित महिलाओं को राहत दी जाए। आयोग ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन से रिपोर्ट तलब की थी। प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आयोग ने 16 अक्टूबर 2025 को मुख्य सचिव को सुनवाई के लिए बुलाया था। मुख्य सचिव की ओर से बिलासपुर संभाग आयुक्त सुनील कुमार जैन आयोग के सामने उपस्थित हुए और अपना पक्ष रखा।

पाकिस्तान बोला- तालिबानियों की एक कप चाय महंगी पड़ी

डिप्टी पीएम ने कहा- आतंकियों से दोस्ती का खामियाजा भुगत रहे, इमरान इसके जिम्मेदार

इस्लामाबाद, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को तालिबान से दोस्ती को देश के लिए महंगा बताया। उन्होंने अफगानिस्तान से जुड़े आतंकवाद के लिए पूर्व पीएम इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया।

डार ने संसद में 2021 के एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब तत्कालीन आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद काबुल गए थे। वहां चाय पीते हुए उन्होंने कहा था कि सब ठीक हो जाएगा।

डार ने कहा कि अफगानिस्तान की उस एक कप चाय की आज तक देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

डार बोले- हजारों आतंकी पाकिस्तान लौट आए

डार ने इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार ने तालिबान के सत्ता में आने के बाद बॉर्डर खोल दीं। इससे आतंकी वापस लौट आए। पाकिस्तानी-तालिबान, फित्ना अल-ख्वारिज और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे ग्रुप अफगानिस्तान से हमले कर रहे हैं।

डार ने कहा, जब हम वहां जाते हैं तो वे कहते हैं कि हम एक कप चाय के लिए आए हैं, अल्लाह सबकी मुश्किलें कम करे, लेकिन उस कप चाय की कीमत हमें सबसे ज्यादा चुकानी पड़ी है।

डार ने कहा- उस चाय के प्याले ने पूरी सीमा फिर से खोल दी। 35-40 हजार तालिबानी जो यहां से भाग गए थे, फिर से वापस आ गए।

इमरान सरकार ने उन आतंकियों को रिहा कर दिया जिन्होंने स्वात में पाकिस्तानी झंडे जलाए थे, लोगों को बेरहमी से मारा था। उस समय रिहा किए गए आतंकी आज बलूचिस्तान में हमलों के सरगना हैं। यह सब हमारे लिए एक सबक है।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल गए थे फैज हामिद

तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही करीब-करीब पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था।

दुनिया को पहले ही शक था कि पाकिस्तान फौज और आईएसआई तालिबान की पूरी मदद कर रही है। सितंबर 2021 की शुरुआत में जनरल फैज हमीद चुपचाप काबुल पहुंचे। यहां एक ही फाइव स्टार सेरेना होटल है।

यहां वे तालिबान के आला नेताओं के साथ हाथ में चाय का प्याला लेकर कहकहे लगा रहे थे। संयोग से इसी होटल में ब्रिटेन की एक महिला जर्नलिस्ट मौजूद थी।

लातेहार जिला परिषद का बड़ा बाबू गिरफ्तार

एसीबी ने 65 हजार रिश्वत लेते दबोचा, ऑफिस से हुआ अरेस्ट, आवास से भी मिले कई दस्तावेज

लातेहार, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) पलामू की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला परिषद के बड़ा बाबू संतोष सिंह को 65,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार बड़ा बाबू को दफ्तर से अरेस्ट किया। इसके बाद पड़ताल के लिए सरकारी आवास भी लेकर गई। वहां जांच के बाद टीम लेकर चली गई।

जानकारी के मुताबिक, लातेहार के संवेदक बबलू पांडेय ने पुल निर्माण का कार्य पूरा कर लिया था, लेकिन भुगतान रोक दिया गया था। भुगतान के एवज में बड़ा बाबू संतोष सिंह ने 65 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। परेशान होकर संवेदक ने एसीबी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद टीम ने योजना बनाकर

कार्रवाई की। एसीबी सूत्रों के अनुसार, शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही संवेदक ने तय राशि संतोष सिंह को सौंपी, पलामू एसीबी की टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें उनके सरकारी क्वार्टर से रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उनके आवास की भी तलाशी ली गई। जिसमें कई दस्तावेज और लेन-देन से जुड़ी जानकारी मिली है। एसीबी की इस कार्रवाई के बाद लातेहार जिला परिषद कार्यालय में हड़कंप मच गया है। कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल देखा गया और कई अधिकारी तुरंत दफ्तर छोड़कर निकल गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि संतोष सिंह पिछले कई वर्षों से एक ही कार्यालय में पदस्थापित थे। कई बार उपायुक्त बदले जाने के बावजूद उनका तबादला नहीं हुआ। कुछ समय पहले उन्हें महुआडांड़ प्रखंड भेजा गया था, लेकिन वह फिर से जिला परिषद कार्यालय लौट आए।

'मीटिंग-मीटिंग का खेला खेल रही है डबल इंजन की सरकार' : नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

अजमेर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनता की समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए केवल मीटिंगों का खेला खेल रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह 'पर्ची की सरकार' है, जहां एक मीटिंग खत्म होने से पहले दूसरी मीटिंग बुला ली जाती है, लेकिन किसी भी निर्णय पर अमल नहीं होता। सरकार केवल टाइम पास कर रही है, जबकि प्रदेश में आए दिन हादसे हो रहे हैं और कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है।

जूली अजमेर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से औपचारिक बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रीगण केवल फोटो खिंचवाने और बयान देने में व्यस्त हैं, जबकि आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और अपराध की मार झेल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा उपचुनाव 2025 में अन्ता सीट पर कांग्रेस भारी मतों से विजयी होगी। जनता भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को भलीभांति पहचान चुकी है और अब सबक सिखाने के मूड में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन मजबूत है और कार्यकर्ता जोश में हैं, जनता का भरोसा कांग्रेस पर है।

अजमेर प्रवास के दौरान नेता प्रतिपक्ष जूली ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी इंदिरा देवी के आकस्मिक निधन पर उनके निवास स्थान पहुंचकर शोक संवेदना प्रकट की और शोकग्रस्त परिवार को ढांढस बंधाया।

इस अवसर पर उनके साथ विधायक विकास चौधरी, विधायक रामकेश, विधायक अमित चाचण, अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विजय जैन, कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र सिंह, प्रदेश सचिव सुनील लारा, शहर महासचिव शिवकुमार बंसल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी बुदेल, एनएसयूआई अध्यक्ष अंकित घारू, पार्षद मनीष सेट्टी, मनीष चौरसिया, कैलाश कोमल, अंकुर त्यागी, अहमद हुसैन, अकरम कुरैशी, दीनदयाल पवार और दिलीप सामतानी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरमाड़ा हादसे के घायलों से गहलोत ने की मुलाकात

सरकार पर लगाया संवेदनहीन होने का आरोप

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर के हरमाड़ा हादसे में घायल लोगों से एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। गहलोत ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार हादसों के बाद तब ही हरकत में आती है, जब लोग धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होते हैं। उन्होंने कहा कि हरमाड़ा में डंपर की टक्कर से 13 लोगों की मौत हो गई, लेकिन अब तक सरकार की ओर से किसी प्रकार का मुआवजा घोषित नहीं किया गया है, जो बेहद संवेदनहीनता है।

गहलोत ने कहा कि चाहे जोधपुर का हादसा हो या जैसलमेर में बस में आग लगने की घटना, सरकार तब ही राहत देती

है जब लोग मॉर्च्यूरी के बाहर विरोध दर्ज कराते हैं। उन्होंने मांग की कि हरमाड़ा हादसे के सभी पीड़ितों और मृतकों के परिवारों को तत्काल राहत राशि दी जाए।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घटना में गुजरात और बिहार के लोग भी घायल हुए हैं, इसलिए सरकार को बिना भेदभाव सहायता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान और जोधपुर हाईकोर्ट ने सड़क हादसों पर संज्ञान लिया है, जो खुद सरकार की विफलता को दर्शाता है। गहलोत ने सुझाव दिया कि सरकार को एक विशेष समिति गठित कर विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए, ताकि सड़क हादसों पर प्रभावी रोक लग सके। उन्होंने कहा कि कई जगह सड़कों पर स्पीड ब्रेकर नहीं हैं और कई स्थानों पर गलत तरीके से बने हैं, जिससे हादसे बढ़ रहे हैं। आज आरटीओ के पास गाड़ियों की गति मापने की मशीनें मौजूद हैं, फिर भी सड़क सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। लगातार हो रही मौतें सरकार की नाकामी को दर्शाती हैं।

अस्पताल में गहलोत ने घायल गुजरात निवासी मनोज गोविंद व्यास से मुलाकात कर हालचाल जाना। मनोज ने बताया कि वे छह दोस्तों के साथ खाटूश्यामजी दर्शन के लिए आए थे। हादसे में उनके दो दोस्तों की मौत हो गई और चार घायल हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद लूटपाट की भी घटना हुई, जिसमें उनका मोबाइल और पर्स चोरी हो गया।

नीमकाथाना निवासी देशराज ने बताया कि हादसे में उनका ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायल होने के बावजूद उन्होंने अन्य लोगों की मदद की। वहीं गोविंदपुरा कालवाड़ निवासी ज्ञानरंजन ने बताया कि उनके पिता अजय को गंभीर चोटें आई हैं और वे आईसीयू में भर्ती हैं।

गुर्जरों ने फिर दिया सरकार को अल्टीमेटम

बैसला बोले- 30 दिन का समय वरना हम जानते हैं कील ठोकना

दौसा, 6 नवंबर (एजेंसियां)। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति की अहम बैठक दौसा जिले के पांचोली गांव में आयोजित की गई। बैठक में समिति अध्यक्ष विजय बैसला ने भाग लिया। उन्होंने बैठक की शुरुआत स्वर्गीय कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की और उनके आदर्शों को नमन किया। पांचोली गांव में आयोजित इस बैठक में समाज के पंच-पटेलों और बाहर से आए प्रतिनिधियों ने भाग लेकर समाज की मांगों पर अपने विचार रखे।

सात प्रमुख मांगें पिछले कई वर्षों से लंबित- बैसला

करीब तीन से चार घंटे तक चली इस बैठक में समाज के

उत्थान, शिक्षा, रोजगार और आरक्षण संबंधी मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। विजय बैसला ने बैठक में कहा कि जून में भरतपुर में महापंचायत हुई थी और उस दौरान जो समझौता पत्र तैयार हुआ था उसकी क्रियान्वित अभी तक नहीं हुई है। देवनारायण योजना के अंतर्गत संचालित छात्रावासों की स्थिति संतोषजनक नहीं है। समाज के छात्रों को बेहतर सुविधाएं और पारदर्शी व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज की सात प्रमुख मांगें पिछले कई वर्षों से लंबित हैं, लेकिन मंत्रिमंडल की उप समिति के स्तर पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

गुर्जर समाज ने दिया 30 दिन का अंतिम समय

बैसला ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा, 'यदि मंत्रिमंडल उप समिति के मंत्री समाज की बात नहीं सुन सकते तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा देकर समाज के बीच जाकर चर्चा करनी चाहिए। सरकार को हम 30 दिन का अंतिम समय दे रहे हैं। यदि इस अवधि में मांगे नहीं मानी गईं, तो गुर्जर समाज आर-पार की लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडलीय उप समिति केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही है, काम कुछ कर नहीं रही यदि हमने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो फिर वहां ट्रेनें ही रुकेंगी।

रूपनारायण गुर्जर के परिजनों ने अनुकंपा नियुक्ति की मांग की

बैठक के दौरान आरक्षण आंदोलन में गोली लगने से घायल होने के बाद ईलाज के दौरान जान गंवाने वाले रूपनारायण गुर्जर के परिजन भी पहुंचे। परिवार की महिलाओं और पुरुषों ने विजय बैसला के समक्ष अपनी व्यथा रखी और अनुकंपा नियुक्ति की मांग की।

बैठक में बड़ी संख्या में समाज के युवा, वरिष्ठजन और महिलाएं मौजूद रहीं। बैठक के अंत में समिति ने सर्वसम्मति से सरकार को 30 दिन का अल्टीमेटम देने का निर्णय लिया और कहा कि अब गुर्जर समाज अपने अधिकारों की प्राप्ति तक संघर्ष जारी रखेगा।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की घोषणा

नए सत्र में 312 स्कूल होंगे मर्ज

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों को मर्ज करने की शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। नए सत्र से ऐसे स्कूलों को नजदीकी स्कूल में मर्ज किया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि पहले चरण में ऐसे 312 स्कूलों को मर्ज किया जाएगा। इनमें 25 से कम नामांकन वाले 155 सीनियर सेकंडरी स्कूल और शून्य नामांकन वाले 157 प्राथमिक स्कूल शामिल हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि इस साल 449 स्कूलों का मर्ज किया जा चुका है।

भर्ती और प्रमोशन पर शिक्षा मंत्री का आश्वासन

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने

कहा कि लम्बे समय से अटकी प्रमोशन की प्रक्रिया का समाधान करते हुए 22 माह में 50,000 कर्मचारियों का प्रमोशन किया गया। जल्द कानूनी प्रक्रिया को पूरा करते हुए 21 हजार पदों पर भर्ती, प्रमोशन की जाएगी।

अब प्रदेश में लागू होगा स्टाफिंग पैटर्न

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सुनने में आता है कहीं बच्चे कम और अध्यापक अधिक हैं, तो कहीं अध्यापक कम और बच्चे अधिक। अब राजस्थान में स्टाफिंग पैटर्न लागू होगा। वहीं, एक निजी स्कूल में छात्रा की मौत के मामले में शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि टीम जांच कर रही है। जांच टीम 2 दिन में निर्णय ले लेगी।

विलायती बबूलों को समूल किया जाएगा नष्ट

मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि कांग्रेस राज में बोए गए विलायती बबूलों को भी समूल नष्ट किया जाएगा।

प्रदेश में बड़ी संख्या में बबूल के पेड़ हैं। यह बबूल स्वास्थ्य और जल स्तर के लिए नुकसानदायक है। बबूल की वजह से प्रदूषण होता है।

एटीएस के शिकंजे में आया मौलवी

तहरीक-ए-तालिबान के साथ चार साल से जुड़े थे तार

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान एटीएस ने आतंकवाद से जुड़ा एक बड़ा नेटवर्क उजागर किया है। एटीएस ने सांचौर के मौलवी ओसामा उमर को गिरफ्तार किया है, जो पिछले चार साल से अफगानिस्तान के प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के टॉप कमांडरों के संपर्क में था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ओसामा इंटरनेट कॉलिंग के जरिए विदेशी आतंकी कमांडरों से संपर्क करता था और देश में कट्टरपंथ फैलाने का काम कर रहा था। वह चार अन्य युवकों का ब्रेनवॉश कर उन्हें कट्टर विचारधारा अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा था। एटीएस की कार्रवाई में सामने आया कि ओसामा दुबई के रास्ते अफगानिस्तान भागने की योजना बना रहा था। अधिकारी बताते हैं कि अगर कार्रवाई दो दिन और टल जाती, तो वह भारत से बाहर जा सकता था।

पिछले दिनों एटीएस ने राजस्थान के चार जिलों में एक साथ छापेमारी कर पांच संदिग्धों को पकड़ा था। इनमें सांचौर का ओसामा उमर, बाड़मेर का मसूद पंडीपार, जोधपुर के पीपाड़ का मोहम्मद अयूब, करौली के बागोर मोहल्ले का मोहम्मद जुनेद और बाड़मेर के रामसर का बशीर शामिल हैं। एटीएस आईजी विकास कुमार के अनुसार ओसामा और उसके सहयोगी कट्टरवाद (रेडिकलाइजेशन) फैलाने में सक्रिय थे। ओसामा युवाओं को कट्टर विचारधारा की ओर मोड़ने के लिए धार्मिक बहाने का इस्तेमाल करता था।

एटीएस अधिकारियों ने बताया कि कट्टरपंथ की ओर झुकने वाले लोगों को वापस मुख्यधारा में लाने के लिए एक डी-रेडिकलाइजेशन टीम बनाई गई है। इस टीम में एटीएस अधिकारियों के साथ समाज के उदार विचार वाले और धार्मिक विशेषज्ञ शामिल हैं, जो ऐसे लोगों की काउंसलिंग कर उन्हें सही दिशा में लाने का काम करते हैं। मौलवी ओसामा इन्हीं चार लोगों को कट्टर विचारधारा की शिक्षा दे रहा था। फिलहाल एटीएस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है।

फिर जेडीए की बड़ी कार्रवाई

69 बीघा जमीन से हटाया अतिक्रमण

2 नई अवैध कॉलोनी भी ध्वस्त

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की प्रवर्तन शाखा ने अतिक्रमणकारियों पर एक बार फिर बड़ी कारवाई की। साथ ही करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। जेडीए ने आगरा रोड स्थित सुमेल क्षेत्र के जोन-10 में ईकोलॉजिकल जोन के तहत कार्रवाई करते हुए 69 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटवाया।

उप महानिरीक्षक पुलिस (जविप्रा) राहुल कोटोकी के निर्देशन में प्रवर्तन टीम ने ग्राम मालपुरा डूंगर और सुमेल में सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमणों को हटाकर करीब 69 बीघा सुविधा क्षेत्र की भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई। टीम ने निर्माणाधीन मकान, कोठरियां, बाउंड्रीवाल और अन्य अवैध ढांचों को जेसीबी मशीनों व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया।

साथ ही सुमेल व बेनाडा की ढाणी में विकसित की जा रही दो नई अवैध कॉलोनियों को भी नष्ट किया गया, जहां बिना स्वीकृति व भू-रूपांतरण के सड़कों और प्लॉटों की बाउंड्री बनाई जा रही थी।

जेडीए अधिकारियों ने चेतावनी दी कि ईकोलॉजिकल जोन में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या कॉलोनी विकास सख्ती से रोका जाएगा और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ते हादसों पर जोगेश्वर गर्ग बोले- यह संयोग है

भविष्यवाणी पहले से थी; अंता उपचुनाव पर जीत का दावा

जोधपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि हादसे केवल राजस्थान में ही नहीं, बल्कि पूरे देश और दुनिया में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले अमेरिका में सड़क दुर्घटनाओं का नामोनिशान नहीं था, लेकिन अब वहां भी हादसे बढ़ रहे हैं। हमारे यहां बसों और कारों में आग लग रही है। पाली के पास स्कॉर्पियो हादसे में पांच दरवाजे होने के बावजूद पांचों लोग नहीं बच सके, यह मात्र संयोग कहा जा सकता है।

गर्ग ने स्पष्ट किया कि उन्हें ज्योतिष विज्ञान पर गहरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि विक्रम संवत 2082 के प्रारंभ में देश सहित जोधपुर के कई ज्योतिषाचार्यों ने यह भविष्यवाणी की थी कि इस वर्ष हादसे, आग और जनहानि बड़ी मात्रा में होंगी। यह भी कहा गया था कि युद्ध, भूकंप और बाढ़ जैसी आपदाएं देश-विदेश में बढ़ेंगी। अब जो घटनाएं हो रही हैं, वे उसी भविष्यवाणी का परिणाम हैं। जोगेश्वर गर्ग ने अंता विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भले ही मजबूत प्रत्याशी (प्रमोद जैन भाया को) उतारे, लेकिन भाजपा की जीत एकतरफा होगी। गर्ग ने मीडिया से बातचीत में कहा कि निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा की भाषा पर किसी तरह का कोई कंट्रोल नहीं है, फिर कभी भी कुछ भी कह सकते हैं। एक अलग तरह की राजनीति उनकी है। वह अपने अनुसार चल रहे हैं॥

गर्ग ने कांग्रेस पर तंज कसा कि पिछले उपचुनाव में भी कांग्रेस ने दावा किया था कि वह कई सीटें जीतेगी, लेकिन चार सीटों में से केवल एक ही बचा पाई। इस बार भी कुछ ऐसा ही नतीजा सामने आएगा। जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि भाजपा के लिए माहौल पूरी तरह अनुकूल है और सत्ता-विरोधी लहर नगण्य है। उन्होंने कांग्रेस के उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया के बारे में कहा कि वे निस्संदेह एक मजबूत उम्मीदवार हैं, लेकिन जितने उनके प्लस पॉइंट हैं, उतने ही माइनस पॉइंट भी। उन्होंने बिहार चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां एनडीए गठबंधन की मजबूती दिखी और उसी का लाभ भाजपा को मिल रहा है। गर्ग ने लालू प्रसाद यादव परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग अब 'जंगल राज' हटाने की बात कर रहे हैं, वही कभी बिहार में 'जंगल राज' लेकर आए थे। चारा घोटाला और नौकरी के बदले जमीन के मामलों में उनका परिवार पहले से ही आरोपित है।

जोगेश्वर गर्ग ने राहुल गांधी के 'वोट चोरी के मुद्दे' पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। गर्ग ने बताया कि चुनाव आयोग ने आठ करोड़ मतदाताओं का परीक्षण किया, लेकिन एक भी मतदाता ऐसा सामने नहीं आया जिसने कहा कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है।

'पुष्पा स्टाइल' तस्करी का खुलासा

पानी के टैंकर में पकड़ा 1 करोड़ का नशा, पिता-पुत्र समेत 3 गिरफ्तार

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। शाहपुरा की कोटड़ी स्थानीय थाना पुलिस की आंख में धूल झोंकने के लिए पुष्पा फिल्म की स्टाइल में पानी के टैंकर में नशे की खेप ले जाने का भंडाफोड़ हुआ है। कोटड़ी पुलिस और स्पेशल टीम ने पानी के टैंकर में तस्करी का नया खेल पकड़ा। टैंकर से 1 करोड़ रुपए का डोडा चूरा बरामद किया। मौके से पिता-पुत्र समेत 3 जनों को गिरफ्तार किया है। एस्कॉर्ट कर रही कार को भी जब्त किया और एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज हुआ।

थानाप्रभारी महावीर प्रसाद को मुखबिर से सूचना मिली कि चित्तौड़गढ़ जिले से टैंकर में मादक पदार्थ तस्करी कर लाया जा रहा है। कोटड़ी क्षेत्र के गेहुली गांव के पास कंकरोलिया घाटी रोड पर आरबी माइन के सामने नाकाबंदी की गई। शंका के आधार पर टैंकर को रुकवाया। तलाशी लेने पर उसमें 35 कट्टों में 710 किलो 530 ग्राम डोडा चूरा जब्त किया।

मौके से धनौरा (चित्तौड़गढ़) निवासी रामचन्द्र शर्मा (52), उसका बेटा मोनू (33) और भगवानपुरा (चित्तौड़गढ़) निवासी दिनेश कुमार गुर्जर (26) को गिरफ्तार किया। दिनेश तस्करी में टैंकर का चालक था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मादक पदार्थ की कीमत करीब एक करोड़ पांच लाख रुपए आंकी गई है। टैंकर के आगे पुलिस की निगरानी के लिए कार चल रही थी। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है।

नदी पार करते समय बनास में बहे तीन बाइक सवार

सवाई माधोपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के मलारना डूंगर थाना क्षेत्र में बाइक से जा रहे तीन युवक बनास नदी की ओलवाड़ा रपट पर पानी के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक ने किसी तरह तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि दो युवक अब भी लापता हैं। फिलहाल स्थानीय गोताखोरों की टीम दोनों युवकों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आसपास तीन युवक कासिम (15) पुत्र कामिल खां, शाकिब (10) पुत्र बच्चू खां और शाहिद (19) पुत्र बच्चू खां बाइक से मलारना स्टेशन से ओलवाड़ा रपट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बनास नदी में पानी का तेज बहाव होने के कारण तीनों बाइक सहित बह गए।

पंचर ट्रॉली खड़ी थी सड़क पर , रॉकेट की रफ्तार से आई बाइक घुस गई, राजस्थान में फिर 6 लोगों की मौत

श्रीमाधोपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एक के बाद एक हाथ हो रहे हादसे लोगों को डरा रहे हैं। एक बार फिर राजस्थान के सीकर के श्रीमाधोपुर इलाके से सड़क दुर्घटना की खबर सामने आई है। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि तीनों बाइक पर सवार थे, जो ट्रैक्टर ट्राली में जा घुसी।सीकर : प्रदेश में लगातार हादसों की बाढ़ आ रही है। इन दुखद हादसों में एक बार फिर तीन परिवारों ने अपनों को खो दिया है। ताजा मामला सीकर जिले के श्रीमाधोपुर क्षेत्र का है। यहां दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रात्रि करीब एक बजे के आसपास थोई-कांवट बाईपास रोड पर हुआ।

थोई थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया की बाइक पर सवार होकर आ रहे प्रीतमपुरी निवासी दो सगे भाई दिनेश कुमार सैन, दीपक सैन तथा चचेरे भाई हिमांशु सैन सड़क के किनारे खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए। बताया जा रहा है कि ट्रॉली का टायर पंचर था और वह सड़क किनारे खड़ी थी। हादसे के बाद तीनों को घायल अवस्था में थोई अस्पताल लाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रैफर किया गया। रास्ते में ही दोनों सगे भाई दिनेश व दीपक ने दम तोड़ दिया, जबकि हिमांशु ने देर रात जयपुर में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली।

कुछ इसी प्रकार की घटना हरियाणा जिले के नारनौल में भी हुई। दुखद बात यह है कि इस घटना में राजस्थान के तीन लोगों की मौत हो गई, जिसमें दो सगे भाई मनोज कुमार (20) निरंजन कुमार (22) और एक अन्य दीपक गुर्जर (22) हादसे का शिकार हो गए। बताया जा रहा है कि तीनों बाइक पर बैठकर शादी में शामिल होने के लिए ठाठवाड़ी गांव जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में खड़े ट्रेक्टर ट्रॉली में जा भिड़े। बताया जा रहा है कि अंधेरे की वजह से उन्हें ट्रेक्टर ट्रॉली नहीं दिखी और सभी हादसे का शिकार हो गए।

60 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज चली कार या बाइक तो दर्ज होगी केस

जयपुर, 6 नवंबर (एजेंसियां)। अगर आप जयपुर शहर में हैं और बाइक या कार चलाते हैं तो आपके लिए एक जरूरी खबर है। शहरी क्षेत्र में अब कार या बाइक को 60 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज चलाया तो अब आपके खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा। अब तक ट्रैफिक पुलिस ओवर स्पीड से वाहन चलाने वालों के खिलाफ सिर्फ चालान की कार्रवाई करके जुर्माना वसूलती थी। लेकिन अब सिर्फ चालान तक की कार्रवाई नहीं होगी बल्कि चालान के साथ आपके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। पिछले दिनों जयपुर शहर के हरमाड़ा क्षेत्र में हुए डंपर हादसे के बाद ट्रैफिक पुलिस ने ओवर स्पीड पर मुकदमा दर्ज करने का निर्णय लिया है।

पहली गलती पर ही लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू

अमूमन देखा जाता है कि पहली या दूसरी बार यातायात के नियमों का उल्लंघन करने पर ट्रैफिक पुलिस सिर्फ चालान की कार्रवाई करती है। अगर कोई वाहन चालक बार बार यातायात नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई होती है। अब जयपुर ट्रैफिक पुलिस पहली बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर ही लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू करने वाली है। डीसीपी ट्रैफिक सुमित मेहरड़ा का कहना है कि ओवर स्पीड या शराब पीकर वाहन चलाने वालों का लाइसेंस निरस्त करने का प्रस्ताव आरटीओ को भेजा जाएगा।

चेवेल्ला बस हादसे के बाद आरटीसी बसों में एडीएएस प्रणाली लगाने की मांग तेज

सुरक्षा प्रणाली से दुर्घटनाओं में 40 प्रतिशत तक कमी आने का दावा

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में हुई चेवेल्ला बस दुर्घटना के बाद सार्वजनिक परिवहन वाहनों में उन्नत चालक सहायता प्रणाली (एडीएएस) लगाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। हैदराबाद-बीजापुर राजमार्ग पर आरटीसी बस और बजरी से लदे टिपर की आमने-सामने की टक्कर में 19 लोगों की मौत और दर्जनभर से अधिक लोगों के घायल होने के बाद यह मुद्दा फिर चर्चा में आया है। एडीएएस प्रणाली ड्राइवर को वास्तविक समय में अलर्ट देती है ताकि वाहन सुरक्षित दूरी बनाए रख सकें।

यह पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों और आवारा जानवरों से संभावित टक्करों के बारे में भी चेतावनी देती है और गाड़ी के अनजाने में भटकने पर लेन-डिपार्चर अलर्ट जारी करती है।

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए अपने बेड़े में एडीएएस प्रणाली शामिल करने पर तकनीकी अध्ययन शुरू किया था।

अध्ययन में पाया गया कि जिन बसों में यह प्रणाली लगाई गई थी, उनमें राजमार्ग दुर्घटनाओं में 40 प्रतिशत तक की कमी आई। हैदराबाद-बेंगलुरू, हैदराबाद-विजयवाड़ा और हैदराबाद-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाली कुछ बसों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह तकनीक लगाई गई है। मार्च 2023 से अप्रैल 2024 के बीच इन मार्गों पर एडीएएस से लैस बसों में होने वाली घातक दुर्घटनाओं की संख्या अन्य बसों की तुलना में काफी कम रही।

आईएनएआई (आईआईआईटी-हैदराबाद, तेलंगाना सरकार और इंटेल की संयुक्त पहल) द्वारा संचालित यह परियोजना एआई आधारित तकनीक के ज़रिए सड़क सुरक्षा बढ़ाने पर केंद्रित है। इसमें मोबाइलआई कंपनी द्वारा विकसित प्रणाली वाहन के विंडशील्ड पर लगे कैमरे से आगे की सड़क को स्कैन कर जोखिमों की पहचान करती है और ड्राइवर को ऑडियो व विजुअल चेतावनी देती है। हालांकि, बजट की कमी और प्रक्रियागत मंजूरियों में देरी के कारण इसे बड़े पैमाने पर लागू नहीं किया जा सका है।

अधिकारियों ने बताया कि मंजूरी मिलने के बाद यह तकनीक विशेष रूप से उन मार्गों पर लागू की जाएगी जहां भारी वाहन और लंबी दूरी की बसें चलती हैं, जिससे सड़क सुरक्षा में बड़ा सुधार आ सकेगा।

अधिकारियों ने पाठशाला में बच्चों को भेजने के लिय गांव में जागरूक किया गया

मदनूर, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल की ऋषेगांव गांव की पाठशाला छह माह से बंद मंडल शिक्षण अधिकारी की लापरवाही का आरोप के नाम से 4 नवंबर को स्वतंत्र वार्ता में समाचार छपने के बाद मदनूर मंडल शिक्षण अधिकारी हरकत में आकर गुरुवार को ऋषेगाव प्राथमिक पाठशाला में एक अध्यापक को भेज कर छह महीने बंद पड़े पाठशाला को प्रारंभ करने की कोशिश की। ग्राम पंचायत सचिव कृष्ण वेणी बताया कि पाठशाला अध्यापक के साथ मिलकर गांव में घर घर ज्याकर बताया जाएगा कि गांव में पाठशाला प्रारंभ कर रहे हैं आप अपने बच्चे को पाठशाला में शिक्षण ग्रहण करने के लिए भेजने के लिय ज्यागरुक करें।

जेएनयू छात्रसंघ चुनाव में लेफ्ट यूनिटी ने जीती चारों सीट

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में 4 नवंबर को हुए छात्रसंघ चुनाव के नतीजे आज (6 नवंबर) घोषित कर दिए गए। सेंट्रल पैनल की सभी चारों सीटों (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनरल सेक्रेटरी और जॉइंट सेक्रेटरी) पर लेफ्ट यूनिटी के उम्मीदवारों की जीत हुई है। पिछले साल एक सीट एबीवीपी के खाते में गई थी, लेकिन इस बार सिर्फ जॉइंट सेक्रेटरी पोस्ट ही ऐसी थी जिस पर कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस पोस्ट पर लेफ्ट के सुनील यादव ने मामूली वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी छात्र संघ के लिए हुए चुनाव में वोटों की गिनती खत्म हो गई है। लेफ्ट यूनाइटेड ने सभी पदों पर जीत दर्ज की है। अदिति मिश्रा ने प्रेसिडेंट पद पर जीती है। वहीं, के. गोपिका ने उपाध्यक्ष का चुनाव जीता। महासचिव पद पर सुनील यादव ने बाजी मारी। संयुक्त सचिव के पद पर दानिश विजयी रहे। इन सभी पदों पर लेफ्ट यूनाइटेड के उम्मीदवारों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले को 10 साल की सजा

अदालत ने लगाया 5,000 रुपये का जुर्माना, पैरामेडिकल छात्रा ने पी तेजाब

आदिलाबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद की एक अदालत ने गुरुवार को एक व्यक्ति को युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी पाते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया। युवक ने दो साल तक संबंध रखने के बाद युवती से शादी करने से इनकार कर दिया था। सहायक सत्र न्यायाधीश सी.एम. राज्यलक्ष्मी ने तलामादुगु मंडल के कज्जरला गांव निवासी उप्पारापु श्रीनिवास को दोषी ठहराया। अदालत ने पाया कि 29 नवंबर 2023 को जब श्रीनिवास ने शादी से इनकार किया, तो 21 वर्षीय पैरामेडिकल छात्रा प्रणिशा ने तेजाब पीकर आत्महत्या कर ली थी।

अदालत ने फैसला सुनाने से पहले 10 गवाहों से पूछताछ की और सभी सबूतों की जांच की। न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी के व्यवहार ने पीड़िता को मानसिक रूप से इतना परेशान किया कि उसने अपनी जान दे दी। एसपी अखिल महाजन ने इस मामले में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह फैसला ऐसे अपराधों के खिलाफ एक सख्त संदेश देगा।

ओवैसी पर इमरान प्रतापगढ़ी का निशाना

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली द्वारा एआईएमआईएम पर भाजपा की 'बी' टीम होने का आरोप लगाने के बाद, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा हमला बोला और उनकी राजनीति को अवसरवादी करार दिया। बिहार के बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी मुसफ्फिर आलम के समर्थन में प्रचार करते हुए प्रतापगढ़ी ने ओवैसी के बयानों की तुलना तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट से की, जहाँ 11 नवंबर को उपचुनाव होने वाला है।

उन्होंने कहा, ओवैसी साहब कहते हैं कि कांग्रेस को वोट देने से लोग गरीबी में जाएंगे, लेकिन वही ओवैसी हैदराबाद में कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव के लिए प्रचार कर रहे हैं। जब वे तेलंगाना में कांग्रेस का समर्थन करते हैं तो उन्हें अनुभवी नेता कहा जाता है, और जब सीमांचल में लोग कांग्रेस को वोट देते हैं तो उन्हें फिरौन कहा जाता है। सीमांचल में यह दोहरी राजनीति नहीं चलेगी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि एआईएमआईएम प्रमुख की यह राजनीति केवल लोगों को भ्रमित करने और लाभ उठाने की है।

बीआरएस ने कांग्रेस के एनटीआर मूर्ति वादे को बताया चुनावी हथकंडा

पार्टी नेताओं ने कहा- केसीआर ने ही किया एनटीआर की विरासत का सम्मान

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने अमीरपेट में टीडीपी संस्थापक एनटी रामाराव की प्रतिमा लगाने के कांग्रेस पार्टी के वादे का मजाक उड़ाते हुए इसे जुबली हिल्स उपचुनाव से पहले कांग्रेस की हताशा का प्रतीक बताया। पार्टी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने ठोस कदम उठाकर एनटीआर की विरासत का सम्मान किया, जबकि कांग्रेस केवल वोटों के लिए उनके नाम का उपयोग कर रही है।

तेलंगाना भवन में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व सांसद नामा नागेश्वर राव ने कहा कि चंद्रशेखर राव ने एनटीआर समर्थक मगंती गोपीनाथ को तीन बार टिकट दिया और अब उनकी पत्नी मगंती सुनीता को भी समर्थन दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी जुबली हिल्स में सामुदायिक राजनीति और क्षेत्रीय विभाजन को बढ़ावा दे रही है।

नागेश्वर राव ने कहा, जिन कांग्रेस नेताओं ने कभी एनटीआर का सम्मान नहीं किया, वे आज चुनावी लाभ के लिए उनका नाम ले रहे हैं। खम्मम में कांग्रेस ने एनटीआर की मूर्ति के पास लगाया गया ग्रेनाइट शिलालेख तक हटा दिया, जबकि केसीआर ने वहीं 60 फुट ऊंची मूर्ति स्थापित कर एनटीआर को सच्ची श्रद्धांजलि दी।

पूर्व मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार और एमएलसी थाथा मधु ने भी कांग्रेस के अभियान की आलोचना करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी जुबली हिल्स में हार के डर से भावनात्मक राजनीति का सहारा ले रही है। अजय कुमार ने कहा कि बीआरएस सरकार ने हमेशा कलाकारों और नेताओं को सम्मान दिया- अभिनेता कृष्णा का अंतिम संस्कार भी राज्य के सम्मान के साथ किया गया था।

मधु ने कहा कि केसीआर ने सभी समुदायों को समान अवसर दिए हैं और खानमेट में कम्मा समुदाय भवन के लिए पाँच एकड़ भूमि आवंटित की। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस में दम है तो दिखाए कि उसने राज्य के विकास के लिए क्या किया। एनटीआर की विरासत दिखावे की राजनीति से नहीं, बल्कि केसीआर के कार्यों से जीवित है। पूर्व विधायक नल्लामोथु भास्कर राव, पार्षद देदीप्य और मंडाडी श्रीनिवास राव सहित कई बीआरएस नेता इस अवसर पर मौजूद रहे।

हैदराबाद का समग्र विकास कांग्रेस की विरासत है : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद का समग्र विकास केवल कांग्रेस के शासनकाल में ही हुआ है। जुबली हिल्स में प्रचार के दौरान बातचीत करते हुए, मंत्री ने कहा, कांग्रेस कल्याण और समावेशी प्रगति की पक्षधर है। यह एकमात्र ऐसी पार्टी है जो वास्तव में गरीबों की रक्षा करती है। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सभी लंबित नागरिक मुद्दों का सामूहिक रूप से समाधान किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि हैदराबाद का आईटी और बुनियादी ढांचा विकास कांग्रेस काल में हुआ है। उन्होंने कहा, अगर आज लाखों आईटी पेशेवर रोज़गार में हैं, तो इसका कारण यह है कि कांग्रेस ने उस पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी। हमने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, आउटर रिंग रोड का निर्माण किया और आईटी तथा फार्मा क्षेत्रों को बढ़ावा दिया जिससे हैदराबाद एक वैश्विक केंद्र बना। कोमटिरेड्डी ने चुटकी लेते हुए कहा, बीआरएस नेता कुछ छोटे फ्लाईओवर बनाने का दावा करते हैं, लेकिन वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के कार्यकाल में, कांग्रेस ने 14 किलोमीटर लंबा पीवीएनआर एक्सप्रेसवे बनाया, जो उनके 50 फ्लाईओवर के बराबर है। उन्होंने बताया, अब, रेवंत रेड्डी के विज़न के तहत, हम 30,000 करोड़ रुपये के निवेश से क्षेत्रीय रिंग रोड का निर्माण कर रहे हैं और इसका काम फरवरी 2026 तक शुरू हो जाएगा। हम कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ओआरआर और आरआरआर को जोड़ने वाली रेडियल सड़कें भी विकसित कर रहे हैं। कोकापेट और राजेंद्रनगर क्षेत्रों में ज़मीन की आसमान छूती कीमतों का ज़िक्र करते हुए, मंत्री ने कहा, 200 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से प्लॉट मिलना कांग्रेस सरकार की दूरदर्शिता और नीतियों का प्रमाण है। आगामी फ्यूचर सिटी हैदराबाद को दुनिया के सबसे उन्नत शहरों में से एक बनाएगी। उन्होंने आगे कहा, केटीआर साफ़ तौर पर हताश हैं।

आईसीएआर-आईआईआरआर ने चार लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान- भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईआरआर) ने गुरुवार को अपने राजेंद्रनगर परिसर में उद्योग-अंतःक्रिया सम्मेलन 2025 का आयोजन किया, जिसमें चावल से संबंधित प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए निजी क्षेत्र के भागीदारों के साथ चार लाइसेंसिंग समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इस सम्मेलन में बीज कंपनियों, कृषि-इनपुट फर्मों, स्टार्ट-अप्स और उद्यमियों के 70 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत एक क्षेत्रीय दौरे से हुई, जिसमें जीनोमिक्स, जीन एडिटिंग, उच्च उपज देने वाली और जलवायु-अनुकूल चावल प्रजातियों, और मिथ्या कंड (फाल्स स्मट) तथा भूरे धब्बों के लिए रोग-जांच सुविधाओं में आईआईआरआर के नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। एक प्रदर्शनी में उन्नत प्रौद्योगिकियों पर प्रकाश डाला गया, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-आधारित मृदा परीक्षण उपकरण, स्वचालित सिंचाई प्रणालियां और बाजार में उपयोग के लिए तैयार नवीन चावल-आधारित उत्पाद शामिल थे। निदेशक डॉ.आर.एम. सुंदरम ने संस्थान की उपलब्धियों और चल रहे व्यावसायीकरण प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. डीके यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), आईसीएआर ने उद्योग के साथ आईआईआरआर के निरंतर जुड़ाव की प्रशंसा की और डीआरआर धान किस्मों, मृदा परीक्षण किट और पत्ती रंग चार्ट जैसे विकासों की सराहना की। उन्होंने प्रतिभागियों को आईसीएआर की कृषि-नवाचार-आधारित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पहलों के बारे में भी जानकारी दी। डॉ. एसके प्रधान और डॉ. शिव दत्त सहित वरिष्ठ आईसीएआर अधिकारियों ने मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी और बाजार-संचालित उत्पाद विकास की आवश्यकता पर बल दिया। आईआईआरआर के वैज्ञानिकों ने संस्थान द्वारा विकसित प्रमुख चावल किस्मों, संकर किस्मों और फसल उत्पादन/संरक्षण तकनीकों को प्रस्तुत किया। एक निजी उद्योग विशेषज्ञ ने जीनोम संपादन और रोग प्रबंधन में आईआईआरआर की प्रगति की सराहना की और कार्यक्रम के दौरान आयोजित क्षेत्रीय प्रदर्शनों की सराहना की।

सेन समाज का दिपावली स्नेह मिलन 9 को

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोवर टैंकबंड स्थित जगदीश मंदिर में मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य में रविवार 9 नवंबर सायं 4.15 बजे सेनजी महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष हनुमानराम तंवर ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दिपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सेनजी महाराज की तस्वीर पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्वलितकर कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों व समाज के भामासाहों का विशेष सम्मान किया जाएगा। भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से अध्यक्ष हनुमान तंवर, उपाध्यक्ष गोरधन चौहान, पदाधिकारी व सदस्यगण उपस्थित रहेंगे। समाज बन्धुओं से निवेदन है कि उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

ऑटो चालक की हत्या के आरोप में तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगतगिरिगुट्टा पुलिस ने बुधवार को एक ऑटो चालक की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में टी. बाला शोरेड्डी (21), सैयद महमूद (28) और रेवो आदित्य उर्फ आदिल (26) शामिल हैं, जो सभी जगतगिरिगुट्टा के निवासी हैं। बालानगर ज़ोन के प्रभारी डीसीपी एन. कोटि रेड्डी ने बताया कि मृतक रोशन कुमार सिंह और मुख्य आरोपी बाला के बीच पुरानी दुश्मनी चल रही थी। बाला के खिलाफ जगतगिरिगुट्टा थाने में एक राउडीशीट दर्ज है, जबकि रोशन भी बालानगर पुलिस के रिकॉर्ड में राउडीशीटर था।

डीसीपी के अनुसार, बाला की शरीफ नाम के एक व्यक्ति से पुरानी रंजिश थी, और रोशन सिंह शरीफ का समर्थन कर रहा था। जब बाला ने रोशन को इस झगड़े में दखल न देने को कहा, तो उसने इनकार कर दिया, जिससे दोनों के बीच टकराव बढ़ गया। इसके बाद बाला ने अपने साथियों महमूद और आदिल के साथ मिलकर रोशन की हत्या की साजिश रची।

बाला ने एक बड़ा चाकू खरीदा और बुधवार को मौका पाकर अपने साथियों के साथ रोशन पर अंधाधुंध वार कर दिए। घायल रोशन किसी तरह अस्पताल पहुंचा, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जगतगिरिगुट्टा पुलिस ने साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन टीम की मदद से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

पीएनबी का राजभाषा संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, हैदराबाद अंचल द्वारा राजभाषा संगोष्ठी सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलपति प्रो. एन. नागराजू उपस्थित थे। इस अवसर पर "राष्ट्रीय कार्य व्यवहार में हिंदी" शीर्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि ने अपने सुदीर्घ अनुभव से राष्ट्रीय कार्य व्यवहार में हिंदी विषय पर अपने विचारों से लाभान्वित किया। प्रो. नागराजू ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। इसके संवर्धन से हम अपने राष्ट्रभाव से आबद्ध रहते हैं और राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में अपना योगदान देते हैं। प्रो. एन नागराजू ने हिंदी की राष्ट्रीय संप्रेषणीयता एवं ग्रहणीयता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय सम्बोधन में अंचल प्रबन्धक सुनील कुमार चुघ ने कहा कि पंजाब नैशनल बैंक बैंकिंग कारोबार, ग्राहक सेवा में राजभाषा हिन्दी के महत्व को भली-भांति समझता है। इसी कड़ी में आज हिंदी माह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

बोडुउप्पल प्रगतीनगर स्थित परिहार परिवार द्वारा आयोजित श्री आईमाताजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए ओमप्रकाश कुमावत। आयोजक तेजाराम, देवाराम, माणकचन्द परिहार, दिलीप, हेमन्त, धनराज, भरत, हरीश, मनीश परिहार। अवसर पर गणमान्य प्रभुराम परिहारियां, कालुराम काग, डायाराम लचेटा, पोकरराम पँवार, राजाराम गेहलोत, ओगड़राम सेणचा, सोहनसिंह राजपुरोहित, ओंकारलाल हाम्बड़, चम्पालाल, रमेश, परबत सोलंकी, पूनम चौधरी एवं समाज बन्धु।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर्स की सूचीबध्दता हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (इओआई)

PUB/1397

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन द्वारा प्रौद्योगिकी -संचालित परिवहन प्रदान करने एवं भारत भर में पहली और अंतिम मील लॉजिस्टिक्स समाधान में सहयोग करने के लिए, लॉजिस्टिक्स सर्विस प्रोवाइडर्स की सूचीबध्दता या एम्पैनेलमेंट हेतु प्रख्यात एवं अनुभवी फर्मों/एजेंसियों से रुचि की अभिव्यक्ति (इओआई) आमंत्रित हैं।

लक्ष्यः डिजिटल फ़्लीट प्रबंधन, पारदर्शी असाइनमेंट सिस्टम्स तथा विश्वसनीय सेवा मानकों के माध्यम से भारतीय रेल को समर्थन प्रदान करनेवाले पेशेवर लॉजिस्टिक्स की पहचान करना। इओआई का यह भी लक्ष्य है कि, भविष्य में ऐप-आधारित समग्र पार्सल लॉजिस्टिक्स पहलुओं के फर्म्स को शार्टलिस्ट करना।

अर्हताः
. रियल टाइम असाइनमेंट, ट्रैकिंग व मॉनिटरिंग हेतु नेटिव मोबाइल ऐप/प्लेटफ़ॉर्म।
. कम से कम तीन प्रमुख शहरों में संचालन या आपरेशंस ।
. पर्याप्त फ़्लीट/मैनपावर या मानव संसाधन सहित साबित लाजिस्टिक्स अनुभव ।

प्रस्तुतीकरण या सबमिशनः
मुहरबंद लिफाफे में रखे हुए ईओआईज अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में दि.10-11-2025 के 15.00 बजे तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।
ईओआईज को दि.10-11-2025 के 15.00 बजे खोला जायेगा।
यदि तत्संबंधित खोलने की तिथि को सरकारी अवकाश घोषित होता है तो सबमिशन को अगले कार्य दिवस में स्वीकार किया जायेगा।
ईओआई को srdcm@hyb.railnet.gov.in पर मेल भी कर सकते है।
संपर्क करें-
फोनः 040-27786086, 9121270350 **(कमर्शियल इंसपेक्टर--शिव कुमार)**
कृपया हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in **देखें।**

A1771 — वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

हशीश तेल की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आबकारी एवं निषेध विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को बोइनपल्ली में एक व्यक्ति को हशीश तेल बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उसके पास से 16 बोतलें तरल मादक पदार्थ की जब्त कीं। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की पहचान हरि बाबू उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। वह विशाखापट्टनम से कुछ लोगों से हशीश तेल खरीदकर हैदराबाद में ऊंचे दामों पर बेचकर मुनाफा कमा रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से लगभग 96 ग्राम हशीश तेल बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 50 हजार रुपये बताई जा रही है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

बिहार में पहले...

छपरा विधानसभा :

मशहूर भोजपुरी गायक और अभिनेता खेसारी लाल यादव की वजह से सारण जिले की छपरा सीट चर्चा में है। इस सीट से राजद ने महागठबंन की ओर से शत्रुघ्न यादव उर्फ खेसारी लाल यादव को मैदान में उतारा है। खेसारी लाल के खिलाफ भाजपा ने छोटी कुमारी और जनसुराज ने जयप्रकाश सिंह को टिकट दिया है। इस सीट पर कुल 10 उम्मीदवार मैदान में हैं।

अलीनगर विधानसभा :

यह इस प्रमंडल की सबसे चर्चित सीटों में से एक है। भाजपा ने यहां से लोक गायिका मैथिली ठाकुर को मैदान में उतारा है। राजद ने यहां से विनोद मिश्रा को टिकट दिया है। जनसुराज ने यहां से बिप्लव कुमार चौधरी को मैदान में उतारा है।

रघुनाथपुर विधानसभा :

सीवान जिले की इस सीट पर राजद ने बाहुबली शाहबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को टिकट दिया है। जदयू ने यहां से विकास कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाया है। वहीं जनसुराज की तरफ से राहुल कीर्ति मैदान में हैं। पिछले दो चुनावों से यहां राजद ने जीत दर्ज की है। दोनों बार यहां से राजद के हरिशंकर यादव को जीत मिली थी। पार्टी ने इस बार उनकी जगह ओसामा शहाब को टिकट दिया है।

भूमि विवाद में खिलौना बंदूक से धमकाने वाला पकड़ा गया

मेदक, 6 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के हवेलीघनपुर गांव में गुरुवार सुबह एक व्यक्ति को खेत के पास खिलौना बंदूक लेकर घूमते हुए पुलिस ने पकड़ लिया। वह कथित तौर पर अपने प्रतिद्वंद्वी किसान को भूमि विवाद में डराने की कोशिश कर रहा था। हवेलीघनपुर पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब येल्लम नाम के एक किसान ने फोन कर शिकायत की कि जब वह अपनी धान की फसल काटने की तैयारी कर रहा था, तभी एक व्यक्ति उसे बंदूक दिखाकर धमका रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी के पास से खिलौना बंदूक बरामद की। जांच में पता चला कि दोनों किसानों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है और मामला अदालत में लंबित है। बताया गया कि येल्लम ने अदालत से फसल काटने की अनुमति के लिए स्थगन आदेश प्राप्त किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथा टी-20 हराया

सीरीज में 2-1 से आगे; गिल ने 46 रन बनाए

गोल्ड कोस्ट, 6 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी20 मैच में 48 रन से हरा दिया. गोल्ड कोस्ट में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने अपने 3 ऑलराउंडर्स के बेहतरीन प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी और सीरीज में 2-1 की बढ़त ले ली. इसके साथ ही टीम इंडिया ने सीरीज हारने का खतरा भी टाल दिया और ऑस्ट्रेलिया में टी20 सीरीज कभी न हारने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा है. भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 167 रन बनाए लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम सिर्फ 119 रन पर ढेर हो गई. टीम इंडिया की इस जीत के स्टार रहे ऑलराउंडर शिवम दुबे और अक्षर पटेल, जिन्होंने अहम रन बनाए और फिर ऑस्ट्रेलियाई टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया.

गोल्ड कोस्ट के कैरारा ओवल में टीम इंडिया पहली बार कोई इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी थी लेकिन ये अनजान जगह भी उसे जीत से नहीं रोक पाई. पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 167 रन बनाए. टीम के लिए शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए लेकिन उनका स्ट्राइक रेट सिर्फ 117 का रहा. वहीं अभिषेक शर्मा भी इस बार बड़ी और तेज पारी नहीं खेल पाए, जबकि शिवम दुबे ने 18 गेंदों में 22 रन बनाए.

पकड़ी गई अभिषेक शर्मा की कमजोरी, चौथे टी20 में हुआ बुरा हाल

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जरूर 10 गेंदों में तेजी से 20 रन बनाए लेकिन फिर वो भी आउट हो गए, जबकि तिलक वर्मा और जितेश शर्मा भी नहीं चले. मगर आखिरी ओवर्स में अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने तेजी से कुछ रन बटोरे, जिसकी मदद से भारतीय टीम इस मुश्किल पिच पर दमदार स्कोर तक पहुंच पाई. ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस ने सिर्फ 21 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि एडम जैम्पा ने भी 3 शिकार किए.

सुरेश रैना और शिखर धवन पर ईडी का शिकंजा

11.14 करोड़ की संपत्ति कुर्क; अवैध सट्टेबाजी एप केस में कार्रवाई

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन की मुश्किल बढ़ गई हैं। गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सट्टेबाजी एप केस में कार्रवाई करते हुए दोनों की 11.14 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली। सूत्र ने बताया कि ऑनलाइन सट्टेबाजी साइट 1xBet के खिलाफ मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत धवन की 4.5 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और रैना के 6.64 करोड़ रुपये के म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का अनंतिम आदेश जारी किया गया है।

करोड़ों की ठगी का आरोप

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की थी। इस दौरान दोनों के बयान दर्ज किए गए थे। बता दें कि, ईडी इस समय कई ऐसे मामलों की जांच कर रही है, जो अवैध बेटिंग एप्स से जुड़े हैं। एजेंसी का मानना है कि इस तरह के बेटिंग एप्स न केवल अवैध हैं, बल्कि इनके जरिए बड़े पैमाने पर धन शोधन की गतिविधियां भी होती हैं। इन एप्स पर आरोप है कि इन्होंने लाखों लोगों और निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है या फिर भारी मात्रा में टैक्स की चोरी की है। इस मामले में ईडी ने कार्रवाई तेज की है, खासकर उन विज्ञापनों पर जिनमें फिल्मी सितारे और क्रिकेटर शामिल हैं। इसी कड़ी में अब क्रिकेटरों और फिल्मी हस्तियों की भूमिका को लेकर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

ईडी के रडार पर और कौन?

ईडी की जांच में पाया गया है कि दोनों पूर्व क्रिकेटरों ने 1xBet और उसके प्रतिनिधियों के प्रचार के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ 'जानबूझकर' समर्थन समझौते किए। ईडी ने इस जांच के तहत इन दोनों के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की है।

धोनी ने आईपीएल 2026 पर लिया बड़ा फैसला

सीएसके के सीईओ ने किया बड़ा ऐलान

चेन्नई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स की बीच सीजन में कप्तानी करनी पड़ी. अब वो अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं इसे लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है. जानिए क्या है पूरी खबर.

आईपीएल 2026 शुरू होने में अभी काफी वक्त है और इससे पहले बड़ा सवाल है कि क्या महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2026 में खेलेंगे? इस सवाल का जवाब सीएसके के सीईओ ने दे दिया है.

चेन्नई सुपरकिंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी रिटायर नहीं हो रहे हैं. वो आईपीएल 2026 में खेलेंगे. काशी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, हम धोनी को आईपीएल 2026 में जरूर देखेंगे.

धोनी ने आईपीएल 2025 में 14 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 196 रन बनाए. उनका स्ट्राइक रेट 135 से ज्यादा का रहा. धोनी ने 12 छक्के और 12 चौके लगाए.

धोनी को आईपीएल 2025 में ही बीच सीजन में कप्तानी भी करनी पड़ी थी. ऋतुराज के चोटिल होने की वजह से धोनी को ये भूमिका निभानी पड़ी. धोनी का आईपीएल करियर बहुत लंबा है. वो साल 2008 से ही ये टूर्नामेंट खेल रहे हैं. उन्होंने 278 मैचों में 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं.

डब्ल्यूपीएल 2026- हरमनप्रीत, मंधाना और जेमिमा रिटेन

एलिसा हीली, दीप्ति और मेग लैनिंग को टीमों ने रिलीज किया; 27 नवंबर को मेगा ऑक्शन

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2026) के मेगा ऑक्शन से पहले 5 टीमों की प्लेयर रिटेंशन लिस्ट रिलीज हो चुकी है। भारत की वर्ल्ड कप विनिंग प्लेयर्स हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्ज को उनकी टीमों ने रिटेन कर लिया है।

वनडे वर्ल्ड कप की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर अमीलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली और पूर्व कप्तान मेग लैनिंग तक को टीमों ने रिलीज कर दिया। मेगा ऑक्शन 27 नवंबर को दिल्ली में हो सकता है।

दिल्ली और मुंबई ने 5-5 प्लेयर्स रिटेन किए

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और 3 बार की रनर-अप टीम दिल्ली कैपिटल्स ने सबसे ज्यादा 5-5 प्लेयर्स को रिटेन किया। सीजन-2 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 4 ही प्लेयर्स को रिटेन किया। वहीं कभी फाइनल नहीं खेलने वालीं गुजरात जायंट्स ने 2 और यूपी वॉरियर्ज ने 1 ही प्लेयर को रिटेन किया।

इन प्लेयर्स की रिटेंशन कन्फर्म:

दिल्ली कैपिटल्स: एनाबेल सदरलैंड, मारिजान कैप, जेमिमा रोड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, निकी प्रसाद।

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर, नैट सिवर-ब्रंट, अमनजोत कौर, जी कमलिनी, हैली मैथ्यूज।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: स्मृति मंधाना, एलिस पेरी, ऋचा घोष, श्रेयांका पाटील।

गुजरात जायंट्स: एश्ले गार्डनर, बेथ मूनी।

यूपी वॉरियर्ज: श्वेता सहरावत।

5 प्लेयर्स को रिटेन कर सकती हैं टीमें

डब्ल्यूपीएल में इस बार मेगा ऑक्शन होना है। ऑक्शन से पहले 5 टीमें 5-5 प्लेयर्स को ही रिटेन कर सकती हैं। इनमें 2 विदेश की और 3 भारतीय प्लेयर्स हो सकती हैं। भारतीयों में भी 2 ही अनकैप्ड प्लेयर्स को रिटेन करने की लिमिट हैं। जो टीमें 5-5 प्लेयर्स रिटेन नहीं करेंगी, उनके पास ऑक्शन में बाकी स्पॉट के लिए राइट टु मैच कार्ड भी रहेगा।

उदाहरण के लिए आरसीबी ने 4 प्लेयर्स को रिटेन किया। यानी उनके पास मेगा ऑक्शन में एक आरटीएम कार्ड रहेगा। इसकी मदद से आरसीबी अपनी टीम का हिस्सा रहीं सोफी मोलेनिक्स, रेणुका ठाकुर और सोफी डिवाइन जैसी प्लेयर्स को ऑक्शन में फिर से अपना हिस्सा बना सकेगी।

मुंबई-दिल्ली के पास सबसे कम पर्स रहेगा

सभी टीमों के पास 15-15 करोड़ रुपए का पर्स था। रिटेंशन में प्लेयर-1 पर 3.5 करोड़ रुपए, प्लेयर-2 पर 2.5 करोड़, प्लेयर-3 पर 1.75 करोड़, प्लेयर-4 पर 1 करोड़ और प्लेयर-5 पर 50 लाख रुपए खर्च होते।

अगर कोई टीम 5 प्लेयर्स को रिटेन करती है तो उनके 9.25 करोड़ रुपए खर्च हो जाएंगे। इस हिसाब से मुंबई और दिल्ली के पास ऑक्शन में 5.75 करोड़ रुपए ही रहेंगे। उनके पास आरटीएम कार्ड भी नहीं रहेगा। इसी तरह आरसीबी के पास 6.25 करोड़ रुपए के साथ 1 आरटीएम कार्ड है।

गुजरात 9 करोड़ रुपए के पर्स और 3 आरटीएम कार्ड के साथ ऑक्शन में उतरेगी। वहीं यूपी ने एक अनकैप्ड प्लेयर को ही रिटेन किया, इसलिए टीम 14.50 करोड़ रुपए के पर्स और 4 आरटीएम कार्ड के साथ ऑक्शन में आएगी।

2023 में शुरू हुआ था डब्ल्यूपीएल

विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत 2023 में हुई थी। तब मुंबई इंडियंस ने हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खिताब जीता था। स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दूसरे सीजन का टाइटल उठाया। वहीं हरमन की कप्तानी में ही मुंबई ने 2025 में दूसरी बार भी खिताब जीता। तीनों बार मेग लैनिंग की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स ही रनर-अप रही।

काव्या मारन ने बदला टीम का नाम

अब हुआ सनराइजर्स लीड्स

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद फ्रेंचाइजी की मालकिन काव्या मारन ने अपनी टीम का नाम बदल दिया है. हालांकि, अपनी जिस टीम का नाम उन्होंने बदला है, वो आईपीएल वाली सनराइजर्स हैदराबाद नहीं बल्कि द हंड्रेड लीग की नॉर्दन सुपरचार्जर्स है. काव्या मारन ने द हंड्रेड में खेलने वाली अपनी इस टीम का नाम बदलकर अब सनराइजर्स लीड्स रख दिया है. 2026 में शुरू होने वाले द हंड्रेड के अगले सीजन से पहले नॉर्दन सुपरचार्जर्स के नाम को बदलने को लेकर खबरें पहले से ही थीं. अब उसे बस अमलीजामा पहनाया गया है.

नॉर्दन सुपरचार्जर्स नहीं, अब सनराइजर्स लीड्स

चेन्नई स्थित भारतीय मीडिया समूह, सन ग्रुप ने इस साल की शुरुआत में नॉर्दन सुपरचार्जर्स का 1155 करोड़ रुपये में अधिग्रहण किया था. यॉर्कशायर ने ECB की 49% हिस्सेदारी के अलावा सुपरचार्जर्स में अपनी 51% हिस्सेदारी बेचने का विकल्प चुना, जिसका मतलब है कि सन ग्रुप के पास कंपनी के 100% शेयर हैं.

नॉर्दन सुपरचार्जर्स, लीड्स स्थित फ्रेंचाइजी है. यही वजह है कि उसके नए नाम में काव्या मारन के ट्रेडमार्क सनराइजर्स के साथ लीड्स भी लगा है.

ओपीएल और एसए20 की तरह द हंड्रेड में भी 'सनराइजर्स' काव्या मारन के सन ग्रुप की तरफ से नए नाम को लेकर लीड्स स्थित कंपनीज़ हाउस में दस्तावेज़ जमा कर दिए हैं. इसका मतलब है कि सुपरचार्जर्स नाम आगे के लिए बंद कर दिया जाएगा. वहीं टीम का नया नाम सनराइजर्स लीड्स होगा. ठीक वैसे ही जैसे IPL में काव्या मारन की टीम का नाम सनराइजर्स हैदराबाद और SA 20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप है.

इन 2 टीमों के भी नाम बदले जाएंगे

द हंड्रेड में खेलने वाली 8 टीमों में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स तीसरी टीम है, जिसका नाम बदला गया है. इसी तरह मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स का नाम बदलकर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स कर दिया जाएगा. वहीं ओवल इन्विंसिबल का नाम बदलकर मुंबई इंडियंस लंदन रखा जाना है.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को टाटा का बड़ा तोहफा

हर खिलाड़ी को मिलेगी नई सिएरा एसयूवी

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप में शानदार जीत दर्ज कर देश का नाम रोशन किया है. इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए टाटा पैसेंजर व्हीकल्स ने खास फैसला लिया है. कंपनी ने ऐलान किया है कि वह टीम की हर खिलाड़ी को अपनी आने वाली नई एसयूवी टाटा सिएरा (टाटा सिएरा) का टॉप मॉडल गिफ्ट में देगी. यह वही मॉडल है जिसकी लॉन्चिंग अभी बाकी है और टीम इंडिया को इसका पहला बैच मिलने वाला है.

खिलाड़ियों की जज्बे को सलाम

टाटा मोटर्स ने कहा कि यह तोहफा महिला खिलाड़ियों की हिम्मत, संघर्ष और जज्बे को सलाम करने का एक तरीका है. कंपनी के मुताबिक, टीम इंडिया ने न केवल मैदान पर बल्कि अपने समर्पण और मेहनत से पूरे देश को प्रेरित किया है. सिएरा की यह सौगात इस बात की पहचान है कि उनकी मेहनत को हर कोई महसूस कर रहा है.

'देश के लिए गौरव का पल'- शैलेश चंद्रा

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ, शैलेश चंद्रा ने इस मौके पर कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे देश को गर्व महसूस कराया है. उनकी यात्रा यह दिखाती है कि दृढ़ संकल्प और विश्वास से कुछ भी हासिल किया जा सकता है. टाटा मोटर्स के लिए यह गर्व की बात है कि हम इन लीजेंड्स को एक और लीजेंड टाटा सिएराभेंट कर रहे हैं. यह हमारी ओर से उनके जज्बे और देश को दिए गौरव के प्रति एक सम्मान है.

'दो दिग्गज, एक जज्बा, अनगिनत प्रेरणाएं'

टाटा मोटर्स ने अपने बयान में कहा कि यह कदम सिर्फ एक उपहार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा है. महिला क्रिकेट टीम की कहानी उन तमाम युवाओं को यह संदेश देती है कि मेहनत और आत्मविश्वास से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है. कंपनी ने अपने बयान को बेहद खूबसूरत शब्दों में समेटा दो दिग्गज, एक जज्बा, अनगिनत प्रेरणाएं.

जल्द लॉन्च होगी नई टाटा सिएरा

टाटा की यह नई सिएरा SUV कंपनी की अगली बड़ी लॉन्चिंग मानी जा रही है. इसका अनावरण 25 नवंबर 2025 को किया जाएगा. आधुनिक डिजाइन, दमदार परफॉर्मेंस और एडवांस फीचर्स से लैस यह एसयूवी टाटा के लिए एक नए दौर की शुरुआत साबित हो सकती है. अब महिला क्रिकेट टीम को इसका पहला एक्सक्लूसिव बैच मिलने वाला है, जो अपने आप में गर्व का पल है.

आरसीबी बिकने की तैयारी में: 2026 आईपीएल से पहले बिक्री प्रक्रिया पूरी होगी

मुंबई, 6 नवंबर (एजेंसियां)। जून 2025 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहला आईपीएल फाइनल जीता था।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रेंचाइजी 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन से पहले बिक सकती है। डियाजियो पीएलसी की भारतीय इकाई यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को एक लेटर लिखा।

कंपनी ने लेटर में बताया कि वे अपनी सहायक कंपनी रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आरसीएसपीएल) में किए गए निवेश की समीक्षा शुरू कर रही है।

यह प्रक्रिया आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए होगी और कंपनी को उम्मीद है कि समीक्षा 31 मार्च 2026 तक पूरी हो जाएगी।

एक महीने पहले चर्चा थी कि वैक्सीन मैन्युफैक्चरर कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट आरसीबी को करीब 17 हजार करोड़ रुपए खरीद सकती है। तब अदार पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा था, 'सही वैल्यूएशन पर आरसीबी एक बेहतरीन टीम है'।

ब्रिटिश कंपनी ने विजय माल्या से खरीदी थी आरसीबी

पहले आरसीबी के मालिक शराब कारोबारी विजय माल्या थे, लेकिन 2016 में जब माल्या मुश्किल में फंसे, तो डियाजियो ने उनकी शराब कंपनी के साथ-साथ आरसीबी को भी खरीद लिया।

आरसीबी को 2008 में विजय माल्या ने 111.6 मिलियन डॉलर में खरीदा था। उस समय के हिसाब से रुपए में ये रकम करीब 476 करोड़ रुपए थी। ये उस समय दूसरी सबसे महंगी आईपीएल टीम थी। माल्या की कंपनी यूएसएल के पास आरसीबी का मालिकाना हक था।

2014 में डियाजियो ने यूएसएल में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी और 2016 तक माल्या के बाहर होने के बाद आरसीबी की पूरी मालकियत डियाजियो के पास आ गई। अभी आरसीबी का संचालन यूएसएल की सब्सिडियरी रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (आरसीबीएसपीएल) करती है।

यूएसएल के प्रबंध निदेशक ने कहा-आरसीबी कंपनी का अहम ब्रांड

यूएसएल के प्रबंध निदेशक और सीईओ प्रवीण सोमेश्वर ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) कंपनी के लिए हमेशा एक अहम ब्रांड रहा है, लेकिन यह उनके मुख्य कारोबार यानी शराब-पेय व्यवसाय का हिस्सा नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह कदम दिखाता है कि यूएसएल और डियाजियो अपने भारत के कारोबार की समय-समय पर समीक्षा करते रहते हैं ताकि कंपनी का कामकाज बेहतर हो और आगे भी मजबूत बना रहे।

कंपनी ने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि आरसीबी टीम और उससे जुड़े लोगों के हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।

आरसीबी की ब्रांड वैल्यू ज्यादा, लेकिन सबसे महंगी बोली लखनऊ जॉयंट्स की थी

अब तक आईपीएल की सबसे महंगी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स है। अगर आरसीबी बिकती है, तो यह आईपीएल के इतिहास का सबसे बड़ा सौदा होगा। साल 2021 में जब आईपीएल में दो नई टीमें - लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स - जोड़ी गई थीं।

तब लखनऊ को आरपीएसजी ग्रुप ने 7,090 करोड़ रुपए में और गुजरात को सीवीसी कैपिटल ने 5,625 करोड़ रुपए में खरीदा था। ये अब तक की सबसे बड़ी फ्रेंचाइज़ी डील्स मानी जाती हैं।

वहीं, आरसीबी की वैल्यूएशन करीब 2 बिलियन डॉलर (लगभग 17,000 करोड़ रुपए) आंकी जा रही है, जो लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटन्स की खरीद कीमत से कहीं ज्यादा है।

आरसीबी ने आईपीएल में केवल एक खिताब जीता है

2008 में आईपीएल शुरू होने के बाद से आसीबी ने अब तक सिर्फ एक आईपीएल खिताब जीता है। साल 2025 में आईपीएल में आरसीबी ने अपना खिताब जीता। वहीं डब्ल्यूपीएल में विमेंस टीम भी एक बार खिताब जीता है। साल 2024 का खिताब अपने नाम किया था। फिर भी यह टीम सबसे मूल्यवान तीन फ्रेंचाइजियों में से एक मानी जाती है। इसके पीछे दो बड़े कारण हैं- विराट कोहली जैसे सुपरस्टार खिलाड़ी की मौजूदगी।

विश्व शतरंज कप में दिप्तायन घोष ने किया बड़ा उलटफेर

नेपोम्नियाची को हराया

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)। ग्रैंडमास्टर दिप्तायन घोष ने विश्व शतरंज कप में सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रूस के इयान नेपोम्नियाची को दूसरे दौर के दूसरे गेम में हरा दिया। एकतरफा मुकाबले में घोष ने उन्हें कोई मौका ही नहीं दिया।जीत के बाद उन्होंने कहा, 'यह मेरे शतरंज कैरियर की सबसे बड़ी जीत है।' इससे पहले ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा तीसरे दौर में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए जिन्होंने रूस के अर्सेनी नेस्तेरोव को मात दी। वहीं, विश्व जूनियर चैम्पियन वी प्रणव को नॉर्वे के आर्यन तारी ने हराया।

MARUTI SUZUKI

NEXA

INTRODUCTING

GRAND VITARA LIMITED EDITION

EFFECTIVE PRICE OF ₹ 9.99 LAKH*

WITH FESTIVE AND GST OFFERS.

LIMITED EDITION

GET ACCESSORY PACKAGE OF MORE THAN

₹ 75 000#

GRAND VITARA

AMBIENT LIGHT DOOR SILL GUARD (BLACK)

ALL WEATHER 3D MAT

DOOR VISOR PREMIUM (STAINLESS STEEL)

INTERIOR DOOR LIGHTING SOLUTION 4 DOOR

3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

EX. SHOWROOM PRICE OF
₹ 10.77 LAKH (-) ₹ 80 000
EXCHANGE BONUS = ₹ 9.96 LAKH*

NEXA SAFETY SHIELD

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

E-BOOK TODAY @ WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[6392]

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Creative visualization. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refer to the owner's manual. *Cost of Accessories is applicable on Zeta & Alpha variants. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. All offers are applicable till stocks last. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Limited edition is applicable for Sigma and Delta variants of Grand Vitara. Please visit NEXA showroom for details of the items contained in the limited edition kit.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.